

স্বাধীনতা

625

I

ASMA ARCHIVES



ॐ नमो श्रीगणेशाय नमो ॥ श्रीसारदादेवि नमो ॥ श्रीस्वस्थानि परमेस्वरि नमो ॥ नमस्तु
ते माहादेवि स्वस्थानि परमेस्वरि ॥ तैलो वीजनानिलुते स्वस्थानि परमेस्वरि ॥ श्रीगुरुवे
नमो ॥ गते पति च हेरवो वीजनानिलुते स्वस्थानि परमेस्वरि ॥ श्रीगुरुवे
नमो ॥ मोहोदर माहाकाय ॥ यक दंतं गाजादनः स्वतवर्त्तं माहादिस्तं ॥ नृनेतं गारनायक
प्रदे माहासुदंतं च ॥ इति ने प्रतीतिः प्रसुमीद कपाय च वास हस्त ॥ श्रीनारदीनः नाना
सुसपतां देव ॥ नानागंधानसेपिनि न्या गजगुपु वि तां वै नाना विगन विना तन ॥

देवा सुदं मनुष्यानां सिद्धिर्गंधर्वसर्वजीते ॥ तैलो व्याविही नारः स्वां धातुदुन मा सि
ह इति श्रीगणेशपतिः तोतु समापत ॥ ॥ स्वतवर्त्तं माहादिस्तं ॥ नृनेतं गारनायक
तं मयुगं न सुधुर्न ॥ मयुप व्यापुदस्तं ॥ दैता आतं वी नारि वानि तासि धुद स्व भा कं ॥ वंदे
समस्तं तु तीजनपति सीधु ॥ प्रक मसु ॥ इति श्रीगणेशपति तोतु समापत ॥ ॥ श्री
वच ॥ श्रीस्की ५५ कुमार आग्यादय काव वीपातं ॥ भो कृष्ण जीनिः श्रुगत्त मुनिः स्व
आदि प्रथमप्रायकने ॥ सकृच्चित्तमा नावे ने न धर्कं ॥ कुमार आग्यादय कावः

वी ज्योतिर् आदि प्रथम सर्ग ॥ अथ संसार सथा वरुजै गल पर्वत ॥ आदी सप्त सप्त
लेनु या वरुजै गमनु या वरु नो ॥ अथ जलामये सप्त ॥ सुदृस ॥ श्री माहाविष्णु
जोग माया या के सये ननु या वरु ज्योक् ॥ श्री माहावीष्णु या नाभिन सह सप्त
ल पर्वत ॥ पर्वती नु या वरु नो ॥ अथ गुह पल्लवा मुनिसः श्री ब्रह्मा विज्या कर्जै गल
संसार सधि या येता व्यान ना ना वरु ज्योक् ॥ श्री ब्रह्मा न ज वरु क सं पोत या
पुरिका या वरु थ कन कार हा काति ना वरु छेतं ॥ मधु था या ना म दे त्प ॥ १ ॥

२

नु या वरु ॥ १ ॥ हनै मरु क स पोत या पुरिका या वरु हा काति ना वरु थ कनु या वरु छेतं के
त व था या ना म दे त्प ॥ १ ॥ पाति नु या वरु ॥ १ ॥ अथ दे त्प ने ही मा हा विर प रा करं मि अ
ती वरु वं त ॥ १ ॥ अथ दे त्प पानि चोने भास म द या वरु ॥ जलामये सप्त नु या वरु चोने था स
मा ल नु ह ॥ श्री ब्रह्मा विज्या क गु स ह स ह ल प र्म या द ल व ना व द ल जो ना व
भा हा व ना व वरु मा या भास थ्येन क ल व न ॥ ब्रह्मा या ता अ ने क सा स ति या
ना व ॥ को ता न का वरु ह य ता न ॥ श्री ब्रह्मा या भाति ना स न ॥ ग्या ना व ॥ श्री जो

ग मा या आ रा ध न या तं ॥ श्री जोग मा या ड र पा ति जु या व ॥ व ली ॥ जोग मा या न
पर वं स मा हा वि सु नु जा र्ग ना या ना व ॥ श्री मा हा वि सु नुः ज ल न धा हा वि
मा ना व ॥ स्व या श वि जा ती ॥ ब्र ह्मा या त दु ष वि या व त व ॥ श्री मा हा वि सु नु
या को ध जु या व ॥ थ म धु कै त व दै त व ॥ थ ज ल म मे ॥ स मु दृ स यो ना व
॥ सु मे दो ण ६०००० म ॥ मा हा क थो र त ॥ ना ना प्र का र न जु ध या ना व वि
या तं ॥ मा हा वि सु नु न ॥ म धु कै त व दै त व या व ह परा क म ॥ ष ना व अ ति धु

३

सि स तो ष जु या व ॥ आ ग्या जु ली ॥ भो म धु कै त व दै त व प नि द ल परा क मि त्व ना व ॥
आ ति वु ति ॥ स तो ष जु ये धु न ॥ आ व द प नि या त व र दान वि ये ॥ ध मि र्छा जु या
गु फो ड ध के ॥ मा हा वि सु नु न आ ग्या व ये का व म धु कै त व दै त व न मा हा अ
हं का र न धा ली ॥ हो मा हा वि सु नु ॥ जी प नि त्व न नु ध न ॥ जी त ये या ना त ये धु न
जी प नि त्वे न द के द्य ये ब ल ये ने ॥ द न त मा ल सा जि प नि त्वे न वि म ॥ व ली वै ये
ये ड ध के ॥ मा हा अ हं का र न ॥ या ना व दै त व प नि त्वे न धा या व ॥ मा हा वि

मुनू न आग्या दत्तं ॥ भो माहा परा का मा ॥ मधु कै तव दे त्पा ॥ जिन धा या गु ले स
ते नी वे पे ष ब्रह्मा धा या ॥ मधु कै तव दे त्प न हे मा हा वि सु नु ॥ स त्प र स
त्पे नं वि पे त्प व द कै स त्पे या त का वः ॥ मा हा वि सु नु न आ ग्या गु ली ॥ भो म
धु कै तव दे त्प ॥ पा नि ने ह्य जी ह ले न मु नु गु पे मा हः ॥ थो ते के ने थ कै ॥ मा
हा वि सु नु न आ ग्या दत्तं ॥ थ न मधु कै तव दे त्प न धा लं ॥ भो मा हा वि सु नु थ
धी ॥ इ ल क प त या वि स ता ॥ आ गी पा नि त्पे न स ते धा म धु नो ॥ द न ना

स त्पे वि पे धु नो थ कै धा या ॥ मा हा वि सु नु नः सु र्द स च क का या व थ मधु कै त
व दे त्पे सि र दे ड न ॥ पा ना व ॥ मो च क लः ने स दे त्पे यी ॥ ॥ थ वे ल स दे त्पे या हे नी
ः दा क नी ॥ जे त स व ना वः ल ख या दे व ने थो या व ॥ ज ला म गु मा व चो न गु ॥ ना कु से
व नी ॥ गा व को च व ने तानि प र्व त सि मा लो हः ॥ प ति जु लं ॥ ॥ थ वे ल सः वी ज्ञा न प
थी ॥ श्री ति या त ॥ श्री म वे गु लं ॥ भु व न ॥ श्री ती या तः ॥ दु र धा ल स्या ॥ मु लो क मा हा
लो कः ॥ ज न लो क ॥ च र्ग लो क लो क ॥ स त्पे लो क ॥ थ व ने मा को पे या त लः ॥ त ला त

तारसी तरसी त कलुषा तल सुतल प्रतलः अन्नर थोते कस गुहिका ताल
गुलो ॥ थोते पुनकाव ॥ ध्या गुली पर्वत श्रीती यात ॥ दुःखालसा सुमेरु
पर्वत ॥ धी धमा पर्वत ॥ कैलास पर्वत ॥ हिमाल पर्वत ॥ श्री कुत पर्वत ॥ मेरु पर्व
त ॥ श्री व कुत पर्वत ॥ श्री पर्वत ॥ थोते ध्या गुली पर्वत ॥ हनं दसादि ग श्रीती या
ती ॥ दुःखालसा पूर्व आगने ॥ दहिने ॥ ने दि ने ॥ पादि मे ॥ वारवे ॥ उत्रे ॥ इला
ने ॥ थ वने उर्ध्व कोने ॥ थोते पुनकाव ॥ श्री व सा आनं दना वि ज्ञात ॥ थ

नदी ॥ चतुर्मुख ब्रह्मा न गुलसी ॥ थ व ज व पा तु ति न ॥ मा हा वि ॥ दं दे प्रजा पाति
॥ धृ त उ पी ति यात ॥ हनं वरु सा तु ति न ॥ वी र नी ध्या या ना म कं न्या धृ त उ पी
ती यात ॥ थ पाने श्री ज्ञानं श्री पुरुष या ना व विले ॥ थ नं ली वी र नि या ग भ स
द या व ॥ पी ला मु ला जि रा ॥ स पु नं जु या व ॥ कं न्या जा त गु लं ॥ थ गु क थ नं दं दं
स ये स ल स कं न्या उ पी ति गु लं १०० क स प ज श्री या त ॥ कं न्या दान वि ये
या त ॥ वी र नी या त ॥ स म धा र या त ॥ थ व द्वा श्री सा भा ग्या ने ना व जी व

धर्म धारण ॥ धो देह स के न्या शाना विप्र या न सा मा गति ता र ता त का व क
त्य परिष के ना व ॥ ह या व त ली ॥ ही म त्य ल के न्या पा नि ॥ वि प्र ता ॥ त मा र
जु ली ॥ धो न ही सु सु धा ल सा ॥ अ दिति धा या ॥ अ दिति धा या ॥ द नु ना मा का
हा ना म ॥ च ना ना म ॥ सि धि का ना मः क्रो धा ना म ॥ वा हे या ना म ॥ वि न ता
ना म ॥ कं ड ना म ॥ मु ज ता ना म ॥ धो ते के न्या पा नि ॥ क त्य परिष या त के
न्या शाना वि ल ॥ धो नी ति क त्य परिष व ल ॥ अ दिति धा या ल या के र्द

पु भी ति ॥ ने ति स को ती दे व ता उ र प ति जु ली ॥ दिति धा या ल या के न ॥ ही र त्य
क त्य प ॥ पु भी ति दे त्प द को उ र प ति जु ली ॥ द नु धा या ल या के ॥ प ला द पु भी
ती ना दु दु ॥ द को उ र प ति जु ली ॥ का ला धा या ल या के न ॥ च ना धा या ल
या के ॥ सि धि का धा या ल या के न ॥ रा हु के तु द को उ र प ति जु ली ॥ क्रो धा
धा या ल या के न ॥ क्रो ध उ र प ति जु ली ॥ प्रो धा धा या ल या के न ग र द ॥
पी द ॥ द को उ र प ती जु ली ॥ क पि ता धा या ल या के न ॥ काम धे नु ति ह

या च वन चर प्रभिते पसुद को ईर वाति जुल ॥ हुनै क तु क या के न स्वे
ब नाग ॥ प्रसीती न ॥ अनत वा सु की प द नाग ॥ कृत्तिक को त नाग ॥ त
न क ॥ सकल प्रभिते नाग ५ को उ व ति जुल ॥ धो नी ले द दे प्रजा पती
न विरति या के स म धार पात ॥ भो विर नी प्रिये थ की धाल ॥ कै न्या ॥
जान वि प्रे मा त थ की ॥ ध्या पा व ॥ वीर नि न धाल ॥ भो स्वा मि जी व र्थे ॥
वी से वी ज्वा हु ने थ की ॥ ग धे र मा त अ थे या स्वे वी ज्वा हु ने थ की धा

पाव ॥ द दे प्रजा पति नः धर्म को न क ल घे पा वः मा ह को सा मा ग ता ल
ता त का व ॥ सुत ग न दी न स मा हा आ नै द पा ना व वीर नि न ज र धार
ः हा व के का वः अ नै मी ग र वा प्रे भा त का वः द दे प्रजा पति न थ व ह्या च
पा ला हा त जी ना व ॥ धर्म पा त कै न्या ज न वि ली ॥ सु सु धा र ताः कि ति
ना मः ल दि मि ना मः मे धा ना मः पु सा धि ना मः स्व धा ना मः कृ पा ना मः
उ धि ना मः ल जी ना मः अ धृ ति ना मः धो ते र्मि न ने हाः ह्या च ध र्म पा

तर्कन्यादानविली ॥ हर्नदेप्रजापतिर्न ॥ चंद्रमायातर्कन्यादान
 वीदेयात ॥ वीरनिवसमध्यायानाकाचंद्रमावीनकलहोपाक
 मालकोगपजोलनः सामाजीताल जातका ॥ भिनादिनपुनरु
 सुवेलासी ॥ पवस्याचपनि ॥ नानावीचविचीवतिसानतिप्रकाश
 माहाउतःपुनर्कन्यादानविषयात ॥ वीरनिनजलधारहाका
 ददेप्रजापतिनस्याचयाहाहातजोनावर्कन्यादानविषयेयातचो

2

नी ॥ सुसुधातसाः आतिनिनामः भरविनामः कृतिकानामः तेहनिनामः मृ
 गालिनामः आर्द्रनामः पूर्ववहनामपुष्यनामः असलेषानामः मघाः पूर्व
 फाल्गुनीः उत्रफाल्गुनीः हस्ताः चित्राः स्वातिः वीसाधाः अनुराधाः ज्येष्ठा
 मूलपूर्वाषाढाः उत्राषाढाः स्रवनधनेमताः मतीभवाः पूर्वभद्रसमभद्र
 रेवतिः धौतेनियेक्रमः स्याचपानिकन्यादानविषयात ॥ कस्ववः
 रीषिवोनकलहोपावः गगपयातः ताललानकावमाहासुवेलासीच

२
इ मा मात थ वं स्मा च कं न्या नान वि र्ज ॥ कं न्या नान वि र्ज धुन का व र्च
इ मा मात र्जी वी दा वी दा व द्ये र्ज ॥ धो न र्जी नी वे द्ध स ल कं न्या न दे वः
ग ल ग र्ज ॥ धो न र्जी ज्ञा पं स्वं ग वि ष नी ज्ञा प ॥ ४ ॥ प्र थ म र्जी श्री ३ स्वः
स्था नी प र्मे स्वरि थ कं ज्ञा प ॥ कृ त्क न ल कं कार वो स्व धा व न दा य ॥
॥ धो न र्जी गी ग ज ल न अ स नान मात के ॥ श्री वं द ॥ र ग र्ज र्ज ॥ र्जिः
धु र ॥ नाना लु र्ज ॥ स्वी न ॥ ज ग म का ॥ धु व र्जि व ॥ कृ कृ म र्जि

दि प ॥ नै वै दे ॥ फ ल फु ल ॥ य क वान ॥ क लुरि ॥ तो वुर ॥ द र्छि ना ॥ व र्ज ॥ अ ने क सा मा ण ॥ थ
मं फ र्था थ ताल ला त का व ॥ श्री श्री श्री स्व स्था नि पर मे स्वरि या पु जा या य ॥ फ के थ म नः
ज प ध्या न ॥ तो त्र य द ल ये ॥ थ ते पु जा धु न का व ॥ वा ष न त्रारं भ या य ॥ ध न ध र्म व द न
जु को ल न ॥ लि र्मि धे ज व मे ल द्ध या व मा हा स्तु रि जु या व ॥ ई स्वरि या के म न त या व ॥
भ क्ति सं ध्या न सं ज न्ता रा व ॥ द के रिं नु य रि हा व ॥ य क रि त या हा व ॥ श्री ३ स्व स्था नि पर
मे स्वरि या वा ख न ने या त ॥ वा ल न नि पु जा या य ॥ सा धा दु थ द र्छि ना वि र्ज ॥ फ त सा

वस्त्रं न हिलेके मफतता साधा दुधेयाय ॥ ध्येते धुन काव ॥ वासनया वाके ॥ वाषाणे नेणे ॥ ॥
 ध्यां स्वर्ग यापे निद्राय ॥ ॥ स्वर्ग तस दक्षे प्रजापति धाय नाम ॥ देवता कुरु दक्ष केड ॥ गधि ड देवता दक्षे
 प्रजापति धाल सा ॥ सूर्य सो के ति देवता या ॥ सल्ल ववु उ या व चोड ॥ सूर्य के ति देवता न मान्य पाड
 तया ॥ माहा पराक्रमि ॥ धुला व चोड ॥ गधि ड पराक्रमि धाल सा ॥ बुधिनं दृह ल्य ति समान ॥ ते जन ल्हे यि सु
 मान ॥ विद्या न वा स समान ॥ इत्ये न कुवे र समान ॥ वल न वरि समान ॥ क्रोध न रुद्र समान ॥ कल न वि
 सुत समान ॥ धनुष विद्या न य सुर म समान ॥ क्षमा धाल सा पृथिवि त समान ॥ थथिं गु माहा प
 राक्रमि ॥ दक्ष प्रजापति धाय नाम ॥ स्वर्ग तस व स ल प चोड ॥ अदि प्रथम स ॥ दक्ष प्रजापति या स्या
 च य नि स १०८ सत छि व ॥ सांसे दस्य चो ड ॥ गधि ड ॥ धाल सा मा हा ल्हे गु गति नु या व चो ड ॥ ॥

यादि न सः ॥ सा उर्ज स देवता कय नि सः ॥ सा ह ति नः ॥ सहा दय क स विद्या तः ॥ थ देवता कतः ॥ थि थिः ॥ आ ह्ना दय क स विद्या तः ॥ आ र
 उ श्वे धकः ॥ मि जि स देवता क थि ड क या उ शो डा या ॥ मि जि स स या त क ता ग म ड ॥ आ उ ग थ या य मा ल धकः ॥ देवता क या साः
 द्रु तिया अ उ विद्या तः ॥ मि जि स ॥ हु हि या ल सु नान या डा उ वि थि ज ॥ २ ॥ थ उ त थ म नः ॥ या य नू या धकः ॥ आ उ मि जि स य ह
 ल रू या उ थो डः ॥ उ कृ प्रजा य ति या अ क्रा य य निः ॥ अ दि क द या उ थो ड डः ॥ धाय क ल कृ य नू या धकः ॥ स म स धा ल या य
 धुन का उः ॥ ना रू ड लि थि या कः ॥ आ ह्ना दय क लः ॥ हो ना रू ड कृ उ कृ प्रजा य ति या क उ न्य मा लः ॥ कृ न धा ल सा ॥ उ या
 के न्या य निः ॥ अ दि क डः ॥ थ के न्या य निः ॥ यि त थि य र त्राम ड त्र धकः ॥ यि त थि य द न सा ॥ देव लोक य नि सः ॥ हो न थ के न
 थि न ति या त क ल जि कृ य या उ ह ल धकः ॥ धाय उः ॥ थ्रि य कृ उ द्र उ ति य त दय का उः ॥ उ थो धकः ॥ धाय उ कृ य त ॥

[illegible]

वस्यनवियरुहायःसतिदयिकुम्भशकावियमद्रःजिसंयतियातरवउभलमातःक्रिकायमयामद्रःकायमयाधलसां
 म्मायमयाधलसाःथकृकजितमातयत्तसखसकल्यःपिनवियद्रःथिकरुसाधकधलःदनयाधसदवलाकयनि
 नःगुम्भनूभ्राह्मदतःउरुनूजिंजधलधकःभ्राह्मदयकिंजधकधल॥आपुनरुतंदवत्राकनःगथक्राग्वरुसाःभ्र
 थयांजधकःऊरुपुजायनिनःनाद्रइप्रिययातःलियतवित्तःथननाद्रइयातःअन्यगमान्ययादांजःपूजायादांज
 ततःथतेधनकांजःनाद्रइनःऊरुपुजायतियायःयत्राकायांजःदवलाकयनिविश्राकधसंजानं॥७॥थनलंदवत्रा
 कयनिस्यनःनाद्रइयायःयवदैनःलेनाद्रइःऊंजडागुम्भःगथगथधानाःसिरुहुंजत्राधकःदेहांजःनाद्रइनक
 नःहापुंमस्यतयनिःदवलाकयनिःक्रिकुयायासिधरुहुंजत्राधकःधल॥८॥लंदवलाकयनिःऊरुपुजायति

नक्षत्रः देवलोकाकनः धृतिनाः आहूत दत्तनाः। कायमजिः। अवस्यनजिः। धायाः। हतः। दिनयावत्कृत धातः।
रत्नः। आहूत दत्तनाः रत्नजिः। धायाः। हतः। धायाः। हतः। धायाः। हतः। धायाः। हतः। धायाः। हतः।
उविश्राद्धनेः दिनकृत धातुपनिस्पनः स्वः। विश्राद्धनेः धर्कः। धायाः। ॥ ८॥ धनजः प्रजापति यावत्सित्तः। धायाः।
आकपनिमाहाः। आनंदरुद्रसिद्ध्या अविश्रातं ॥ १०॥ धनं देवश्राकपनिस्पनः। हिडगः। त्रिदिनसायाः। दिनकृदाः। १२
कृतनदितकनकनकाः। धनं त्रिदिनतः। धायाः। धिधा मात्र २ गृहिता। आगिमात्तनाकाः। नयात्तनाकाः। विश्रातः। धनं
सिदिनयावत्तनाकाः। दिनयावत्तनाकाः। देवलोकाकपनिः। धिधीयकाः। कन्यादानकात्तनाकाः। ११॥ धनं
त्रिदेवलोकाकपनिस्पनः। विश्राकवत्तनाकाः। अकृत्तनाकाः। धमत्तनाकाः। माहाहर्षमानयानाः। नक्षत्रनः। साक्षाः

ग्राह्यात्तनाकाः। अहूत सविश्रातः। धनं सित्यत्रातनाकाः। धायाः। हतः। धायाः। हतः। धायाः। हतः। धायाः। हतः।
विलः। कन्यादानकात्तनाकाः। मात्तनाकाः। धिधा मात्र २ गृहिता। आगिमात्तनाकाः। नयात्तनाकाः। विश्रातः। धनं
॥ धायाः। १२॥ धनं सितः। लक्ष्मिवात्रकिदयकाः। कृत्तनाकाः। दिनसः। कन्यादान
स। धायाः। १३॥ धनं सितः। लक्ष्मिवात्रकिदयकाः। कृत्तनाकाः। दिनसः। कन्यादान
कृत्तनाकाः। दिनसः। कन्यादानकात्तनाकाः। मात्तनाकाः। धिधा मात्र २ गृहिता। आगिमात्तनाकाः। नयात्तनाकाः। विश्रातः। धनं
कन्यादानकात्तनाकाः। मात्तनाकाः। धिधा मात्र २ गृहिता। आगिमात्तनाकाः। नयात्तनाकाः। विश्रातः। धनं
काः। १४॥ धनं त्रिदिन

३ माहादेवतः अं न आन श्या अ ॥ ३ माहादेवत आदादतः देवता कन न का अजाम स ड स नः जितमा न मा
या क र न श्रुतः थम थथम नः र सिरु या अ विष्णु तः थन तिः आ अजिनः ज ऊ प्रजापतिया कः स ऊ य थ कः आ अ थ म
थ थ म अ न श्रुतः ज ऊ प्रजापतिया क विष्णु तं ॥ १५ ॥ ३ माहादेव विष्णु कः ज ऊ प्रजापति न र ड अः थ अ क र्ता या के अतं
ह मि सा सा अ थ कं ह र ड अ म माहादेव मि त्रि सु अ त्रिः काय स म सियाः अ या थ न क वान कः श्या नायः मया पः गधि ड अ
ल साः न सा अत साः न स ग तिः मि सा अत साः मं नायः अ य यित स न काः वि म स न तिया अ रु य अः व सा अत साः स म सा न याः
न तिः अ सा अत साः मि स त दे व त्रः ग सा अत साः आ थ थ साः हि सा अत साः थ ऊ ग तिः थ थि ड म मि त्रि सु काय अत म सिया थ
कंः वा ता अ थ ड व त स ॥ ३ माहादेवः ज ऊ प्रजापतिया क सः थ न क र वि ष्णु तं ॥ १६ ॥ थ न तिः ३ माहादेवतः ज ऊ प्रजापति

सुत त रंः सुत त सुत ता या अः ज ऊ प्रजापति न का श्या अ अतंः ३ माहादेवः क कि के काय अ याः क न क अ य त डः अ अ थ कंः
अ या अः ज ऊ प्रजापतिया कः माहादेवः क न तं म द य का अः सिय नायं म द य का अ अतं ॥ १७ ॥ थ न तिः ३ माहादेवत आ
दादतं ॥ ३ माहादेवः ज ऊ प्रजापतिः जि ऊ कं अ त्रिः म व ता या नि मि त्रि सु त म सः क न कः कं न्या क मः ल ड अ थ ड डः थ कं न्या त्रि तः कं
न्या दान वि य मातः क न अत साः कं ता स याः थि ड थ क त माहादेवः रु या अ थ ड डः जि ग र हि या त म ता क निः क न द या न
म व दे व त्र क य नि स क त्यः यां र हि या त थ नः दे व त्र क थिं रु या थ ड डः र हि या त म ता त्रः दे व या त्या स स म ता कः आ
अ क न द या नः म व दे व त्र क य नि स क त्यः उ थ ल र त्रः जि रु क द न नि थ क आ रु द न ॥ १८ ॥ थ त्रि या नि मि त्रि नः जि
क न कं अ याः जि न आ रु रु या अ थ डः क न आ यः जि न क न्या दान वि य मातः अ रु न जि न थ या म द थ का थ क नाना

वंधनः श्री माहादेवनः आह्लादयकलः ॥१९॥ धनकृपुजापतिन धलः नात्रायनसिव रजिष्वायः थथिडः यवहल
गुनिः थथिडसु धलिकन्याः कूननकोरुत्राः कूननवहलत्राः कूननधनकृपुजापतिनः कृशकृणुगलहल धलसाः मसानया
नलिनदूयाः अः कूननयीहायिकाः अः गिहा धलसाः सयनयां रयंकन वल धालसा धुके गुलिः आसा धलसाः गिस्रदवः
द्रुगसा धलसाः आथधसाः कृशयिहा धलसाः दिगवलः थथिडक्यातः जिष्वायकोरुत्राः थअरवालः थमनमस्वस्यः रव
ज्ञातः अलधकः कृपुजापतिनः माहादेवयातः अधायः थअयमसियकः संगलगनः तानाअः पिहिडा अश्नात ॥ २० ॥ थ
नत्रिः अः ३ माहादेवयामनस अतिः इरुताया अपिहा अर्त ॥ वियमइसाः वियमइधक अयातमगमकताः जिगथथिडवंध
नः जिगसंगलगनः हायमात्रताः धक माहादेवयामनस अतिः इरुताया अः अयायमसिस्वः पिहा विष्वातः हनमनसि

तत्रया अः अः अजिगनअनः धकलतपा अः अर्तनवयकथस विष्वाके विष्वातः थनंजि विष्कृतसडा अः वासात्रया अः
अर्तगधयथा अः अर्तगला अताया डा अः सर्वनयाः वाताः वा हाथोहया अगुनिययका अः थअकस विष्वातकत ॥ २१ ॥
थनति विष्कृतः गमगत पातसतया अः ग्राहात हात अः अलया अः अः माहादेवयाक विननियार्तः हायमस्वतः कृतयात्र
माझामइ तिमइः कृपुयानिमिसिस्व कृपुयानः थनविष्वाडा धकः अन्यगपुकात्रनः विननियाडा अः शवडेडा अश्ननः हनयात्र
माहादेवयारवाल स्वया अया अ धलः कृतयात्रयाः कृशवकृत्राः गुगुतिइरवकृत्राः आह्लादयकस्य विष्कृतन्यः कृतयात्रयाः सव
कजिमदयात्राः धक विष्कृतः श्री माहादेवयाके गमगत पातसतया अः विननियार्त ॥ २२ ॥ थनति विष्कृतया शवडेडा अः श्री मा
हादेवनः आह्लादयकः रवअश्वविष्कृतः जिष्कृतया अया अमिवतामइः कूनना धलसाः कृशजिष्मइक्याः कृश्वलमइः सयार

लसानंः कृमिद्वयः धनमदः यथ्यानिमिलिनः जिह्वनकः उयाः गटव धातुसाः दवत्राकपनिसः दृष्टिपातधनकाः
ससनशनः उगततायाः क्रिमनसः एतयातसायातजाः ऊरुप्रकापतिया धारुक्रप्रतडाअशदइः थर्कन्याक्रित
नडाडातः ऊरुप्रकापतितः क्रितअतः अथतः अमदयर्कः लंगरंगतः न्याताडाहलः थचिठवधन थचिठरुचिनयाडा
डाश्राजिश्चनजानहमसियाजानिमनसश्चिद्वर्जयाजानकः अयाधकं माहादवनध्राविष्णुयाकंकर
नावायकापधनश्राद्धदयकलं ॥ २४ ॥ धननिश्रीमाहादवनश्राद्धदयकलं ॥ २४ ॥ धननिश्रीमाहादवनश्राद्धदयकलं
हास्वामिप्रमिसलः थश्रासकृतपालः थधाकांसेविश्रायमात्राः कृतपालयास्यवकः क्रिमदयात्राः थश्रायाथमसकृत
पालः कृतपालयासः विश्रायमगः थश्राजिडाडाअसिधयाडाजुयमवधकः विष्णुनः थश्राहादवयातः धनग

प्रकासनः रवकाडाडाधविश्रागतलः हामाहादवकृतपालधननि विश्राकनः जिह्वनकप्रकापतियाकडा
डाः उयः थथलिसलुतायधकं धायाः आशमाहादवनै थडाकृतविश्रागकाः विष्णुप्रकापतियाकजनैः थ
नविष्णुडाडाऊरुप्रकापतिनरवडाः विष्णुगामिकविश्रागरवडाधकलतयाडाः हादसनस्वनजमगतकाः धन
गधयथनाडाः नानार्हलियाडाः गीतयानाडाः वासात्रायाडाः नानालवनायाडाः विष्णुथडाकृतविश्रागकलः थविष्णु
गथविश्रागधातुसाः स्वसास्वयः मगमकरवातयाडाः मसकृतनडाडाः रवकाडाः क्रायमगमकवधनः नाकपूयाडाः
तालनेमनदायवधनः विष्णुमायानपूयाडाः धनिलखलुजातकंविश्रागं ॥ धनिलजकप्रकापतिनधातुः हास्वामिकृतपालः
॥ २५ ॥ धनिलजकप्रकापतिनधातुः हास्वामिकृतपालः ॥ २५ ॥ धनिलजकप्रकापतिनधातुः हास्वामिकृतपालः

नञ्जसूदतः॥ लोविष्कुजिनरू धायः कृतं पातं सनगाथञ्जसूदतः जश्चयायधकं धलंः थनं लिः विष्कुन धालः
लोस्वामिः ब्रसानिकनः थथयास विष्वाकनः दिनरू ४ मालनिः वरा थयलसः थरद्वनः थयलसः कृतं पातञ्जः
थथसिद्धयाताः जालं थलं हन हायकाताः क्रिसुगु कनतायकाताः जति निस्वतः जोगीरुयाताः थथिडयलसः ऊरूः
सविष्वाकनः कृतं पातः विष्वाडाताः थलिञ्जसूदयकिताः होऊरूपुजायति थि कन्या दान विष्कुताः माहाविष्कु
थि कन्या दान काठं ताः क्रिगलिष्वामरू स्यं कन्या दान कालसाः विलसाः ऊरूपुजायति यानंः विष्कुर्यानंः निष्क
संः सत्राय विष्वाते लोः धकंः कृतं पातं सनः आसूद्रयकि अधकंः थथे तसक्रिन निष्वायः लो जागि आसूद्रय विष्वा
तेः क्रिथन वरा रुयि ताः वरा हाता सूर्या जथकाः कृतं पातः विष्वा विष्वाकाः कन सत्राय विष्वा मरू कृत सत्राय विष्वा मरू

जवसन गवलिताः कन सत्राय विष्वा मरूः कथना निद्रहातायाताः थथे धकं धायः थथे लस इहा विष्वा तर्कनयः थथे
लसः कृतं पातयात कन्या दानः जालकाता विष्वा धकंः विष्कुन धालं॥ श्री माहादेव्या मनसः जति रवृसि हरवमान
याताताः दकिता थथे धकं॥ श्री माहादेवः के ता सस विष्वा मरू॥ रटा थनं लि दिनया समया ताताः दिनया थनिद्र
ता॥ श्री माहादेवः थथे विष्वा थि ता थका थकाताः श्री ८ श्री विष्कु ऊरूपुजायति या थ विष्वा तर्कः थनं लि श्री माहा
विष्कु विष्वा ताताः ऊरूपुजायति नः कन्या दान रू के विष्वा न गमन कः सम सनया मया ताताः ऊरूपुजायतिः हरवमानया
ताता थनंः थनं वरा नयाताः श्री माहादेवः स थथे ताताः विष्कुर्या मनस माहा थ थारूतः आता विरा हाता सूर्याः आता गो ल्य
माहादेव मविष्वा केः वरा विष्वा ना धकंः क्रिन रूय गुन माः माहादेव्या न विष्वा मरू ताः मका सूर्या न थत सूर्या रुयि

श्रीमहादेव उवाच ॥ तं विष्णुः कः ॥ चयाय धर्मः विष्णुः स नमः ॥ वाक्यं नमो हा धर्मरुता ॥ २८ ॥ चतं त्रिंश ३ माहादेव
 नमः ॥ स उवाच ॥ धर्मः विष्णुः स नमः ॥ आथति रुताः ॥ वनाहता स रुताः ॥ धर्मा उक्तं वनायि वगत उवाच ॥ विष्णुः कं न्यादान
 काय धर्मा उक्तं धर्मः ॥ हतं कृतं नमः ॥ गच्छिद वत स ॥ च न भूत स ॥ समस्तं न्यायं यादा उवाच ॥ इदं स ॥ च न कृतं स ॥ दाताः ॥ रुता रुताः
 रुताः ॥ ताहा मित रुता दाता भूतः ॥ लविष्णुः ॥ लज्जु प्रजापतिः ॥ विष्णुः चिकं न्यादान कायि उक्तः ॥ रुता प्रजापति चिकं न्यादान विधि उक्तः
 रुता चिकं विष्णुः कात रुता धर्माः ॥ रुता यित न उवाच ॥ नयनायं स सादा निताना दताः ॥ रुता हि रूपा नितानाः ॥ रुता हि रूपा मरुतः ॥ कं
 न्यादान कात सां ॥ वितसां ॥ रुता स न्याय विधि धर्मं आया उवाच ॥ विष्णुः न भूतः ॥ हता गि आस रुता विया स न्यायः ॥ रुता उवाच ॥ रुता स न्याय विधिः
 यमनः ॥ रुता रुता न भूत स न रुता हि रूपा रुता यथा ॥ रुता स न रुता रुता यिताना ॥ हता स रुता ॥ रुता यत निताना उवाच ॥ रुता

धकं अया अः थ अ थ सः उ अ स ह क क का अ क हं ग चि इ व ह स थ न अ ह ल वं अ य न वि य या कः मा म नं ता हा या आ डा
अ अ इ व ह सः व क न म् आ र या ता हा क आ डा अ अ इ व ह सः वि कृ न ता हा ति स ह या अ अ इ व ह सः थ चि इ व ह स थ न
क ह अ ना अः थ न वि कृ न मा या न क या अः व क स या मि र वा क श त्र वे य का अः अ थ अ गि याः ता हा ति सः कं न्या या ना हा
तः त या अः थ क के य या डा अ वि तं त्रि थ ता हा त सा त ना सः वि कृ या ता हा त म रः अ थ अ गि या ता हा त ह या अ अ इ
ख डा अः उ कृ पृ डा य मि याः अ गि क्रा ध ह या अ अ तः हे पा पि थः वि कृ थ चि इ वा ना तः अ ध मि र व नः त्रि के क न
थ त्रि ता क त या य आ ह ताः क न खा त सा य आ ह म रः क न खा त सा य ना यं म ते अः क न थ अ त थ क डि हे त का
अः आ अ डि आ रः अ ना अ मि या डा अ वि तं कः अ ध मि या र वा त स य म ते अ ध कं वि कृ या त अ ध अ थ अ अः

मदयकं नार्तः रुतान्त्रं न्याडाअः त्रि(थ)थअअरुः सतिदेवियातधतः आअरुयायपताः अथमिदिकृतकः
तनत्राताः रुतलारितअत्रायताः आअजिनरुयायमयरुताः आमस्यथजागितायंअनमात्राहनिधताधकं
अयाअः वदयारं डडाअः सतिदेवितः अजितअइरुतविताययाडाअरुतः थनंत्रिकंन्यायामनसलतपतः आ
अजिनरुयायजिकुर्मसः थथिडरुयाअरुताः केहयनिसुकनः देवत्राकयाकिनातः जिइतं थथिडस्यथजागि
याकं नातधकः माहाइरुतखायाअरुतां ॥ ३० ॥ **थनंत्रिविष्कृतिहाअतं** ॥ थनंत्रिस्यथजागितः मामवदयाकं देवा
कायाअः सतिदेवीनः खासुदेवासाताअः रुअरस्यथजागितायाअः थमत्रिअरुताडाअः अतः थनंत्रिथकंन्यात
लतपतः नात्रायनसिदरुकेहयनिसुगचिरुदेवत्राकयनिसुत्राकः जिइतंरुयायपतः रुयातिमिहितः थथिड

स्यथजागियाकं नाकधकः माहाइरुतः खासुअतः रुतं थअतथमनः धिर्जवितः आअरुयायथअलवितः
अत्राः थअलवितवियाकः ययामययाअयमदः थअजागिरुततांः जिथस्यामिप्रलभसातथकाः देवत्राकः
अडीगंथकाः गपमामवदतवियाकः अमस्यामिः थअजिदेवताथकाधकः तसुअः अंखास्यखासुअडाअमन
सथथअरुलतपाअः अतः थनंत्रिस्यथजागितत्रिषायाअधतः हेसंघत्रिकंन्याः कुरुहूनअयाअतः थकंन्यात
खासुअधतंजिआकुरुहूनअयः कुरुतपातदधनविद्याहूनः स्यथरुत्रामिसानमकुताः देधनविद्याहूनः रु
नासुखास्यविद्यायममातधकः सतिदेवितअतः रुतं थकंन्यातलतपतः नात्रायनसिदरुधकंजिस्यामिथथिड
स्यथरुत्राः जिइतं थथिडसंघत्रिमिसाज्ञातः जिस्यामितससुनानंवतनरुयाडाअः जितगअतांयायरुअधकं

लतयाअधंअकायाअःअनं॥थनंतिःआइमाहादेवनःलतयतंःथकंन्यायामनसमृतितायापइःगतितावि
मइसायधकःलतयाअअंनअनंःकेतासयाआसहिखाकःकुगदयकाअतंतःथकंखनदयाअःआथनयमा
हादेवनअतंतःहसुधनिकंन्याःमिजिकुमाथनिनाःहसुखनदताधकःकुकनाअःसतिदेवियामनसलतयः
तःनात्रायनसिवरजिगधिदग्गसर्वन्याकसुआदाःआअजिथधिदहिराकसुताताधकःमाहाइखतायाअः
खासुअडाअःतसअःअंननंरिक्ततयाअःकूयायःगगतिजिपुहसामियाकुरुताःउगतिःजिसर्वन्याक
थकाःधकमनसलतयाअःअनं॥थनंतिहिराकथडाआकतातयाकूअनःआइपतःजिकुमाथथकाःइहाह
याधकंधयाअःगमरुतसहारिहयाअःसातयकतकाअःलतनायासातसायाअःहिराकयाखायाःसाडाअःमाखाः

पिसापडाअःकाथाइहाअडाअःसातनासंःवसअतककिरुकःकथिकुगतिकायाअःयिकिचिकियाडाअः
इहाअडाअःअतंतःथनअथनअतंतःहसंधनिकंन्याःजिआरुकिनंन्यान्ताजिआरुतिनिइडाअःअनंधयाअः
नुसगजिहोकनिडाअःरुवाकासुंदअअनं॥३१॥थनंतिःथंनंतिंसतिदेविनःमनसुरुकिनःहतासयाया
अःआअजिनकूयायःपिहाअनंधातसाःसामिरुवाकासुंदःआअजिनकूयायधकःधयाअःरुवाइन्यया
नाअलतनायादवागसयाअःअनंःहनमनसलतयतंतःथनजिसुधलिरवडाअःसुनानंजिसामिकूयाडाअः
जिनकूदकोयायरुअजिंधकमनसुरुकिनःहतासयायाअःअनंःथेकूयाइदयाअःअनंःलिथअथयमा
हादेकःदडाअःसातनासतःकतातयातन्यातंतःहकाडाकमिसाःकनथधिदवंधनःजिपितहाकातितातयाअःधमइका

सुखतश्चतः किंदातश्चक अययातः कृतकृतमइलाः थचिड अर्धमिः मिहा धर्कं ताता उः रु कि ततमराया उ अतः डि
तसुतः दाइम अतः कृततयम मातत्राः धर्कं अया उः सतिद विन अतः हा हा मि कृतपातसुतः आतकस्या डा उः विहा
तधकः किनथन मकाताः डि जानयधना अया उ ॥ श्री ३ मा हा देवतः कृतकृतया अतः थनत्रिसतिद विन अतः थनमधि
ठिडि इ इग तिनया धर्कं अया उः छा थ रूपमा हा देवतः मतस हातपतं ॥ थन कृतयि उः रु समां रु मइ धर्कं हातया उ अ
नः थर्कं त्याग (थशन अतहाः नय धृत रवातया डा उः सिलख हा गानका उः समात्रया उः सिद्ध प्रनति डा उः रवात्रयन
कनका उः अति वानत्रातका उः थनः थ थ थोदस्यया उः छा थयामनसः अति हर्षमानया डा उः हन धर्कं हे कन्या
किमा डूलनम गमकनिः हन रवकिनि दे डा उ थन धर्कं धया उः हन दे डा उ थनः थन सतिद विनः नय धर्कं धर्क

सखलनायनः स्वया शोयागु लिः थत्रा थो हात्रा समाख्या यिरवान ह डा उ थनः नयव हल वमु कसइः थथिड
थयसः रु स्वय धर्कः हात्रया उः हात्रगीया रवातस्यया उ थो हा लतिथिया उ थनः थि हा उ न धालसाः लरवा
सहात्रातः उ गन उ अन्य मजि उः थथिड वं थनः सतिद विद्याः वायस्यया उः सतिद विद्यामनसः यावमइ रवडा
उः श्री ३ मा हा देव अति रवसि रया उ धाल हे सु धलिसतिद विः मिजि रु थमदव थकाः आभातिरवाकः सेनका
उ इ हा रु नि धर्कं धालः ३२ ॥ थन सतिद विन धालः हा हा मिः हि डा उ थोदगु लि रु सेनकानः हि डरु थि उ
त्राः थ रु सेनका या आरुः थ रु सेनकानः मिजि सगन थनः कानियागनि कृतपीतः रुत्रा थरु हाः किडन मिहा
जतिः हि डा उ थोदगु लि सेनकानः सुनानं क्राडा उ विमि शामरुः थ थ थ आरु दयकस्यवि । आयमते उः धर्कं धा
या उः छा थ रूपमा हा देवतः थमगायद डा उः हिमवाक थनका उ कृतः थन के रास थनः थ रु स्वया उः सतिदः

यिन धातः हाय रगाथि ३ रदं ३० यथि ड कृजिन स्ययनया मना डा मि स कृया सिन २४ कृहि २४ स्या ३०
क्रया कृधकः कृस्यया ३० सति दीव र वृ सिरया ३० न कृय कया द थ स आन न्दन योन ॥ ३३ ॥ यनं ति ३३ माहा ३३
नः आ ३३ द नं ह सति दीव सा स रि व काया ३० याथि ३० थ क थाया ३० सति द रि त ह ता २ सत सा स रि काया ३० व थिः
ता अ वितं ॥ यतं तिः ३३ माहा ३३ द वः व थि ता थ सः द थ स वि स्या डा ३० सति द रि या त द त स त रि तं ॥ ग थ द न स त रि तः ३३
अत साः कंठ रु का नि त कंठ या डा ३० रू कि त या थि र्क र्क या डा ३० रा रु ले मान या डा ३० मा हा नं कृय थि का या ३० स
सा स्य म ग म क य न्ध नः सति ६ यिन धातः धनं ३३ किला ३३ थ कः ३३ माहा ३३ द व क न कृि त स्वा मि त्रा नृ थ क थाया ३०
ग हा न हा रु ल पा ३० स्या कु इ रा ३० थ ३० स्वा मि दु स न या नीः थ नं ति नं कृ स नः ना ना पं या स रु रु न म न द य

का ३० म थि थि स्या दिः अं तं ता क र द य का ३० त कृ स तं हा रु त या स वि स्या तं ॥ यं ते कृ त का ३० त कृ आ न न तं स रः
त रि स्या क रु ता ॥ ३४ ॥ यतं ति सिसा कृ सा का य मा त रु ता ॥ यतं ति कृ रू या दि त सः कृ रु प्र जा प टि या म त स हा त प तं
आ ३० थ सं य ति या मा या कृि त का य ॥ का य म रां म इ ॥ का रु य ति रु मं म द ताः आ ३० थ सं य रि याः मा या म मा त थ कं
हा त्रा या ३० क ता ग अ स म अ त या तं ॥ स अ रि मि साः मि थि स तः अ स म ३३ रु द्र या य त या थ कं ॥ कृ स कृ कृ व लु क इः ३०
थ २ थ ३ः स ३० थ क थाया ३० क रा ग कृ नः कृ स स त नां स नः स्या सा या गु लि व लु क सं पू र्कः त ले य रु या ३०
थी ३ सा या ३० क रा ग कृ नः कृ रु प्र जा प ति या त धा तः हा स्वा मिः व लु स म स र्क इ थ कं लि स त क डा ३० ॥ ह र व
मा न या डा ३० स र व न योन ॥ ३५ ॥ य न ति ना रु द मि थि थि डा ३० धा तः हा ना रु द म नि ॥ कृ त या ल ३० ॥

ना'उ। वाक्कनः योतहितयतिस्क अनाअः उरु पुजायति या॥ अस्म मधुजुह्याय प्रकं अत॥ यो दितगुरुन रिड
विशिग (च २ मात धकः ड डा अः अया धकः अया अः ना रुड तः डिअ वि धकः वाक्कनः योतहितयतिस्क॥ अडा अ॥
विशिग मसुं ड डा अः दितमात का अ॥ अया॥ त्रिहृत्त स मसुंः क डा अ सु खत अतं ॥ ३६ ॥ धनं त्रिदिनया समय
या अ॥ उरु पुजायति न अतं ॥ सना रुड म ति॥ उरु या दित गे त॥ क त पा त वि द्य डा अ॥ अरु मय रु यतिः डिः
ता रु त यति सु क त्यं रु का २ का य पा अः धनि ध रु त ॥ रु त पा त या वा त रु या॥ अस्म मधुजुह्याय अः त्रिहृत्त स मसुं
अः स्नात या ना अ॥ वि द्य या मात धकः क न का अ ना वि थ या अः उरु पुजायति या व य न थं ॥ ना रु ड अ ना अ
क्रि त्रा अ नः अस्म य य निः अं २०० रु ह ना अ ना य तः ॥ उरु पुजायति या व य न म ड या अः मा हा दे वः स ति दे वि या

१३

हिकनः मा हा दे व या के रु की म अ म डा धक लि स ल क नः धनं त्रिः उरु पुजायति न ध लः मा हा दे व या के रु ख यं म डः रु
स तं अ न सा रु न सि रुं अ थ का धकः ध या अ त लं ॥ ३७ ॥ धनं लिः उरु या समय ने या अः उरु स रु डा अ नः धनं क्रि त्रा
अ न अ या य नि अ अ र व डा अः उरु पुजायति या म न सः मा हा ह र व मा न रु या अः उरु या ना थ सः अ न नं ड न शी नः ह न
उरु पुजायति नः अ अ र व अ सा य अः यालं २ ध लः हा दे व हा क य निः यो ल हि त य निः क्रि त्रा अ न य निः म य रु अ व य
निः मि क्रि रु रु हि ड म र व रा ध कः यालं २ ड डा अ नः ह न ध लः स अ र थ थं मा हा दे व वी न ध ल साः उरु न यं अः
हा हा अ थ ध ल साः थ या अ न यः म स न या न लि न व या अः अ न यी हा यि का अ ति सा ध ल साः ल य क ल र वि म क न
अ म यं रु य न स न का अः नि या अ रु यि अः न सा ध ल साः अ स ग क्रि न या अ शी नि अ व सु ध ल साः धं रु गु लिः वा हा न थ

लसाः अथ धूसा रुयिं अ धालसाः दिगं वलः आसा धालसाः प्रिस्र दवत्रः थलिया निमिस्तिनः ऊं ऊं न पं अ सा ला रु यि अ
 थकः माहा देव सति दिविरु कोम बो दान लिदः आ अ मि मि स्र ऊं ऊं लिद म र द्रा थकः वा ले रं ड डा अः जि त्रा ऊ न पो ली हि
 तय नि सनः र व ह न म रु न त्रा अ लि ड रं र थक धालः थ र व द अ अः ऊ कृ प्र ऊ प नि ग्याः मन सः मा हा र व सि रु या अः ऊं ऊं स
 त्रा स स र व न थानः थं दे व लोक यनिः पो त्री हि त य नि स रु कोः ला ल या अ थाने ॥ मा हा दे व म र य कं ऊं ऊं या रु सा ला रु वं अ थ
 कः ला ल या अ थानं ॥ स ता तं रं अ य म रु अ ॥ म न स रु को ग्रा हि ग वि ड कृ या अ थानं ॥ ३६ ॥ थ तं त्रि श्री मा हा दे व न ला ल
 पतं ॥ अ स ति दि वि त ॥ ऊं ऊं या कृ त ता यि अ ॥ थ क ता ता त रा वि द्यु न रु यि अ थ कं ॥ ग व को थ या इ नं अ डा अ ॥ त्या रु त
 सा डा अ वि श्रा तं ॥ रु ल रु ल ग वि ड अ त रा ॥ स र ता ग या कृ स को थ रु या अः स य नं म न रु कृ का या अ रा प ति त तं ॥

२४

सूर्य न कृ आ गी नि या या सः रं ड स रु स रु ति त या अः थ धि द व न्ध न नि क्राः सि व सी रु या अः रु त ला डा अ वि श्रा तं
 थ नं लि ना त्र ड पि रि व न ला ल पतं ॥ थ रु कृ प्र ऊ प नि नः मा हा दे व बो नि अ म र द्रा आ अ ग थ या यः थ थः जि म
 हा दे व या कः अ न साः ऊ कृ प्र ऊ प नि नः जि त सा सी या यि अः ऊ नि रु या डुं अ थ कः रु डा अ थानः ह नं ला त्र य त्रः
 थ थ मा हा दे व या कः म क न साः मा हा दे व न जि त ग थ नि ग थ या यि अ थ कः अ न्य ग थ थान ग थ थः म न स रु
 दा त्र न थं थ का म्या अ थानः लि थ ला त्र य लः आ अ म प्य थ थ रु लः थ थ रु ल सानः अ व स नि रुः मा हा दे व या कः क न
 अ न थ कं ला ल या अः वा डुं व ग नः कं त्रा स सः ना त्र ड थ न का अः मा हा दे व न थालः रुं अ या गु ति रुः जि न सि य
 धू नाः आ मि र व ला या स तिः थ नं जि रु रु नं रु त न वृ नाः क न मा म स ति दि वि न का त्रि रु त्र न यं को वृ ना ॥ रु न अ
 स क

मरुकायमन्त्रायाम् ॥ नारुडमनिसुमकशतं ॥ ३२ ॥ यतं तिसृतिद्वितः ॥ ३३ ॥ माहादेवयारुतामया अक्षतं ॥ हे
 स्वामिप्रमसातकृतपातसतः ॥ रुद्राद्वाहदयकसविद्याडाः ॥ यतकृतपातकृतः ॥ क्रियाताः ॥ यवसुक्तसया ॥ कृतपातः
 कृतपातक्रियातसां ॥ कृतपातयावसुक्तं मरुता ॥ ४१ ॥ आह्लादसुविद्यायदता ॥ नारुडयारुद्ररुद्रतससः ॥ ३४ ॥ विद्याह
 तं ॥ अयाता ॥ सतिदेवितमकाया अखडडाता ॥ माहादेवतक्षतं ॥ हे सतिदेवि ॥ यथावकृतं न सारु अक्रिआवातं अ
 याता ॥ सतिदेवित ॥ हे स्वामिः ॥ कृतपातसत ॥ रुद्राद्वाहदया ॥ नारुडत ॥ कृतपातयाकसयाता ॥ क्रिमनदकं वियः
 ततना ॥ मिक्तनया मायावरुका ह्यायिअधकं ॥ ४२ ॥ मरुसकायमन्त्रायाम् ॥ सतिदेवित नारुडयारुतामया अक्षतं
 हे नारुडकृतकृद्ररुद्रतक्रिआतने अक्षतं ॥ आह्लादयकाता ॥ नारुडतविततियातां ॥ हे माताप्रमसाति ॥ क्रिहाः

२५

गातायाकाभवतामदः ॥ कृतपातयावालरुयाः ॥ अस्वम्यत्रुद्रयातः ॥ नादनाः ॥ आ ॥ अक्रुद्रयापुर्जः ॥ यनिधरु
 मात्रनिः ॥ कृतपातयाः ॥ कृतपातनिहकलैः ॥ कृतपातयनिहकलैः ॥ क्रिनिविनितियातायाधकं ॥ अयाताः ॥ सति
 देवित ॥ माहादेवयाकेवताक्षतं ॥ हे प्रमसातमाहादेव स्वामि क्रिवातकृयाः ॥ अस्वम्यत्रुद्रयातक्षत ॥ क्रितरुद्रिह
 याताः ॥ अयाअयाता ॥ माहादेवत आह्लादत ॥ हे सतिदेवि ॥ क्रिनिहकलैः ॥ यनिधरुद्रयातक्षत ॥ अयाताः ॥ अक्रुद्रयापुर्जः
 स्वतुतानेधायमन्त्रः ॥ कृतपाततानेधायमन्त्रः ॥ कृतपातयावालरुयाः ॥ माहादेवनायायापुर्वंधनः ॥ यवसुक्तया
 ताः ॥ सतिदेविनः ॥ यमयमसुस्यविनितियातः ॥ हे प्रमसातस्वामिः ॥ अस्वम्यत्रुद्रयातक्षत ॥ आह्लादयकसविद्यायदताः ॥ क
 लपातता क्रिआयु यानि मिमी नवायुता ॥ ४३ ॥ यतायुता नयाता ॥ सकलमां ॥ कतातताः ॥ तालताता ॥ वलताधकं ॥

यथा मन्त्रं ब्रह्मा हृदयं कसेवि श्रयमन्त्रं अध्या उवाच नैवेला काया शस्त्रं वा कुद्रा उः यथा स्वामिर्दसनया डा उः
नाद्रु उः सति दिवि उः निष्क्रान्तः यनमा हादवन ज्जितं उद्रवन विष्णुतं ॥ ५० ॥ यनलिनाद्रु उः सति दिवि उः
निष्क्रान्ता उः लंदायान् रुगुलि यनः यदायनसः नाद्रुन धालः ह्युमसलिः सति दिविः कृतं धाल ज्जितं गुत्रित
नं विष्णु निः श्रिय गुत्रित नं उने ध्या उः नाद्रु वायि यगनः उडा उः क्रया यनका उः मसिया यदनका उः म २५
रवनका उः यथा ज्जितं सन्ध्याना उः या यथाना उः यनः यनलि सति दिविः उद्र गुत्रित लति हिल मात्रा उः लति रि
पा यन कल उना उः मूत उभतया रवी सित उग्रा हतिन उडा उः क्रुष्ट्याना यमसु स्या उः यनः यनमा मवदुः
क्रुडानेन यो सनः मामवदुन मयदा यदनका उः यनः यथ निद्राया कः सति दिवि न रवडा उः मनसु लात्रयलः माहादि

वनरुकाः ब्राह्मणं दयकः ब्रह्म गव धनगनका उः श्रि उयाः ब्रा उः श्रि यनः यथि डव इन रुयितः सास्त्रियागः ब्रा उः
श्रि रु रवात्रन यो नः लिहा उने धालसाः माहादवनः श्रित रु धयि उः धक मनसः ब्रह्म गलालया उः यनः हनं श्रि लिहा उः
न धालसाः क हयनि सन रु धयि उः श्रि राजन यनि रुकः ग यि ड हयकाः ब्रा उः श्रि रु रवात्रन यो नः ॥ ॥ मामन वदुन धालसा
श्रित थ्रि लिहा सास्त्रिः रुयित या यमन्त्र उः श्रि रु मरु उः श्रि रु लसाः उमि सन म विद्या यमन्त्र उना मरुदुः हनं श्रि लातना धालसा
यमि सनः नात्र मरु राय व हय मरुः न लायका ध निष्क्रान्तिः श्रि स्वामिः यथा श्रि राजन यनिः ददया स्वामिः श्रि लात्रा श्रि
या उः श्रि डः श्रित नयाः यथि ड गुत्रि सास्त्रि रुयित राः ॥ ॥ ब्रा उः श्रि म्वादाया रु सिर्दि मदनाः ब्रा उः ग यनः मामवदुया ब्रा
साम्मात्राः श्रि मदतना उः मामन वदुन सि श्रि उः यका धक मनसः लालया उः श्रिन ज्जितं सनः यथि उः हन रु तो धकः ला

[illegible][illegible]

वः गंधवयनिपिहा अया अः विन एड काति कानं अतं हतन प्रे न पि सा अः ऊरुः गंधवयनिः कू नि २ धर्क
 कू मिसुगुग २ रुके इतः उगु तिल के या अ अमकन म त क क म रु क सु ना नं शिय म ते अ धर्कः वित
 एड काति कान आद्या वितं एत पि सा सु रुके गंध वयनि सतः ऊरु इहा या अः समसुं वि शंस या तं थन ऊरु सु शे
 का ह मया य धन का अ पि हा अतं ॥ थन विन एड काति कानः रूत थन पि सा सु यति सक तं थ अ २ सति त सं इ २६
 का या अः श्री १ मा हा दे व या ॥ अ ह अ डा अः मा हा दे व या त ॥ ऊरु प्र का य पि याः सित ॥ त अ क्ता तं ॥ थन मा हा दे व
 याः भा न मा न सु म म त या डा अ तं ॥ थ वित व ड काति का य नि सु धं न प्र त वि या अः थ अ क्ता तं पा त वि ता अ ॥
 त या अ तं ॥ ४ ॥ थ नं ति श्री मा हा दे व रु रु या डा अ सु डा अः ऊरु सु इ हा त ना संः स गि द वि सि डा अ अः

इ सु डा अः थ म त य सु य डा अ ॥ ज न ग वं ध न इ र्व न मा हा वि ता य या डा अ र्वा तं ॥ ति थ थ म त क का या अः न क
 न कि डा अः उ न मं त रु या अ रु तं ॥ थ थ रु डा दे व ता क न रु डा अः दे व ता क य नि स क र्यं कं य मा न रु या अ ॥ हा डा अः
 सु हा सु म डा अः सा ह ति या तं आ अ ग थ या य मा नः श्री १ मा हा दे व नः म त क थि न ता अः मि क्रि सु ग थ रु य अ रुः
 सु ॥ म सि या ध कं हा ता अ २ रु कि तं हा ना अ र्वा तं थ वे ल सुः ना रु ड नि रि त अ तं आ अ मि क्रि सुः थ थ अ डा न म क्रि अ
 रु त पा न य नि स नः रु त माः उ पा य या य मा नः थ थ अ डा नः ग थ नि हा ल रु यि अ ध कं अ या अ ॥ दे व ता क न अ तं ॥
 हा ना रु डः उ पा य या य मा नः उ पा य ग थ या यः रु उ पा य या य अ या अः ना रु ड न अ तं ॥ रु त पा न य नि स नः या यः
 रु त हाः उ पा य मा क्रि त क न अ या अः दे व ता क न अ तं हा ना रु डः उ पा य ग थ २ रु या य मा तः आ रु द य कि अ ॥ अ या

[illegible]

॥१॥ अं कामरूपिध ॥ श्री कामाक्ष्या देवि ॥ वी कता जोगिनी ॥ १ ॥ नेपालविध श्री गुजेश्वरि देवि चंद्रघाता जोगि
नि ॥ २ ॥ वानारसि विध श्री सालाक्षि देवि संकता जोगिनी ॥ ३ ॥ पौदवं न्यन विध श्री अं विका देवि
चंद्रघाता जोगिनि ॥ ४ ॥ कास्मीर विध श्री सारदा देवि घोर घंभा जोगिनी ॥ ५ ॥ कान्यकुब्ज विध
श्री कंके स्वरि देवि सरदा जोगिनि ॥ ६ ॥ पूर्णगिरि विध श्री पूर्ण स्वरि देवि कपाल कुन्दला जोगि
नि ॥ ७ ॥ अष्टधावल विध श्री मुकाम्बीका देवि कंकारि जोगी ॥ ८ ॥ अमात केस
र विध श्री विकते स्वरी देवि हे ॥ द्रुपं प्रगयत ननु वेगुलि ध्यान सनेपाले मंदल मधे स

पिठउत्पत्तिजुयाव॥ श्रीगृहेस्वरिदेवि॥ श्रीचन्द्रधन्याजोगीनी॥ श्रीसिधेस्वरनाम॥ श्रीमाहादेवउत्पत्ति
जुयाव॥ सिवसक्तिस्वरूपजुयावविजातं॥ थोगुलिथानसपुन्यभूमिजुलं॥ थोगुलिथानसईन्द्रादिदेव
लोकवयावतपस्यायाजविजातं॥ थोनलिश्रीपरमेस्वरशुसिजुयाव॥ सतेजुग॥ त्रिताः द्वापर॥ कलिथे
पेगुजुगसे तेतिस्कोतिदेवताधके वरदानविस्वविजातं॥ १॥ थव्यालसक्रमाविरभद्रमाहा
कालिनविनासयानावतयाकोतानकोति देवतासकले क्रपायाथवरस्वरूपसजुक्तस
तयारजुयकाव थवरस्थावस आन्यानाविजातं॥ २॥ थनैलिनुमबलकुतिनवङ्गुथात

३९

कामरूपश्रीकामरुधायापिथउत्पत्तिजुयाव॥ श्रीकामारुधादेवि॥ श्रीविक्रताजोगीनि श्री
क्रेस्वरधायानाम॥ श्रीमाहादेवउत्पत्तिजुयाव॥ सिवसक्तिस्वरूपजुयावविजातं॥ थोगुलि
थानसपुन्यभूमिजुलं॥ थोगुलिथानसजक्षेगंधर्वपनिवयाव तपस्यायाजवचोनं॥ थोव्य
लसईस्वरिषुसिजुयाव॥ स्वर्गतमधेयातालसंप्रख्यातिजुयमालधकंवरदाविलं॥ ३॥
थोनैलिचसापोलकुतिनवङ्गुलिथानस॥ श्रीवानारसिपिथउत्पत्तिजुयाव॥ श्रीविसालाक्षि
देति॥ श्रीसंकताजोगीनि॥ श्रीविस्वस्वरनाम॥ श्रीमाहादेवउत्पत्तिजुयाव॥ सिवसक्तिस्वरूपजु

यावविजातं ॥ थोगुलिथानसपुनेभुमिजुलं ॥ थोगुलिथानस गंधर्ववयावमेहालावतेयस्या
 यानावचोतं ॥ थोवालसईस्रिदाहिनाजुयाव चतुषष्टिलिगधकंप्रयातिजुयमालधंकंवरय
 नविस्पविजातं ॥ ४ ॥ धनलिमरलाहानकुतिनवनगुलिः श्रीमंगलाजोगीनीथायाथास ॥ श्रीमः
 कृतकाजसपीधउपितोमुयावः श्रीमालिकादेवि ॥ श्रीकोकाजोगीनी ॥ श्रीकुलसित्येस्वरनाम ॥ श्रीः
 माहादेवमुसिगुयावः धोपनीलावाक्यसीधजुयमालधकंवरदानाविलं ॥ ५ ॥ धनलीजवक्रसपोतक
 तीनवनधास ॥ पोलावधुआयाथासः पौरवंधवनामपीधउपितोमुयावः ॥ श्रीश्रंस्वीकादेवीः चंद्रवेगा

३२

जोगीनी ॥ श्रीधस्येस्वरनामः माहादेवउपितोमुयावः ॥ श्रीसिवसकीत्यरूपजुयाववीजातं ॥ भुगुः
 लीथानसः लीधभुमीजुलंः थोथानसदैपगनवयाव ॥ तपस्यायातंः धोवेलासईत्यरिप्रतनजुः
 माक्रदपनिसेनदेवलोकनंः जीतयः प्राप्कयमातधकंः वरदानाविलं ॥ दैतपनिमः सत्रदेवलोकजीतय
 प्राप्कदतोः असहावतिरिजीलाइथिक ॥ हरषनंवनजुलं ॥ ६ ॥ धनलिमेकुतीनवनगुधासकार्मिरस
 : श्रीकार्मिरनामपीधउपितोमुयावः ॥ श्रीसादादेवीवोरधनंधाजोतिः श्रीसुमधारेस्वरनामः माहादेव
 उपितोमुयावः ॥ श्रीसिवसकीत्यरूपजुयाववीजातं ॥ भुगुलिथानसपुन्यभुमिजुलं ॥ थोथानसः

किं नरगन वयावतप त्यासातं ॥ धोवेरा हरिहर सुसिगुयावः दपनी समनवादा कामनासीधुयः
मालाधकी ॥ वरदानविलं ॥ ७ ॥ धनंती सदादेगुतीन वनगुली धानस ॥ श्रीकान्येकप्रानामपीधु
पतीगुली ॥ श्रीरुके खरिदेवि चं काजोगीनी ॥ श्रीसीधेस्वर माहादेव उपातिगुयाव ॥ श्रीसीवसकि
स्वरूपगुयाव वीजातं ॥ धोधानसमोदेभुमिः धोधानसराव नैव द्यावतपत्यासा नावचोनं ॥ धोपनीः
तेन कलनयावतपत्यासा कवनाव ॥ श्रीपरमेस्वर सुसिगुयाव देवलो कजीतययावक समा
हयकी वरदानविलं ॥ ८ ॥ धनंती वरदा सीधा फुलिकुतीन वनगुली धास पुनगीरी धाया धास

३३

॥ श्रीपुनगीरीनामपीधुपतिगुयाव ॥ श्रीपुनगीरीदेवि ॥ श्रीकपालकुन्दाजोगीनी ॥ श्रीचट्ट
स्वरनाम ॥ माहादेव उपातिगुयावः सीवसकी स्वरूपगुयाव वीजातं ॥ धोधानसहरव भु
मीगुलं ॥ धोगुली धानसः अपसरगनवयावः नानासा धनंः व्याघनकुयाव मेहालाव चोमः
हनगायकावनपत्यासातं ॥ धोपनी वनाव सुसिगुयावः दपनी सईदसा धास गोवेरा सीधुकयम
गुयमालाधकी वरदानविलं ॥ ९ ॥ धनंती सुसिकुतीन वन धास ॥ अनुडा धाया धास ॥ श्रीअनुः
ज्ञानामपीधुपतिगुयाव ॥ श्रीमुकीवीकादेवि ॥ श्रीकालीकाजोगीनी ॥ श्रीव्यामदुके

स्वर॥ माहादेव उपासी गुमाव॥ सीव साकि स्वरूप गुमाव बी ज्वाती॥ पुगुलि धान सीव्य भुमी गु
लं॥ पुगुली धान सः नासु रिषी वयावत पस्या घातं॥ धोवेर सः इस्वरि रास तावः सी धा भाव
न म गु स मातः वा के सी धी गु य मा रा थ कं वर दान बी लं॥ १०॥ धनं ही जव मा ला हात कु ती न व न गुली
॥ श्रीं लात धा या धा स॥ श्री श्रीं लाते स्वरि नाम पी थ उ पति गु मा व॥ श्री वी क ते स्वरि देवी॥ श्री
प्र का धि जी गिः श्री नी ना प ते स्वरि मा हा दे व उ प ती गु मा व बी ज्वा तं पु गु लि धान सः पु ने भुः
सी गु लं धो धान स रा थ का प नी व या व र प त्या घा तं थ वे र स इ स्वरि कु ति गु मा व स दं॥ श्री कृ

न मा हा दे व उ पा सी गु मा व॥ सी व सा कि स्वरूप गु मा व बी ज्वा ती॥ पु गु ली धान सी व्य भु मी गु
लं॥ पु गु ली धान सः ना स उ रि षी व या व त प त्या घा तं॥ धो वे र सः इ स्वरि रा स ता वः सी धा भा व
न म गु स मा तः वा के सी धी गु य मा रा थ कं वर दान बी लं॥ १०॥ धनं ही जव मा ला हात कु ती न व न गुली
॥ श्रीं लात धा या धा स॥ श्री श्रीं लाते स्वरि नाम पी थ उ पति गु मा व॥ श्री वी क ते स्वरि देवी॥ श्री
प्र का धि जी गिः श्री नी ना प ते स्वरि मा हा दे व उ प ती गु मा व बी ज्वा तं पु गु लि धान सः पु ने भुः
सी गु लं धो धान स रा थ का प नी व या व र प त्या घा तं थ वे र स इ स्वरि कु ति गु मा व स दं॥ श्री कृ

लकारे स्वरि देविः वीकत वद जोगीनी ॥ श्री वीरेश्वर माहादेव उपनी जुमाव ॥ श्री सीवस की स्वरूप जु
पाव वीजातः पुगुली धा य सः जमरा जव नावः अनग मा धन पुजा घा ना वः तप त्या घा ना व चीनं
॥ धो वेला स पर मे स्वरि सुनि जुमाव ॥ श्री ब्रह्मा न श्री तीया को ना स पा सः दु सः सु दा तं प दे स घा से ३५
ज था जो ग्य ना स घा यः भाला जु को द न त जु लो थ कं व र दान वी लें ॥ १२ ॥ धनं ली क कु ती कु ती न वः
न गु ली धा य स ॥ का म री स धा घा धा सः का म ते स धा घा ना म पी थ उ प ति जु ली ॥ श्री का नी दे
वीः श्री लं म वी का जोगीनीः श्री माने स्वर माहादेव उपनी जुमाव ॥ श्री सीवस की स्वरूप जु पा वः

वीजातः पुगुली धान सः पुने भुमी जुलें ॥ पुगुली धान स पृथी मा ता व घा व अ ने ग वी थी नं पु जाः
घा ना वः धो वे ल स ॥ श्री वर मे स्वरि हर र्घ मा न जु मा वः स क तां सं पु नः श्री ती स्थानं जु म मा ल थ कंः व
र दान वी लें ॥ १३ ॥ धनं ली ज व घा तु ती पा ली कु ती न व न धा स ॥ श्री कै ला स प्र व र्ति स ॥ श्री ज ग दं वीः
का पी थ उ प ती जु मा व ॥ श्री पा र वा ति दे वी ॥ श्री लं गी क जोगीनी ॥ श्री वी स्व म्ः भरे स्वर माहादेवः
उ प ती जु ली ॥ श्री सी व स की स्वरूप जु मा व वी जा तं ॥ पुगुली धान स सी थ भुमी जु ली ॥ ध धान स च
जु मु ष ब्र ह्मा व घा व ॥ अ ने ग ज ग य ज प हे म त प त्या घा ना व ची नं ॥ धो वे ल स पर मे स्वरि प्र त द जु मा

वरदान का वचकं ॥ आग्या दत्तः धन वृत्तानदी नती यातः ॥ जीत वरदान स्वर्ग मध्ये पाताल संसृतीः
करता गुप्त माला वचकं ॥ फोने धो देल सत भासु गुप्त माला वचकं ॥ वरदान वीतं ॥ वरदान का पाव वः
सागुरि सवी ज्पा क गुल ५ ॥ धनली ध धु व्रा कुती न वन गुली धास ॥ श्री भृगु नाम पी थ ड पती गुप्ता व ३६
: श्री मी नादि देवी ॥ श्री वज्र देहा जोगी नी ॥ श्री सत्य स्वर्णि माहा देव ड पती गुप्ता व ॥ श्री सी व स की स्वः
रूप गुप्ता व वी ज्पा तः ॥ धु गुली धान स पुन्ये भुमी गुलं ॥ धु गुली धान स धर्म दत्त राजा व प्रा वः माहा जोगनं
तपस्या अने ग पंचारन पुजा घाना व चीनं ॥ व देल स इत्यदि प्रत द गुप्ता वः आग्या दत्तं कलं ॥ धन त गो

स देव तान म फ प्र माला वचकं ॥ वरदान वी पा व वी ज्पा त गुलो ॥ ५६ ॥ धनली देवा हा हात कुती न वन गुलि धा
स के रा स ॥ श्री के दार नाम पी थ ड पती गुली ॥ श्री के दारे स्वर्णि देवि ॥ मुरा दा जोगी नीः श्री की ते सर मा
हा देव ड पती गुप्ता व ॥ श्री सी व स की स्व रूप गुप्ता व वी ज्पा तं ॥ धु गुली धान स पुन्ये भुमी गुलं ॥ धो धान स
प्र का द सः स ई व नी व प्रा व जोगनं तपस्या घाना व चीनं ॥ धो देल स ॥ श्री पर मे स्वर्णि प्रत दे गुप्ता व वरदान
का वचकं ॥ आग्या दत्त कलं ॥ श्री प्र का द स रू माहा देव व नी तेनः जी व नी कि रू ल पा ते ज ड ती गुप्तः
माला वचकं फोने त धा लु वचकं वरदान वीतं ॥ ५७ ॥ धनली ज व प्रा मी धा कु ती न वन गुली ॥ चं ड पुर धा पा

भासः श्री चंदपीधउपतीनुयावः श्रीसीधीकालीदेविः श्रीसीधाजोगीनीः श्रीप्रकाशेश्वरमाहादे
वउपतीनुयावः श्रीसीवसकीस्वरूपनुयाववीज्यातंः भुगुलीधानसः सीधभुमीजुलः भुगुलीधानसः न
दसदीगपालपनीवयावः वीधीपुर्वकंनः पुजायानावचीनंः धोवेलसः श्रीईश्वरिप्रतक्षनुयावः दपनीस्त ३१
वरदानकावधकंः आग्यादयावः धोवेलसधवरदीगयाधवरसुसिदप्रकाववीयाधकंफोनंः तधानुमुयः
मालधकंवरदानवीलं ॥१२॥ धनलीकपालकुतीनवनगुलीसुप्रधायाभासः श्रीनामसीधउपतीनुयाः
वः चंददिदेवीः श्रीभद्रादेजोगीनीः श्रीकमलेश्वरमाहादेवउपतीनुयावः श्रीसीवसकीस्वरूपनु

यावः वीज्यातंः भुगुलीधानसपुनेभुमीजुलंः भुगुलीधानसः सप्तवसुवयावः षोडसउपचारनंः
पुजायानावचीनंः धनईश्वरिसुसिनुयावदपनीस्तवरदानकावधकंः आग्यादयकावः धोतेईश्वः
रियाआग्यानेनावजीपनीसः मनोवांदासीधनुयमालधकंफोनंतधानुधकंः वरदानवीलं ॥१३॥
धनलीनामीकुतीनवनगुलीधासः श्रीमकावीरपीधउपतीनुयावः श्रीमकावीरदेवीश्वरादिजो
गीनीः श्रीहृत्केश्वरमाहादेवउपतीनुयावः श्रीसीवसकीस्वरूपनुयावः वीज्यातंः भुगुलीधानसपु
नेभुमीजुलंः धोधानसनागलोकः वयावमनीमुक्रदयावपुजायातंः धोवेलसः श्रीईश्वरिसु

श्रीगुप्तावदवनीलपुकोनेथकः॥ आग्यादमकलं॥ धोवेहसनागलोकनसमितवातालायाअधीपती
 गुप्तावदथककोनः॥ तथातुवीयधुनथकः॥ वरदानवीलं॥ २०॥ धनलीकोधुतुतीकुतीनवनगुलीगरथ
 रस॥ श्रीगारंथदधीधउपेतीगुप्ताव॥ श्रीगारकादेवी॥ श्रीगालामुखीजोगीनी॥ श्रीपीसावेस्वरमाहादेः ३२
 वउपेतीगुप्ताव॥ श्रीसीवसकीस्वरूपगुप्ताववीज्यातं॥ धुगुलीधानससीधमुमीजुलं॥ धोधानसकाम
 धेनुप्रपातअनेगभावनादुदुहाप्रकावदुदुदायावसेवायातं॥ धोवेहस॥ श्रीपरमेस्वरिहृताथ
 गुप्ताववलकोनथकः॥ आग्यादमकावजीदुदुमलमुत्र॥ धोस्वतानदकोकीपसंपुनः॥ संपवीवगुः

प्रकावः प्रसगुप्तावथकः॥ कोनंतथातुः॥ धुवीतुगुप्तावथकः॥ वरदानवीलं॥ २१॥ धनलीभवयातुतीपाली
 कुतीनवनधास॥ श्रीमनत्रपीधउपेतीजुलं॥ श्रीमालीकादेवीमत्रमावेस्वरिजोगीनी॥ श्रीस्व
 रमाहादेवउपेतीगुप्ताव॥ श्रीसीवसकीस्वरूपगुप्ताववीज्यातं॥ धुगुलीधानसपवीवमुमीजुलं॥ धो
 धावनदोंदमः॥ आदिसपनीवयावः॥ तपस्यायातं॥ धोवेहस॥ श्रीरिस्वरिभुविगुप्ताववरदानकावथकं
 ॥ आग्यादतः॥ धोवेहसः॥ दोंदसदेवपनीलेनवीनतीयातं॥ हीमनेगुलीगिरुसमीनममीनयावगुः
 श्रीकृपादममाहथककोनः॥ तथातुवीयधुनथकं॥ वरदानवीलं॥ २२॥ धनलीहयासादकोकुती

नमन गुली कुसलननसः॥ श्री कुसलननसः मपीध उपिती गुयावः॥ श्री निमान का ली देवी॥ श्री मुनुः
 च ध्या गोगी नी॥ श्री दिलोचर माहा देव उपिती गुयावः॥ श्री सीवस की स्वरुप गुयाव वी ज्पा तं॥ २५ः
 गुली धानसः॥ सीध मुमी गुतः पो धानसः प्र लु नी नननः आदि वयाव ध्यान याना व चीनं॥ धवे
 लस धोवनी सनो इतिरि सुसि गुयावः वर को न धकं आ ग्या दतं धवे लस ननन पनी सेन
 गोती कपनी जी सीः सधी पती गुप्र मा ल धकः वर दान को ना वत थातु वी प्र धन धकं वर दान
 वीलं॥ २३॥ धनली जव ता हात कुती न वन थासः॥ श्री केत धा याना मपीध उपिती गुयावः॥ श्री

३८

भाद्रादि देवी लली ता जोगी नी॥ श्री मान वेस्वर माहा देव उपिती गुयावः॥ श्री सीवस की स्वरुप गुया
 व वी ज्पा तं॥ २५ गुली धानस सीध मुमी गुतं॥ पो धानस मे वर सी प्र भी ती द को ए सि व या वः आः
 नन पु जा यतं॥ धो वे ल स॥ श्री देवी प्रतम गुयाव दपनी स वर दान को न धकः आ ग्या दय काः
 व देवता श्री मनु से धीः सधी पती गुप्र मा ल धकं को नं॥ तथातु धकं वर दान वी सा व द्यो क जु
 लो॥ २४॥ धनली वव धा हात पोत कुती न वन गुली गव की न ना म पीध उपिती गुयावः॥ श्री मे ई देवी दे
 वी प्र क जं ध्या जोगी नी॥ श्री जग तेस्वर माहा देव उपिती गुयावः॥ श्री सीवस की स्वरुप गुयाव वी

प्राप्तं॥ धो धान स पुन्ये भुमी जुलं॥ भुगुली धान स वी हनु भर जो ग प्र भी ती व या व सा हा क स त नः तः
प त्या प्रा तं॥ धो वे ल स र्द्वि स्वारि शु ली जु या वः व र को न थ की॥ आ ग्ना द य का व जो ग प नी से न था
लं॥ जो ती क सा व स जी प नी॥ म्र धी न शु य मा ल थ की को नः त था न थ की व र दान वी तं॥ २५॥ धन ४०
ली ज व पु दु कु ती न व न गु ली धा स॥ श्री मा तु लो स्वारि पी थ उ पि ती जु या व॥ श्री जो ग प स्वारि दे वी॥
श्री वी ग ल जो गी नी॥ श्री दु ध ना के स्वारि मा हा दे व उ पि ती जु या व॥ श्री सि व स की स्वरु प जु या वः
वी ज्पा तं॥ भुगुली धान सः र ह न भुमी जुलं॥ धो धान स क से प रि श्री प्र भी ती व या वः ज प थ्याः

न घा ना को नं॥ ध्व वे ल स॥ श्री पर मे स्वारिः श ही न जु या वः व र को न थ की॥ आ ग्ना द या वः रि धी न व नुः
वे द या॥ अधि का र प्र स जु य मा ल थ की को नं त था न वी य धु न थ की व र दान वी या व दो क जु लं॥
२६॥ धन ली कु भु ना कु ती न व न गु ली॥ धा स॥ श्री अ श्री हा स था या ना म पी थ उ पि ती जु या व॥
श्री धा म ला वी का दे वी॥ श्री स ख थ रा जो गी नी॥ श्री स व र्त भु ते स्वर मा हा दे व उ पि ती जु या व
॥ श्री सि व स की स्वरु प जु या व वी ज्पा तं॥ भुगुली धान स प्र वी व भुमी जुलं॥ भुगुली धान स वाः
ज म ती प्र भी ती गं गा व या व॥ अ ने ग त र ह न गं गा ज ल दा या व से वा या तं॥ धो वे ल स॥ श्री

स्मिन्निष्ठसिद्धिप्राप्त्यर्थं वरकोनधर्कं आग्या दत्तं ॥ धोवेत्तस्य ॥ श्रीगंगाभुक्तीमुगुतीमोक्षदाधर्मी
जुष्टावप्रसन्नजुष्टमातृधर्ककोनं ॥ तथास्तु वीर्यधुनधर्कवरदानवीद्यावद्वेकजुष्टो ॥ २१ ॥ ध
नलीदेवाद्दुक्तीनवनगुलीधास ॥ श्रीवीलोव्याघानामपीधुपितीजुष्टाव ॥ श्रीभुवनेस्वरिः १९
देवी ॥ श्रीभुवनाजोगीनी ॥ श्रीकृष्णवरनेस्वरमाहादेवधुपितीजुष्टाव ॥ श्रीसीवसजीस्वरूप
जुष्टाववीज्यातं ॥ भुगुलीधानसपुनेभुमीजुष्टं ॥ भुगुधावस ॥ श्रीकृष्णपनीवद्यावन्नानासाः
धनप्यावनदुष्टावमेहालाववापुष्टाव ॥ अनेगभावनाद्यानाचोन ॥ धोवेत्तस्य इत्येवप्रसन्नः

जुष्टाववरकोनधर्कं ॥ आग्याद्वकलः धोवेत्तस्य ॥ श्रीकृष्णराखीकापनीसेननीपनीधना
वतेतेकेकेमोहजुष्टमातृधर्ककोनं तथास्तु धर्कवरदानवीद्यावद्वेकजुष्टं ॥ २२ ॥ धनलीजव
प्राप्त्युत्पाकतीनवनगुलीधानसराजगृह्यायाधास ॥ श्रीराजगृहनामपीधुपितीजुष्टावराजगृ
हेस्वरिदेवीइलकासुषीजोगीनी ॥ श्रीहीरनेस्वरमाहादेवधुपितीजुष्टाववीज्यातं ॥ धोधानसः
मुष्टभुमीजुष्टं ॥ भुगुलीधानसवाईदेवतापनीवद्याव ॥ अनेगसाकमीनकृष्टवद्यावअतीभा
वभगतीनसेरायातं ॥ श्रीवत्सअनेगनात्याकस्यानयावासनाकृष्टवद्यावसेवायातं ॥ धो

वेलस॥ श्री परमेश्वरी प्रतप गुरुमावदपनी सेन पुने तना इगुली वीमथक॥ आग्या दयका वधोः
भवसी सारसजी वजंतु॥ जीवा सनादको यां प्राण बाई गुमका व प्रस्त गुरुमावदथक कोने तभा
तु वीमथुन थकं॥ वरदान वीयावदोर्त॥ २२॥ धनली वरदा पादुका कृती नवन गुली धात॥ श्री ४२
माहा पथमा मपी थडिपती गुया व॥ श्री पुत्र रादी को देवी रेनु का जोगीनी॥ श्री वीर्यां सी र्विस्वारी मा
हा देव डिपती गुया व॥ श्री सीवस की स्वरूप गुया व वीजातं॥ धुगुली धान स पुने भुमी गुल॥ धो धा
न स प्रप स राग न वया व अने गतरहन प्या वन कृया यो न॥ धो वेलस॥ श्री ईश्वरी सुसि गुया

वव कोन थकं आग्या दती॥ ईदृष भीती देव लोक मोह माय कृप मा ल थकं धालं॥ त धांतु फ
य मा ल थकं वरदान वीयावदोर्त॥ ३०॥ धनली प्या थ कृती नवन गुली॥ श्री को रापुर नाम पी
थडिपती गुया व॥ श्री माहा लदि सी॥ श्री गुन रा जोगीनी॥ श्री ईसि साने स्वर माहा देव डिपती गुया
व॥ श्री सीवस की स्वरूप गुया व वीजातं॥ धुगुली धान स पुने भुमी गुल॥ धो धान स ग र थ प्र
मुष पंदि दको वया व॥ अने ग र सन कृ ल द्या व पुजा यातं॥ धो वेलस॥ श्री ईश्वरी प्रतप गुरुः
या व आग्या दती॥ पंदि राग॥ दु को ने ते ना को न थकं ध्या या व॥ धो ते प्र मे स्वारी या आग्याः

तेनात्र॥ नागलोकपनीजीतआहाराजप्रमालधर्कफोनेवीसंपुनः तथास्तुधर्कवरदानवीरु
 ॥३१॥ धनहीजवसापुलीकुतीनवनगुलीमास॥ श्रीदेकापुरनामपीथ॥ उपितीजुमाव॥ श्रीमा
 शुद्धीदेवीरकपाजोगीनी॥ श्रीउमतेस्वरमाहादेवउपितीजुमाव॥ श्रीसीवसकीस्वरूपगुमा
 ववीज्यात॥ धोधानसपवीत्रभुमीजुली॥ धोधानसः सीलादकोवयाव॥ तपस्यायातलाकरपुला
 वईस्विरियाभासवयासीनकापावनेधोधिधीकीरिवाजनधानापेवानाव॥ धुगुलीप्रकार
 नसेवायानाव॥ ईस्विरिप्रतक्षजुमावः वरफोनधर्क॥ आग्यादतः जीधानदकोदेवतामाश्रीगुः

१३

प्रमाल॥ हनंसातीग्यामंजीपनीजुप्रमालधर्कफोनेतथास्तुधर्क॥ वरदानवीयावद्वेकजुलो॥ ३२
 ॥ धनहीधधुलुनुसीकुतीनवनगुलीधानसकेकारेस्वरिपीथ॥ उपितीजुमाव॥ श्रीमावीकादेवीः
 ॥ श्रीपुनदरिजोगीनी॥ श्रीनीसंतानेस्वरमाहादेवउपितीजुमाव॥ श्रीसीवसकीस्वरूपगुमा
 ववीज्यात॥ धोधानससोक्षभुमीजुली॥ धोधानसकहपवीक्षेसिमापनी॥ वयावनानावस्तुः
 सीसाठसाद्ययावपुजायानावचोनं॥ धोवेतसः श्रीईस्वरिमग्नजुमाववरदानफोनधर्क॥ आ
 ग्यादयाव॥ धोवेतसमनः नभाज्यागुडितमः मधेगुसकतीवस्तुः उपितीयाप्रकसकावप्रस्तुः

प्रमालधर्क को न त था लुगु प्रमालधर्क वरदान विद्या बद्धे क गुलो ॥ ३३ ॥ धनली सेल कुती न व नः
गुली धास ॥ श्री जं सं ती नाम पी प ड प ती जु पा व ॥ ज पा दे वी ॥ श्री ज पा मंगला जोगी नी ॥ ती ज
ते स्वारि मा हा दे व ड प ती जु पा व ॥ श्री सी व स की स्वरूप जु पा व वी ज्या तं ॥ भु गु ली धान सः सु ध भु मी
जु लं ॥ धो धान स नु ल ती कु प प नी व पा व त प त्या धा ना व चो नं ॥ धो वे ल स ॥ श्री प द मे स्वारि सं ती व
जु पा व व र को न ध र्क ॥ आ ग्या ड पा व ॥ धो वे ल स जी प नी स्नाः सं सार न माने या त का व काः
जे कार न सः माल को प्र स न जु प्र माल ध र्क को ने ॥ ह नं जी स ने ला सः ल द्दि की ती क मै ना स द्द

न ता पु जा वी य धु न ध र्क ॥ ह नं कु स या त स म स्तं की जे सं उ त म् प्र स नं जु प्र माल ध र्क नी ल माः
तं व र दान वी या ब्द्धे क गु लो ॥ ३४ ॥ धनली ही वा य कु ती न व न गु ली धा स ॥ श्री उ र्ग वि नी पी थ
उ प ती जु पा व ॥ श्री मा हा का ली दे वी ॥ श्री रं ग जी स्ना जोगी नी ॥ श्री जं ये स्वर मा हा दे व ड प तीः
जु पा व ॥ श्री सी व स की स्वरूप जु पा व वी ज्या तं ॥ भु गु ली धान सः सी ध भु मी जु लं ॥ भु गु लीः
धान स हे माल प्र प्र व ति व या व ॥ त प त्या धा ना व चो नं धो वे ल स ॥ श्री प र मे स्वर प्र व द ज जु पा
वः व र दान का व ध र्क ॥ आ ग्या वी या वः जी न स क ल या तं मो क्ष वी य क प्र माल ध र्क को नं त थाः

सुवीरधुनधर्कवरदानवीमावदोकजुहो ॥ ३५ ॥ धनलीवपीकोचकुनवनगुलीचरित्रपुरधासा
भास ॥ श्रीचरित्रनामपीधर्पितीजुमाव ॥ सुर्वनेस्वारीदेवी ॥ श्रीनीत्रवराजोगीनी ॥ श्रीवार्धुयः
स्वामाहादेवधर्पितीजुमाव ॥ श्रीसीवसः श्रीस्वरूपजुमाववीजातं ॥ धुगुलीधानसपुनेभुमीजुहं
धोधानसजोगीनीजनवमाव ॥ अनेगध्यानपुजाप्रकचीतधानावतपस्यायातंधोवेत्तस ॥
श्रीपरमेस्वारीसांतजुमावदपनीस्तवरकोनधर्क ॥ आग्यादयावः धोवेत्तसजीपनीसननाः
नंमंत्रसीधीजुप्रमालधर्ककोनः तथासुधर्कवरदानवीमावदोकजुहो ॥ ३६ ॥ धनलीः

स्वाध्यायकृतीनवनगुलीदीरिकापुधायाभासा ॥ श्रीदीरिकापीधर्पितीजुमाव ॥ श्रीपुजा
मादेवी ॥ श्रीकलकीनीजोगीनी ॥ श्रीमहसेनेत्रेस्वामाहादेवधर्पितीजुमाव ॥ श्रीसीवसः श्रीस्वरूप
पजुमाववीजातं ॥ धुगुलीधानसमोक्षभुमीजुहं ॥ धोधानसमंत्रीकाजनवमावअनेगद्वारध
प्रकावपुजाधानावचोनं ॥ श्रीस्वारीसांतोषजुमावदपनीसेनदुकोनेधर्क ॥ आग्यादयकावः
धोवेत्तसः जीपनीधासपानकीजुप्रमालभासपामानययाकावप्रलजुप्रमालधर्कको
नावतथासुजुप्रमालधर्क ॥ वरदानवीमावदोकजुहो ॥ ३७ ॥ धनलीगवराहातमालपाक

तीनवनगुली॥ हवीनपुराधाधास॥ जपहवीनामपीथडिपितीजुपाव॥ श्रीचंद्रेश्वरिदेवी
॥ श्रीकोतगादिगोगीनी॥ श्रीसुमुखारेस्वरमाहादेवडिपितीजुपाव॥ श्रीसीवसकीस्वरपज
पाववीजातं॥ पुगुलीधानसपुनेभुमीजुतं॥ धोधानसः सुदरसनचकरधुभीतीदकोवपाव
हातजोतुं पाववीजातं॥ धोवेलसधोपनीसमर्गकीधनाव॥ श्रीईश्वरिसुतिजुपाववरः
फोनथकं॥ आग्याजुतं धोवेलसप्रहारमात्रनसंहारकतजीदगावप्रसजुप्रमाराधकको
नप्रहारसः संहारकराजुप्रमालदनसेवायाकपनीसाजसयासकप्रमालधकवरदान

४६

वीमावदोकजुलो॥ ३८॥ धनलीसालकतीनवनगुलीडिगधाधाधात॥ श्रीडिनामपीथः
डिपितीजुपाव॥ श्रीवीमहादेवी॥ श्रीवीगलागोगीनी॥ श्रीवदस्वरमाहादेवडिपितीजुपाव॥ श्रीः
सीवसकीस्वरपजुपाववीजातं॥ पुगुलीधानससीधभुमीजुतं॥ धोधानसहलमानपनीः बपावना
नाफलकुलदावा॥ अनेगमाधनमाकरपुलावतीतीकुपावक्याथेसनावसेवायानावचोन
॥ धोवेलसईश्वरिसुतिजुपाववरफोनथकं आग्याजुतं॥ धोवेलसगीपनीसमाहावीरुप्रमालः
कमदप्रकाव॥ प्रख्यातीनामजुप्रकावरसचंद्रपासेवकजुपावलंकाभस्मपाप्रकप्रमालधु

मानी मीती नथकं आग्या जु बि रि व्या अस देव स थान ॥ नु स्य पु सु पादि द को प्रा नी या त रा व न ग नः
बी र्ध स प्रा ना व दु य बी ल ॥ नी ती स्म रि ती धी वी धी भं ग सा त थ कं बी न ती प्रा ना व ॥ श्री पर मे स्वरि षु
सी जु प्रा त द न परा क स म्ब वे ल सं म कु य मा त द सी से न को ना गु वी पु पु न त था लु ध कं ॥ व र द न ४७
वी या त दो क जु लं ॥ ३८ ॥ थ न ली स्व ला क ती न व न गु ली थान स वृ या ग आ या था स ॥ श्री पु मा जे
स्वर पी थ उ पि ती जु या ॥ श्री सु क दे वी ॥ श्री सी ह वे गा जो जी नी ॥ श्री स हे नै स्वर मा हा दे व उ पि तीः
जु या व ॥ श्री सी व स की स्व र प गु प्रा व बी ज्या तं ॥ पु गु ली थान स पु ने मु मी जु लं पु गु ली थान स द स अ व ता

र व या व त प त्या प्रा ना व ची नं ॥ धो वे ल स ॥ श्री इ स्वि रि प्र त क्ष गु या व दु नी मी ची न व या थ कं ॥ आ ग्याः
जु या व जी व नी से न स ते ची ता ढां फ ल क ती ॥ धो पे गु ली जु ग सं दै प र्म चार या य क य का व प्र स नः
जु य मा ल थ कं को ने त था लु ध कं व र द न वी या व दो क जु लं ॥ ४० ॥ थ नं ली ग ल क ती न व न गु ली था
स स्त्रे गु रि था या था स ॥ श्री बी र्ध का ली ना स पी थ उ पि ती जु या व ॥ श्री वी स्व धा रि दे वी श्री वी लो ने नः
जो जी नी ॥ श्री वी लो के स्वर मा हा दे व उ पि ती जु या व ॥ श्री सी व स की स्व र प गु प्रा व बी ज्या तं ॥ पु गु
थान स सि थ मु मी जु लं ॥ थ थान स वी र्च कं मा व या वः अ ने ग ची त र ग वी या व दे व त द

यकावे॥स्यवायुते॥ध्यायलस श्रीपरमेश्वरि पुतिजुयावम्राज्ञजुलं॥भोविष्णुकर्मादनकुकोशधके॥
धाययजिबुधिवंनजुयमाल जिगुलिश्रुती॥सेतजुगःहापरःत्रिता कलिजुग॥धोप्येगुगुगसंस्थि
रजुयमालधकी॥फोनंतथास्तु धकंवरदानवियावच्छेकजुलो॥३६॥ध्यानलिभुतपिकुतिनवड
गुलिथानसमायापूरधायाधासश्रीमायालयपिथउत्पतिजुयाव॥श्रीमायांतिदेविश्रीचंचल
योगिनिश्रीतपस्यस्वरश्रीमाहादेवउपतिजुयाव॥श्रीशिवसक्तिस्वरूपजुयावविज्जातं॥धुग
लिथानसतपसिभूमिजुलं॥ध्वेगुलिथानसंचतुर्षधिलिगवयाव॥मालावजपध्यानयाना

वचोनेध्वबेलसईस्वरिपुसिजुयाव वरदानकोडधकंम्राज्ञादयकाव॥धोबेलेतचतुर्ष
हिलिगपतिस्वनधाले जिपनिचतुर्षधिलिगजुयावमायायकाव भक्तिजन
पनिस्तफलवियागुगुयकास्ववोरोपयमालेधकंफोनंतथास्तु स्वयभुलिगजुयमाल
चतुर्षधिलिगधकंप्रक्ष्यातिजुयमालधकंवरदानवियावच्छेकजुलो॥४३॥धोनलीभद्रप्राहपाकु
तीनवनमूलि॥श्रीमगलागीनिधामाधात॥श्रीमलिकानामपीधपतीजुयाव॥श्रीकालीकादेवी
श्रीकोकाजोगीनी॥श्रीकुतईपितेस्वरनाम॥माहादेवईपतीजुयाव॥श्रीसीवतकीस्वपगुमा

वही जातं ॥ पुगुली धानस पुन्य भुमि जुलं ॥ धो धानस ॥ सप्तगनपनी ब्रह्मावत वत्या ना
ना ॥ सा धनं हलाव पावन हुमाव बुनि जातं ॥ धो वेत स पर मे त्वरित तासाव वर को नथ
के आग्या दय काव भुत पनी सेन जीवनी सदां दल कोल सदा चेत्तां ती जुमाव सदां दल
पोल या धास ना पंचोने दस माल धं कं वीनती माना व को नं न धातु थ के वर दान विह ॥
४३ ॥ धनली पेन पा कुती नवन गुली धानस ॥ श्री मह मागीरि नाम धी धरि पती जुमाव श्री
वसु त्वरि देवी श्री कोला जोगी ॥ श्री गोगे त्व माहा देव धरि पती जुमाव ॥ श्री वस की त्वरुपः

जुमाव वी जातं ॥ पुगुली धानस पुन्य भुमि जुलं ॥ धो धानस ॥ सप्तगनपनी ब्रह्मावत वत्या ना
व चो नं धो वेत स पर मे त्वरि सीतो व जुमाव ॥ वर काव थ के ॥ आग्या दय काव ॥ सते थ म स चो नः
पनी स ॥ धा र या द क स माल धं के को नं न धा स तु थ के ॥ वर दान वी माव दोतं ॥ ४४ ॥ धनली नु
गल या क मल कुती नवन गुलि ॥ सन धा या धास ॥ श्री सेधन श्री पी धरि पती जुमाव ॥ श्री उमा
देवी ॥ अस्तु कता जोगीनि ॥ श्री पावे पा के त्वर माहा देव धरि पती जुमाव ॥ श्री सीवस की
त्वरुप जुमाव वी जातं पुगुली धानस पुन्य भुमी जुलं ॥ धो धानस नहु गुहं ब्रह्माव अने गमा

धनं तव त्वा मन्ना न चो नं ॥ धो वेत स ॥ इति विप्रत देव प्रार ॥ वरदान का व धर्क ॥ आः
ग्या द म का व ॥ धो वेत स द य के स द म के ॥ लव द म ग ह मा पु सी जु म मा ल ध र्क को
नं ॥ तथा ल नु व र दान वी प्रार द्ये क गु ली ॥ ४५ ॥ ध लं ली चं प ल कु ती न व न गु ली
॥ श्री मे ह गी री ना म पी प ड पि ती गु प्रार ॥ श्री पु ना दे वी ॥ श्री क ला रि जो गी नी ॥
श्री जी हा स ते स्वर मा हा दे व ड पि ती गु प्रार ॥ श्री सी व स की स्वर प गु प्रार वी
ज्या तं ॥ धु गु ली धान स नु द म मि गु लं धो धान स ॥ स त्प ना ग व नी व या

40

व ॥ अ ने ग हे त नु ती द प्रार ते वा प्रार ॥ धो वेत इ ति गी द ही नी गु प्रार ॥ व र का
व ध र्क आ स्या द म का व ॥ धो वेत स जी प नी स रि र अ ग मे अ या हा गु म मा ल ध र्क
की को नं ॥ तथा नु गु य मा ल ध र्क व र दान वी प्रार द्ये तं ॥ ४६ ॥ ध न ली न व मा नु
ती प्रार व ल पा कु ती न व न गु ली धा स म नो ह र पु र धा मा धा स ॥ श्री मे हे न्द्र आ म ना
म पी प ड पि ती गु प्रार ॥ श्री ई द द नी दे वि ॥ श्री ई द म म नी जो गी नी ॥ श्री ता रे
स्वर ना म मा हा दे व ड पि ती गु प्रार सी व स की स्वर प गु प्रार वी ज्या तं ॥ ५

गुली धान स धन मुसी जुलं ॥ पुगुली धान स लीदि सी वसा बर वेदा या स गुजा
मान व सोन धो वेला स र्खि सि जु या व वल दन त का व ध की आ ग्या द प का
व धो वेला स लीदि सी न को न धो स र्खि स आ सुन कु स्या आ मों वा त्या पुन सक लः
यां ॥ आत मा पुने मा स को य माल ध की को नं तथा स गु ध की वर स न वी या व दोतं ॥ ४७ ॥
धन ली दे पा ला हात माल पा कुती न वन गुली धा स वा मन पुर धा या धा स ॥ श्री वा स
न ना स पी ध डी पी ती जु या स ॥ श्री का से खि दे वी ॥ श्री ख रा योगी नी ॥ श्री वे स ने

५१

खि मा हा दे व डी पी ती जु या व ॥ श्री सी व स की ख र प जु या व वी जा तं ॥ पुगुली धान स
मु से मु स जु लं पुगुली धान स क म ल प्र भी ती खान द को व या व सु ध दा या व ना ना
मा ध न गु जा या तं ॥ धो वेला स ॥ श्री खि सि सं तो व जु या व व र को न ध की आ ग्या द
प का व ॥ धो वेला स दे व ता या सी र स पु जा स की स स प्र सं न जु या मा ल ध की को नं
त स धा नु जु म मा ल ध की वर स न वी या व दोतं ॥ ४८ ॥ धन ली म ना दे कु ती न
वन गुली धान स हे र ने पुर धा या धा स श्री हे र ने ना म पि ध डी पी ती जु या श्री न

जरले स्वर्ग देवी ॥ श्री गुरे का जो गी नी ॥ श्री नारदे स्वर्ग माहा देव उवती गु या न
श्री सी वसनी त्वरुप गु या वी ज्ञातं ॥ पुगुली धानस रसन मु सी गु लं भु गु
ली धानस ॥ सरलुती वं या व अने गत रहन साव सी लोक सह स्वना मः
पाथ पा ना व यो न धो वे ल न श्री इत्येति संतोष गु या व ॥ इनत वरः
को व ध कं आ ग्या इ तं ॥ भो वे ल म नु व्य पा गु पु या व नी गु य मा ल थः

५२

कं फोनं ॥ वी स धुम का व ध कं वरं दाने वी या व द्योतं ॥ ४२ ॥ धनली वर मा पा
ली को च कुली न वन गु ली ॥ ल दे न पुर धा या धा स ॥ श्री मा हा ल ही श्री ना मः
वी उवती गु या व ॥ श्री मा हा ला दि सी दे वी ॥ श्री दि ग मे रा जो गी नी ॥ श्री ची कु ते त्व रः
मा हा दे व उवती गु या व ॥ श्री सी वसनी त्वरुप गु या वी ज्ञातं ॥ पुगुली धा
नस जो ग मु र्मी गु लं ॥ धो पा य स गा गं ध र प्र मुख न ॥ अलसी वी व या व ॥
जोगत प त्या या तं ॥ भो वे ल स इत्येति संतोष गु र फोन ध कं आ ग्या इ तं ॥

भो देव तस श्रुत सीधी बनी सेन गो वेल सी ॥ मन जु प्रमु माल का व वी प्र मालः
धर्क ॥ फोनंत थासतु धर्क वर दान विद्या व दोत ॥ ५० ॥ धर्क लिङ्ग गा ध्याः
को च कुतीन वन गुली ॥ वधान पुरा था थास ॥ श्री वधाना मपी धर्क विती जु
प्रा व ॥ श्री श्री पुरा सु हरि देवी ॥ श्री सु को दरी जोगीनी ॥ श्री भैरव देव स्वरनाः
प्र मा हा देव उपाति जु प्रा व ॥ श्री सी वस की स्वर प गु प्रा व की उपात ॥ धो धानः
स आनंद भूमि जुल ॥ पुगुली धान स से च राज प्र भी ती द को से च व द्या व

५३

॥ धो पी नी सेनं श्रुने ग प्र कार न ॥ धो इ स पु जा घा ना व चो न ॥ धो वेल स ॥ श्री ई
स्व हरि हर मान जु प्रा व ॥ ध पानि स दु को ने ते ना फोन धर्क वर दान आ ग्या दत
धो वेल स दे व लोक पी ॥ दे जु प्रा व ॥ संसार या त जल दान वी प्रा व चो ने फ प्र मालः
धर्क फोनंत थासतु धी प्र धु नो धर्क ॥ वर दान वी प्रा व दोत ॥ ५१ ॥ धर्क ली हाः
रवा की ले न गुली स ॥ सवा ग या श्रुत वी सक त्य कुतीन वन गुली दा या पुरा था
थास ॥ श्री दा या द व ना म पि धर्क पति जु प्रा व ॥ श्री इ ने स्व हरि देवी ॥ श्री सु

सुके गी जोगी नी ॥ श्री वीसा ये म्बहि नाम ॥ सा हा देव ड पिती गुप्ता ॥ श्री सी वस की
स्वरूप गुप्ता व वी जा तें ॥ भुगुली धान स पुता प भुमी गुलं ॥ थो था प्रस श्रुति तां
गादि ॥ अस्त भैर व व प्राव ॥ अने ग मा धन ॥ नाना भे ग वी घा ना ना वी थी ५४
पुर्व केन पुजा घा ना व चो नें ॥ थो वेला स र्ति प रि चो प ती गुप्ता व सा हा ह
ष सा न गु प्रा व ॥ द प नी से न व [को न थ की आ ग्या द य क ली ॥ थो वे लः
स ॥ श्री अस्त भै र वि प नी से न व र को नें ॥ अस्त दि सा स जी व नी सा ने घाः

त की चो ने द य मा ल थ की को नें ॥ तथा स नु थ की व [ज्ञान वी लें ॥ ५२ ॥ प नं तीः
भो वृ धि मी द ह स ॥ स ती दे वी घा स ली ल गु घा ल प ती पी थ ड व ती गुप्ता व
पी चा स ५० पी थ प्र मु व न सं ध्या ॥ अस्त को ती तो ५००००००० पी थ ड पि
ती गु ली ॥ थो था प्र स ज दे गी थ व की न र दे त्प ज्ञान व ॥ अस्त व लु दों दः
स दे त्प ना ह द दे व लो क पृ मी ती स क ल दे व लो क दे व लो क पो [हिः
त गु प्रा व चो न वृ स प ती गु ल सी ॥ नाना सा ध न जो ग्य २ प्र मा न थोः

पुजायानां ॥ श्री परमेश्वरी सौम्ये वरुणकावसकृतप्रातः ॥ मोक्षवीया
 वदोतः ॥ ॥ धनंती गोलमनदेन थोपी पद्यादरसनया इव वल
 मनुदेया जीवमृती जु इव ॥ मनुदेजं नमजुयाव ॥ पचासपी पसदगु
 ली वनं दे सनमया कलया जं नम काया वेधया ॥ थोपी पदरस
 नयानां ॥ अधवा नाम कायान अधवाने नानसमत्त पापकुर्व ॥ अगमेग
 मनयानां ॥ मनसा वाचा सुमना शान पापकुर्वि शतकालतनम कायनेने धनंती लोकदेवहो

५५

कवनीय ॥ श्री ३ पीथक धाममापत ॥ ॥ धनंति माहादेवतः मत्तकं सुतिद विष्णु दत्ता वृक्षी माहादेवनं
 मिखाति सिद्धाः प्रवृत्त जातजातः सुहिं २ कं मिखा मखातका ॥ केवदंत ॥ हाय सुतिद वि २ ध केत हाताः यानं
 क्रितं ॥ मयातं माहाक कृतानः य वि वि संः कियतंगत ॥ सहयायः मरुवं धतः माहाक कृताना कृतं ॥ ५ ॥ धनंति
 माहादेवत मत्तक कृत कि ता अ ह आ य डा ॥ ॥ मत्तक कृतः गि पत्ता सुतया के अ ह ॥ गि पत्ता सुतया ॥ २
 कृत माहादेव उ अ ख ड हा ॥ मत्तक कृत कि ता अः उ त मं ना रु या अ रु त्रा सा अ २ ध के मा हा ह र्व मात या डा अ
 नं ॥ आ अ मि त्रि थ थ श न म मा त्राः मि त्रि स त म्मा र्ग सः ह थ त क या अः ध रु न्दा य नि स हि त नः का या अः ध रु न्दा य
 हिं या स त स श न त नो ध केः थ देव त्रा क य नि स तः रु या य रु यि अः मा हा देव ति अ य रु या अ रु त्राः मि त्रि स त या अ

सहिरुतामराधकः हता २ सनं साज्जसः हभातकतअतं ॥ ४५ ॥ चतत्रिर्ध्रुवासुत्राणि पनासुत्रयनिअअरताउ
देवताकः हतासुताया अभातं ॥ अमिस अनाययाय रुयिअमरुः गथसा ताअअनः आअग (थयायधकाः
अः मरुिमडतसुविअताअः साहृतिया ताअभातंः अमिस अनायग (थसाडा अअनः अमिसु अमाहा देव
नः वत्रदान विद्याअतयाइः गथधतसाः दिनसंः त्रिगिर्ध्रुतक मइधकः वत्रदान विद्याअतलंः थचिइयनिअ
तयाः ग (थसाडा अअन धकं ॥ मर्गथत्रिः सुम अतया ताअअनं ॥ ४६ ॥ चतत्रिः आमाहा देवयि सुहिताअ
देवताक अतथासुः मर्गथत्रिः (थसाअः माहा देव अअः देवताक तसडाअः गमग ७ तथतसतयाअः ताहा
हातअजतया अविनतियातं ॥ हास्यामि प्रमहातः कृतपातयाकः मतकमदतः मिसाकनाअः सासु विद्याहने ॥

जियनिध्रुव आदिनः देवताकसकनंः चतमरुिमडतसु विअयाअअना ॥ आअसाज्जसः ध्रुवासुतः रिपना
सुतः निध्रुवाजाइताः ध्रुवायनि सुहितनः दधनेनः जितययातंः आअग (थयायमातः हप्रमहातधकः देवता
कनविनतियातंः चतत्रिदेवताकन जाकोखमाहा देवनने नाअ तिसुतमविअः हतंः हायसति देवि २ धकाअमि
साकनाअः सातनासुः थअताहातसुः सुतिदेवि याः ताहातमदयाअ हाय २ सुतिदेविः क्रिकेमदतसतः क्रितात
नाअः कगतअना ॥ हायसति देवि २ धकं तनामकायाअः पिचिविनं सहयायमरुवंधनमाहा इवसनविनायया
तं ॥ चतत्रिधमधमनः कसुया नाअः आअजिगतअमधकः मनसुहातयाअः सुतिदेवि यातामनः तपहियाः याय
धकं हातयाअः देवताकया विनतिसनसुः हेमातयासापतसुः तपहियाः याडा अविनतं ॥ ४७ ॥ चतत्रिदेवताक

पनिमडाअः साह गियार्तः आअग (ययायः रुउयाययाय मातधकः माहाग्राहित धंभया याअभानः हनं आअरु
यायः आअहनः थथंमिजिहिनतपसियाहंगयायः अतसाः माहादेवया ऊरु रुयिअः माहादेवया ऊरु रुयदनेः
जातिनेरुकडाअसायिअः थथसायदनेजाः मिजिहसकनेः एस्मरुया अरुयिअः ग (ययायधकं सुताअः माहादेव ५७
तपसियाशडथसअताअः समभतयानाअः आअग (ययायधकः भयाअभानः चनकामदेवनभतः हेदेवनाक
पनिः आअमिजिहः थथशानतंमजिनाः माहादेवथथिलतानाथः चनऊर्मकिं थथशानाअः रुगं **रुहने** वेतेम
इः माहादेवया सग (यसियधकः कामदेवनभयाअः थसदेवनाकननडाअभतः हेकामदेवः आअरुउयायया
यः ग (ययायभयाअः **ह**नं कामदेवनभतः हेदेवनाकः माहा विष्णु असा थथयाअः आअजि विष्णु यावतासतिः

याअः माहादेवयानुगतस तातक डूडाअभअः अवतसुजिमाहादेवयाः सतिससः इहाअडाअः कामददयाडा
अवियः थवेतसु विष्णु अतिभंधतिमिहाहयाअः माहादेवया ऊअन शान मातः माहादेवनः मिखामकाअः
नं थथशानरुतसाः मिजिहसक रुयिअः थथमरुतसाः सकतं एस्मरुयिअधकः कामदेवनभयाअः श्रीविष्णुन
भनः हेकामदेवः अवसनयायनयाधकभयाअः माहादेवयाः सतियसअताअः अतमातनंताक कायाअभानं **॥ ५८ ॥**
थनंति विष्णुन कामदेवः वनायाशसति याअः श्रीमाहादेवया नुगतस तातकः कयकतं चनकामदेवनः माहादे
वयासतीससइहाअडाअः कामददयानाअवित्रं **॥** थनंति विष्णु अतिभंधतिमिहाहयाअः माहादेवया ऊअन शान
नअनं थनंतिः श्रीमाहादेवनः मिखाकडाअसाकवेतसुः अतिभंधतिकंन्यासडाअः माहादेव अतिरुहिरुया

अधस्तः हाय २ गधि डर्ह धतिः ॥ मि सा ग न न अत ध क न्या क सत ता या अः देव हा क प नि स क र्त्तः ॥ म डा अः ग ग न
य त स त या अः ना हा नः हा न ज्ञा ज्ञा त या अ वि स ति या त ॥ ह प्र म सा न र्त्त का क या सा मिः ॥ १ ॥ मा हा न ड क त या त स
हा सर्व का तं थ (थ वि स्या य म ते अः क त या त स दां २ थ (थ वि स्या त ता सः क्रि य नि थ र्त्त सा तः ग (थ र्त्त यि अः ह प्र म सा तः ॥
क्रि य नि त रा या य मा तः क्रि मि स वि स ति ड स वि स्या य मा त ध कः ॥ न ग प्र का त न वि त ति या ता अ थ अ २ व धा न र्त्तः
ज्ञा त ॥ ह तं वि त ति या तः ह प्र म सा तः मा हा दे वः आ अ ग (थ या यः सा र्त्त स वि य त्रा स तंः र्त्त य सा स तः ना ज्ञा र्त्त ता
द गोः क त या त स तः अ य नि स त अ ध न क व त दा न वि या अ ग अः ॥ मि स अ ग (थ सा डा अ र्त्त ध कः क्रि य नि स क
र्त्तः थ न वि स अ या अ र्त्त ना ध कं वि त ति या तः थ न दे व हा क न वि स ति या को र्त्त ड डा अः ॥ १ ॥ मा हा दे वः दे व हा क

त तित का अ र्त्त रा सः स वि स्या त ॥ ५२ ॥ थ नं तिः ह मा त सः ह मा त य धा या न्न वा न्न न ह या कः स ति दे वि र्त्त र्त्त का या अः
पा न व ति ध क ना म र्त्त ना अ त तंः थ या र्त्त ति द क्रि नि दा द या अ क (थ (थ र्त्त त र्त्त य स तंः थ या र्त्त त न ह धा त साः र्त्त
तं ध र तं मा हा दे व सा यि अः र्त्त तं क्रि तं मा हा दे व सि व २ धा यि अः र्त्त र्त्त त त सांः त या र्त्त ति तंः मा हा दे व सा यि अः त
या अ र्त्त तं सांः मा हा दे व सि व २ धा यि अः म हा त सां कं या त सांः मा हा दे व सि व २ ध कंः धा यि अ र्त्त ति अः थ (थ र्त्त धा न या
ता अः र्त्त तं क्रि तं र्त्त ना या ता अ र्त्त नं ॥ ५३ ॥ थ नं ति थ या न व तिः क थं (थ त अ धि तंः वि दा द्या दः द या अः ॥ न ग उ या
स त अ नं र्त्त या अः ॥ न ग उ या स त र्त्त नंः न का द सि व र्त्तः ॥ न मा सि व र्त्त ध र्त्त सांः क या त सां मा हा दे व या त र्त्त ना या ता
अ र्त्त नंः थ (थ र्त्त र्त्त ना या ता अः क तं र्त्त य म र्त्त या अः र्त्त ता स तां ५ (थ डा अः मा हा दे व या सि या स त र्त्त नं ॥ थ (थ सिं या स

नमोऽऽः माहादेवतः कुरु न धर्मः अन्तर्धानं न शयाऽऽः माहादेवत एतत्पतः हेमा न वक्रा न नया स्मर पावर्तिन
 अङ्गु गतिन त्रिपुरा वना या ना अशानः चया निमिक्ति नरुतः त्रि सिंया सुन न धर्मः सियाऽऽः च पावर्ति यावतिष्ठ
 त्रि न शय धर्मः माहादेव पावर्ति या के स च न कृत अनः सुतानं मसि यकं च मया कात न विद्यातं ॥ ५४ ॥ चतंत्रिः श्री ५२
 माहादेव या न वति या के स च न कृत अनः गवि द समय स विद्या त आर साः पावर्ति या माहात विमि र्द द डा अश इव
 त स च न कृत विद्या डा अ ॥ श्री ३ माहादेव न एत पतः त्रि थ गति नू य न अन मरुः पावर्ति या नि का य नि सा य धर्म ॥ च
 या म न स ग च श न स सु धर्मः च अ नू य तो न ता अः धू ड या नू य का या अ धर्मः हे या त व वि क न हा अ र गति न डा अ जि
 अ वि रू हि रू य धू नोः क न का य माहादेव या ना मरुः का नं कि नं का या अश नाः माहादेव या नू ना म नू का ती कि नं का

या अश नाः माहादेव या नू वा व का य या नाः अ या भ न कू वा न कूः अ इ यि अ भ र साः मं ना यः ल यि का अ वि ह गि न क या
 अः अ य धू व न सु न का अः वि म क त ति या अः धू रू गति न हि डा अः नू ग गति न या अः अ य चं श नि अः च वि द न ॥
 शय त पं म यि या दः अ या ना म का य नंः कि ता म का य म इ नाः कि ग वि द भ न साः दे व न क या ना काः धू ड चिं रू या अश डा
 ते रू न भ त साः कि अ भ त हं म इः कि त थ का अ म च ए वा व ना या य क नः त्रि ए व ना या अः त्रि ए व ना का अः क स स न श न
 य त साः त्रि ए व ना या अः कि न क ना त का या अ न यः अ या अः च त पावर्ति या म न सः अ ति आ ध रू या अ धर्म सा अ धर्मः कि
 च वि द प्र म सा त याः माहादेव या ए व ना या ना अः श डा वे त सः च धू नू न त्रि न का रा त य अ न धर्मः त म रा या अ धर्मः हे कां
 दा न अ ध मि धू नू कू हा ना अश न म नः माहादेव या चि ता कू न त म मा तः क स ह न त्रि हा हू नः म आ न साः कि त म सिया

जिनसुत्रायविद्यधर्मः क्षयाः अः वृत्तु नृपमाहा देवतं धर्मः हे पात्रवर्ति आश्रु नसुत्रायविद्यधर्मः कृतवित्यासु
त्रायः अरुहं नृत्तिः अः कृतमनसुप्रसन्नः जिनिहा अने मत्ता क्षया अतिहा अतं ॥ हतं माहाः विष्णु या नृपकाया
अः ज्ञानपात नदक्षया अक्षतः हे पात्रवर्तिः कृतकृतः माहा देव या एतना या नाः अया एतना या यतः जिहृता या
यमते अनाः जिगधि दक्षतः माहा विष्णुः कृत अक्षताः जिगनगधि दक्षतः कृत (थं) सुखिया यं रुयाः इति या
यं रुयाः जिने जगधि दक्षतः जिगनगधि दः कृत कृतः माहा देव या एतना या ना अक्षताः अया एतना या यतः जि
एतना या अः कृत नृत्तिहा नृत्त का यमते अनाः जिधका कृत नृत्तिहा नृत्तः माहा देव या अक्षतः कृत रुता या यतः
मय या यः सुता ये लक्षका अः जिहा इतं विष्णुः हिहा इतं धर्मः नृत्तिः नृत्ति इतं यमगतिः गहा इतं यथ धर्मः अः

हा इतं नृत्तिहा नृत्तः कृत इतं अय (थं) अति इतंः मत्ता नृत्तिः इति इतंः दिगं वृत्त धि दक्ष या एतना या ना अक्ष
ने नः जिनामका यमते अनाः धर्म क्षया अः पार्वतियाः अति क्षया अक्षतः हे वं डात अक्षमिः पापिथः विष्णुः क
हा ना अक्ष नृत्तिः जिहा कृतः नृत्ति माहा देवः यथ नृत्तिः कृत नृत्तिहा नृत्तः कृत नृत्तिहा अने सग सग नृत्ति
प्रसन्नः जिने यथं सुत्राय विद्यधर्मः कृत कृत माहि नृत्ति म इधर्म क्षया अः विष्णु नृत्ति धर्मः हे पात्रवर्तिः कृत सुत्रा
यविद्यधर्मः आश्रु कृत सुत्राय विद्या नृत्ति अरुहं नृत्तिः सुत्राय विद्यधर्म अः धर्म क्षया अतिहा अतं ॥ ३३ ॥
यतं नृत्तिहा नृत्तिः सग सग नृत्तिः अः अक्षतः माहा देवः पार्वतियाः अति नृत्तिः नृत्ति अः नृत्ति विद्या अः स

राकुउताअहकपयाअःताटाकनंअर्यवियाअःसाकाकुउताअःहाकपयाअधनःधनंनजिहाधकःहय
नमसातःजिनकताविमतियायःरुतथात्रयाकपादनसाधकःविमतियार्तःहपुत्रमसातःआ३माहादेवःमवता
मरुःजितकुआदतसनःवियानमगमकःजिमासःवक्यातःदतसनविमःविमविआयमातधयाअःआ३माहादे
वनधनःहयार्तिआमतिरसःसंदहेमातनाःवताअहिअःधकःआहावियाअःपात्रवृत्तिनलालकंमासवदस
तअनःहेमासवदःमिजिकुसुआ३माहादेवविआतःकमिसनंदतसनयातअधकंधयाअःमासवदनधनः
हमयकपयाकतकसज्ञानाःआमाहादेवमिजिकुसुजनविआयिअःमिजिसनगतउतसनतायअःगतसमिअ
मिजिकुसुआमाहादेवःविआतहाःमिजिचिडलाहकर्मसुयानमइःधकंधयाअःमासवदवतिकमरुयाअःपार्व

हिनअनि।वलरुयाअधलैखअमखलअयमदलाधकंधयाअःअतिमरायाअन्तानिधमासनंवदनंलातयतःग
धियधकःमयरुयाअतिरावतासताअःविआयकअधकःसातअनःधनंनियार्तिविहाअनार्तःआमाहादेवतः
पार्तिगाकोधसायाअःधधिइतंसयाकोधसुआनःधयावकुकमसाकःधरुयाकोधधकःअरुतयायाअ
धतएसुआदःगवकायाअःकृतिनकाअसातःधगवतिहिंतिहिंनयाअःअडरडाअःधरुयाकोधधकःधअ
रुतिधनाअसातःरुतिसुतंसनमकिडाअःतंसयाकोधमरुसनेःधकःजिधधिइलाधकःरुतकितयाकोधना
वरुयःयायमरुयाधकःलातयाअःअतिरुमिरुयाअविआतःमासवदवताअःमासनंवदनंआ३माहादेवःसायक
नदुताअःपात्रिहलकपयाअधनःहपुत्रमसातधकःजिमिसलधकःअनंगसुगंधधयसातःनातामधिरुतमृतं

पुनः
५३

कृतः आदि तं क्रया अ॥ श्री माहा देव वृक्षा या ना अ॥ ना ना हा व ना या नं॥ थनं त्रि आ मा हा दे व स हि रु या अ अतः लाः
हे मातयः कृतं न्ना व न अ गि ति के रु न ना या क या ति लि तः त्रि कृत के अ याः आ अ कृत न्ना व त्रि त के न्ना दा नः वि यः
मात अ या अ॥ हे मात य वृक्ष तं अतः हे प्र म हा तः त्रि अ तः कृत या त या व रु के म स ताः का स वि वा ह नः थ त्रि ता कृत याः
न या क या द न ना अः उ ग्ग त्रि ग त्रि सं॥ श्री मा हा दे व या तः पार्श्व तिः कं न्ना दा न वि तं॥ ५४॥ थनं त्रिः अ र्व वि य रु क ति क
अ॥ वा स हा क कृ ति कृ सु नं गा क॥ अ कं॥ द का स न स्या न क्र य॥ नि रु ता का य म धि का यः थनं त्रि आ मा हा दे व या त
वि ति नि र्ग म सं वि वा तः थनं त्रिः ह नं गं ग म व्हे हि या त या दा अः गृ हे स वि वा दा अ॥ पार्श्व ति यां गं ग याः सु त्रि रु
द नं॥ पा त व ति या के तंः कृ मा त जा न रु तंः गं ग या के ग नं स रु त रु तं॥ थनं त्रि श्री मा हा दे व न॥ पार्श्व ति गं ग ग नं स

५३

कृ मातः सु म त या अ संः आ न्द्रं त वि वा तं॥ थनं त्रि॥ ग नं सः कृ मा त नि र्गः क थं थ न अ वि ता अः श्री मा हा दे व न आ द्वाः
द नंः हे ग नं सः कृ मा तः कृ मि हे नः आ व त सः त्रि के सि आ या ना श व द प्र सा दः का य म न अ ताः आ अ वृ ष मा तः का ह
न थ कंः ग व प्र स तंः थ सु म त रु पां द ता अः अ य रु त अ या त वृ ष मा त वि य व कं॥ श्री मा हा दे व न आ द्वा द या अः कृ मा तः रु ता
स नं प्र स ता ग या अः व ग न अ तं॥ ग नं स रु कोः रु वि अ डा अः वि कृ या के सा ह ति या तंः ह रि कृः आ अ ग थ या यः कृ मा
न मा अ तः मि रि स ग थ या य मा तः त्रि इ तं स थ त अ ग्ग तः मि सा इ तं वि कि ग्ग तः सा त इ तं ता हा कः रु इ तं थ धि ड वि कृ
वा य म रु व कंः नि र्ग सा ह ति या दा अः थनं त्रि कृत अतः हे प्र म हा तः ग नं सः त्रि त म दा थ या स वि वा ह नः व कं अ या अ
ग नं स न अतः हे वा हा न वि कृ ग थ या य मा ताः कृ या य कृत अ अः कृत स ना थ या य अ या अः त्रि कृत अतः हे व त प्र मा तः ग

कुक्षानः त्रिंशं वा स न ह्यय ॥ मातृवासा ह्ययः यातः दत्तस्य यासायनि यस्तुतिस्तदयका अः मदतसाः गगनानः
 इतः कः दत्ता अशानसा रुग्मन इतः कः कृपासुदना अशानसाः यतन इतः कः वासाय सतकि अयाप १०८ ह्यय
 हियुक्तिस्तु न के ॥ धून के यात विधि सतकि अयाता १०८ ह्यय दयकेः सतकि अयाता १०८ मधिदयकेः सः
 तकि अयाता १०८ धूपदयका अः उपासत शाना अधर्मधून केः मधिसतकि १०० न इत्येयमनयात नयायः याव
 तान इत्येयः पूरुष यात न अह्ययः पूरुष मदतसाः काय यात वियः काय मदतसाः त्वारकाय यात वियः त्वारका
 य मदतसाः नदिसुदा हत य धकः श्रीमाहादेवतः आह्लादतः श्रीमाहादेवत आह्लादकाः विधि सत सुनडा अ
 श्रीपार्वति न वृष्ट त्रयतः यतं त्रिः हियुक्ति अयाता अः वृष्ट धून के न या अः इत धून कतः २५ या धर्मन यापनः

६५

कुमातस्तान काय यात तातकः एत कत अतः यत कुमात एता अः श्रीपार्वति तः श्रीमाहादेव या के वि
 तति यातः एता मि आ अत्रिका यः कत पात याद यात एताः आ अत्रिका य यातः कत पात सत कृपाया
 यमात धकः वितति याता अ ॥ श्रीमाहादेवत ॥ कुमात यात वृत्त प्रसात वित ॥ हि कुमातः ज्यस्ततः कुकार्क
 यात सां कुमात पूरुष या क पूयाः यया कार्क यात सांः अहिध रुय मातः कत न प ह्या या क पूयाः कुकार्क या
 त सां हिध रुय मात धकः आह्लाद या अः गते स कुमात त प्रं मकि मंतु त स पृजा दय कत कृतं ॥ यानं त्रि त्रि
 पार्वति या म न स वृत्त क न का अ ॥ अहर्ष मात या ना अः म न स रू हि रु या अः म स ह न के ता अः श्रीमाहादेव या
 सात सा या अः उत सत या ना अः आनंद न वि यातं ॥ १८ ॥ यतं त्रि देवता कयति सतः श्रीमाहादेवः क न स

[illegible][illegible]

दत्तः आउ गच्छया यमा तधर्कः विनतिया नाउ ॥ श्री माहा देव तः आह्लाद र्गः हे देव तः कः कृपति हता सुखा
यमतेः मातका जिनया यथाकाः कृपति ह्या यम मा तधर्कः जिन उया यया यधर्क वध वि या अः आतं न तया अ
तर्त ॥ ३८ ॥ **पतं त्रिणी ३ मा हा देव तः** आह्लाद र्गः ॥ हे देव तः कृपतिः सुग्गी सह भान कय यात दिन सा अः गत्त
हि दधर्क आह्लाद यका अः देव तः कतः मा हा आतं न तदिन सा र्गः दिन नू यका अः यनि पेरू मातिः वेला सुः
अथ क ताद यका अः श्री मा हा देव यात क डा अः समस्त या त या ना अतर्तः पतं त्रिणी गते सन ति कृ या के धर्त
ह गि कृः मित्रि सु वा त रुतः उरू नू तितिः व त दान वि या अ ह तः आ अ ह तं त्रि का गोः थ ग च ध या अ ति कृ तं
धर्तः ह प त म हा त गी ग ते सः रि अ डा अः वा त रुतः नू म त का अः अ य ध क ध या अः कृत या त कृ ह ता सु रा य म

६२

तधर्क वध वि या अ ॥ ति कृ अ ता अ श्री मा हा देव या स र्ग त या अ स अ ता अः धन क या त्रि गत आ न क वि २ या ता अ
या ता अ ता धर्तः पतं त्रि ह भान अ ते धकः श्री मा हा देव त स र्ग का यः क त का त ता अः स र्ग र्ग ग रू या अ रा ड त डा अ मा
हा हा हि त हा ता अः श्री मा हा देव या तः थ र क ना अः स क रं हा ता अः आ अ ध ताः कृ रू ता हा अ २ ध र्क सा त ता सः ध
न क या त्रि गत सः आ न क वि २ या ता अः ग अ र ता अ ॥ श्री ३ मा हा देव आह्लाद र्ग हा य म मा तः मित्रि स कृ ए य
म इः कान्ता तः ति कृ या सा थ काः रि सु म त स का ता वे त सः ग ते स कृ मा त ति स र्ग व त दान वि या अ अ याः आ अ
थ य ति वी न क कृ य ता मा ताः आ अ ति कृ अ या अ ॥ नू मा न क अ त थ काः कृ र्ग दे हे का य म मा त ध र्क ध या अ ॥ थ
न ग ते सः कृ मा तः वी न क त कृ या अ ह तः कृ त दि न सा त का अ दि न या वे ता सः ग ते स कृ मा त कृ अ २ त या अ ॥

आकपतिहर्त॥ वतताविं इ ड स न या ना अः आन न तः स्व र्ग त सी थ अ २ आ स म स वि च्छा र्ति ॥ ५१ ॥ प त
 त्रि उ क्त प तः सा हा त ग त सः सा हा इ सि डा त्रि ड ग्रा क्त न ॥ क क्त द स र्वा न इः क रू या दि त सः ॥ ५२ ॥ क्रा क्त न या
 क ता न तः क क्त नि रू त धा र्तिः हे क्रा क्त न रूः कृत या त अ ति धा त रू य म तेः क स कृ व रू क म इ क्त याः क तं पिः
 हा त स आ डः क रू मा न प ति क्तः इ हा त रू अ सा थ काः आ सि वा तः त या अ रू त सा थ काः ए ति रू त र्ति रू द य
 अः थ थ थ का क्रा क्त न या य मा नः स दां २ क स रू का र्ता त ग थ ति क्त रू य अ मि सा क्त न र्तिः ति क्त रू अ रू का पः
 ना अः मि रू त ग थ थ स त या अ त य रू यि अ ध र्क न्वा ना अः क्रा क्त न रू त धा र्तिः हे मि सा क्त न धा या सः स आं स अः
 ति पि हा अ ना अ रू मा न प ति क्तः आ सि वा तः त त अ न मा रि ए त सा म इः कान धा त साः क स अ स त म इ ॥

६२

धा रि त त ग थ अ नः ति मा म का ता धा या अः व क्त नि रू तः स अ ध र्क ल त या अः ति ते २ अ रू का प ना अः पा सः
 त या अ न र्ति ॥ ५१ ॥ प त र्तिः क रू या दि त सः हे क्रा क्त न रू क्त न रू म या त साः क ता रू त र्तिः उ द स या अः क रू मा त सा
 मि ति स द स याः वा हि त सः आ ग त स क क्त द स र्वा न इः अ ह्या त क्त रू तः क सि अ या अः ति त क्रि थ रू त सि
 ध रू हा तः कि ष्ठ त द य का प रू वा व य या अ वि य धा या अ क्रा क्त न रू त स अ ल त या अः धा र्ति हे मि सा थ मा ली का
 सा इः का क्त स रू व नः म स त क्त अ न म रू ताः धा रि त रू त सी रू म इ ध र्कः ॥ ५२ ॥ मा ति न क क्त स ति रू या य इ त्रि धा
 या अः व क्त नि रू तः प रू वा व य या अ वि र्तिः ॥ ५३ ॥ क्रा क्त न रू तः आ ग त स र्तिः ल त या अ य क वि त र्तिः वा सि आ र्ति रू त
 ॥ ५४ ॥ क्रा क्त न या सि आ रू डा अः आ ३ ग त सः रू सि रू या अः क रू या दि त सः आ ग त स नः थ अ सा रू य पि का या अ

थवा प्रन सातः डत सन विती ॥ आगने सनः आह्ला दती हे वा प्रन रुन एक ख डा अः ति अति ख सि रु य ध ना ॥
 आ अ रु नः रु हान न डाः हान ध केः आह्ला द या अः थवा प्रन रुनी अ हाने थ हाने म सिया अ रुनीः ति म त स
 वि न ति या ती ॥ हे प्र म सा त ति न रु हाने नि ग चे दा ति ड ह न्न रु नाः अ चे क पा या स वि द्या य मा त ध के हाना अ
 आगने सन आह्ला द य क ती ॥ हे वा प्रन थ नि थ रु न अ या अः ति ह अ न रु वानाः उ ग ति व रु क रु डा अ ह ति थ
 व रु क सा स रि त व धि ना अः स रि या ना अः स रि थ रा स त या अः थ प के प या ना अः प या अ ति अः सा रु थ रु द य
 का अः प रु या ना अ सा अः रु न दा ति ड ह त न रु ना ह ति ध केः आह्ला द य का अः आ ३ ग ने स अ न ध न रु नी ॥ थ
 वा प्रन रु ह र्ख मा न या ना अः के ति हा अ नी ॥ थ नी ति व रु नि रु न हा त पा अ रु नी ॥ थ नि वा प्रन रु ना उ ति रु ना रु

रु ना स रु ध केः आ स रु या अ रा ड व त सः वा प्र रु के स चे न क त अ ना अः थ न व रु नि रु न ड नीः हे वा प्रन रुः थ नि
 आ य ना उ ति रु ना ध क न डा अः वा प्रन रु न ध नीः थ नि आ ३ ग ने स न द त स न वि त ध केः ॥ आ ३ ग ने स नः आ
 ह्ला द को र व स म रु क ता त या त क डा अः ग ने स न आह्ला द का र ड डा अः ह र्ख मा न या ना अ रु नी ॥ ५३ ॥ थ नि ति
 थ रु द अ रु न ते अ नी अ ना अ सा त ना रु यीः दे अ रु अ नः रु व रु के म रु डा अः अ ने ग थ स मा त रु तीः दे व या दि
 न मां थ नि रु अः आ अ मा रु व रु के त या अ म त अ ध केः रु या चे मा त रु तीः ति चे दे व या रु अ नः त अ धा द ग त
 रु रु ग तः रु डा अः ग ने स या क पा द त ना अः थ ग त रु रु त सी नीः त अ धा न ध केः प रु या ना अः आ ग ने स ड स न
 या ना अः प रु या ना अः ग त रु त या अः के ति हा अ नीः के चे ना अ ॥ आ ग ने स याः आह्ला ६ थ सा स रि त व धि ना अ

सुखिया ना अः थपूफा पूया ना अः पूरा या तीः सा रा थ रू दया अः मा हा ह र्व तः पूरा या ना अ सा त ना सीः पू या त या प
सा स आः सु व र्व रू या अ अ ड ख डा अः अति त स ता या अः उप त रा या रा का ठि कि धा ड धे डा अः दे व या त का तीः वि कि
आ ड धे ना अः थ अ न र्व र्व या त का तीः दि न प ति थ थ धे का २ रा या अः थ रा फ न रूः का ति श प ति मा तः सी प रि थ
या अः थ रा फ न रू थ थ ग अ रू या अः अ अ दे स या क न क प तिः मा हा आ स र्व रा या अ अ नी ॥४४॥ थ न ति रू रू २१
या दि न सः व फू ति रू त धा ती ॥ हे रा फ न रूः आ अ प म सा त या द या तः सी प ति द ताः हे न रू त या त प ति से न ॥ प
म सा त या केः न क रि त न स वा या ना अः सी ता तः रू फू हा ड कृ पा द यि अ थ काः अ व त सः रि स ड डा अः रू क या ना
थे मि ति स थ ति ना सा ना आ या अः रा फ न रू त धा ती हे मि सा क न धा या र स ते ती र्व अः अ व स नी य क रि हे न

स वा या य रू त धा ती ॥ आ १ ग ते स र्व रा त या अः य क रि त न सि आ या ती ॥ थ त थ रा फ न या र रू ख डा अः अ ति रू सि
रू या अ ॥ रू रू या दि न सः आ १ ग ते स त आ हा द तीः हे रा फ न रू त ग म ग क ति ता धा या अः रा फ न रू त धा ती ॥
हे प म सा त आ ग ते सः कृ त या त स कृ पा तः रि सी प ति ए ति प र्व रू राः आ अ सी ता त म डः मा रा रू फ द या द य मा त का
न धा त साः सी प ति या त स आ त मा त धा ती दि न ति या ना अः आ ग ते स नः आ हा द तीः हे रा फ न रू त सी ता त मा ति क म ड
उ या य मा ति न क ता अ आ य धा ती ॥ थ ति प रू गी अ या ति त सः सा त ह तिः का म धे न सा तीः अ सा या अः या स न या अ
अ ति अः थ सा क न न क रि हे या ना अः पू रा या ना अ हा डः थ सा नः सा स रि हा डा अ वि य अ थ काः थ सा स रिः
व स रू य म ता अ तः अ ता ग त सी रू य मा तः रू अ न रू ता अ रू त साः प रू रू य अः रू अ न रू ता अ रू त सा य ति रू य अः रूः

पाक नत धन विद्या वत स्या ना (थः) सुविद्या ता अति अः सु राये रु दय का असा अः रु नत हं का त द न हू ति ध कः
 आहू विद्या अ॥ अग न स अं न (थः) न रुतः थ का नतः रु ति हा अ या अ॥ अग न स नः आ हू द को रः स रु क ता नः
 क डा अ सु ख न राने ॥६५॥ थ ती तिः थ रु रु त् ॥ जी ग या ति त अ ता अः का म (थ न सा प रु ता या ता अ राने ॥ का म (थ न
 साः अ ति रु ति रु या अः सा सु ति रु ता अ वि ती ॥ थ का नत रुतः हा स नः ता ता क के र अ न इ ता अः अ ता स त रु या अः
 सु ता ते म इ य का अः रु ति हा अ ना अः ॥ अ इ ज न स या आ हू (थ ॥ सु वि या ता अः थ य को य या ता अ य या अ त तेः सा
 रा ये रु द य का अः ते अ ने सा त ता रंः म रा ता थ ति थुं स ता अ रानेः आ हा र रा या अ रानेः ता ता क तः म रा का या
 अ सा त ता रं आ रः रु या अ रानेः रु नू ति रु नः म रा म द स ता अः इ इ का सा र या रा स ड वे त सः इ इ म अ या अः रु य मः

१२

सा नः म रा मा द नः इ इ रु क म इः आ अ इ इः द य का अः द या द य मा न ध के ॥ वा वा स्या ता अः सु ड वे त सः इ इ का ता
 अः सु ह सु भा ताः प्र मा ने इ इ अ या अः थ सा या अः थ ते र य म सा न ध केः न म सा त या ता अः म रा इ इ ता न का अ राने
 थ ती तिः न ति क न क नः रु अ ता र अ ता य ति स त म रा सा अ स त ता या अः वि रा या त अ तेः हा मा रु रु व तः स ति रु
 स इ ता ये म ति याः म रु (थ ड न का अ रु य रु अ ध केः ता ता रं थ न र रु ता डा अः म रा या रा त सा या अः म य रु रा र न व रु
 ग धि ड रा तः द व थि इ ड ध केः ता कः क न क य ति रु क रं / रु ति रु या अः अ ने ग द कि ताः अं ग ति रा रु या अः वि याः
 रु का या अ अ ने ॥ थ ती ति डा रु रु सा म न स रु र मा न रु या अ ॥ थ म रा रु रं ति रु ति रु रं जी ग या ति त सः अ ना अ
 ति न त रु ति रु ता १००००० रु व र्वा या सा हिः दा न या ता अ रु ते ॥ रु रु या दि न सः थ म रा या ता म क रु या य ते या अ

[illegible][illegible]

गति या ना अशान वतस ॥ आरुग मय रू याः वात रू यातः आत कि न या अ अ इ वे त सः थ वि ड वे त स ॥ आरु
ग म य रू याः इ अ त स इ हा या अः दं व इ थ डा अः हि आ हा ना अ शाने ॥ थ न मा म नः दं व त्र स त ना या अः ता ना
क न दे गति ध न का अः आरुग म य रू या न भर्तः हे म य रू याः मि त्रि इ अ त सः ता उ ति रू ताः आ गि नं दं व त्र
थ डा अ शानः रु न रु डे ना अ शानाः ध के त्वा ना अ ॥ ग म य रू न भर्तः हे मा रू दं व त्र या स त ना या थः ता या अः
रि न रु वि यः पि न रू कि रु म्पे म इः रु त्वा त या निः दे गति या ना अ वि स्त नः इ न का या अ वि य या न तिः ता
त रा रि के म इः रि न ति वा त रू यातः आ त कि न या अ अ डाः रि न रु वि य ध के थ या अः मा म म न भर्तः हे म
य रूः रु रि नं ता उ ति रू ताः आ म आ त कि ति वि त ह तिः रु स ह न अ त ना अः हि आ म रु य म ने अः वा त रू या

१३

तः आ त किः मि त्रि नि म्पे स नः त य म रू ता ध के थ या अः ग म य रू नः आ त कि रु स स त रू डा अः हि आ रु
त अ नः थ न आ गि रु रि नं त म रा या अ भर्तः हे वी न्ना अ ध मिः व रु ति रा रि अ ना थ व रू ताः न क ति ति ता
क न ता याः वि य म द त साः म इ थ या नं म ग क ताः रु न रि न थ वि ड वं नः ति ला या न ध केः आ गि न म रा या अः सः
ता थ वि तः हे व रु ति राः रु न हि आ रू रू य मा तः रु न स दा इ वे त स रु य दा इ रु थ अ थ हि वा तः ता य मा त ॥
रु न मा म व रु रू ती वि मि रू रु य मा त ध केः स ता य वि या अः हि आ म का स ति हा अ नं ॥ ७८ ॥ थ न ग म य रू ग दा
त ना अ शाने ॥ म रा रू त स त ना या अः मा म म न ता ना के मा त अ ना अ भर्तः हे म य रू याः रु रु य वि याः आ गि
नः ता उ ति रू या अ न्वा ताः रु या न ता ध केः म रा रू अ हा या अः थ म वि या अः म रा य स य डा अः अ ने ग वं ध न ग

ना'अः त्रिमल्लः मयानल्लः २ अर्तः त्रिनकुअयमाहः त्रिगितत्रिगितस्कातनसः अनेगवधनसतायवि
तः रुनहिराएसाइयमातः रुकसाइवेतसः रुयदाइफुकाथअः रुहिपाततायमातधर्कः रुनमासवकु
रुहीधिमुल्लरुयमातधर्कः सतायवियाअअमाधर्कः थ(थयाकातनथकाः त्रिगुगहसमकुडाअः त्रिशायाअ
अडाधर्कः अयाअः मासफुनगगकिफिरुकिनीशायाअ॥ थनमासनल्लः २ अर्तः हेयतामयरुः शायममा
तः सुयमल्लः त्रिगितं अयननीरुयिमरुः त्रिगियाकुखः वितसा। तसतायअः मवितसाः सतायवियअः अ
तिअमरुताः सुयममात्रयताः मयरुधर्कः अनेगप्रकातनधधवियाअः शदिनकाअः तनेवाताअयनी॥
५२॥ थनीत्रिः श्रीमाहादेव त्रिगिरुयतातगाअः माहाधधः धसिग्राफुनरुयाअः दमासतदयाअ॥ ववफु

वाक्मनया धाम्ना नः गा वि दं व प्रसः ध्वन कल धालसाः अस्मानया य ध्वन का उः मातृका दानया य ध्वन का उः जय
 याना उ शो ढ व्य तसः ध्वन कन उाना उ धालः ह वाक्मनः कृत धाल सनः दानया क स व दनाया उः ढ डा उ डि उ
 याः कृत स दया दन साः जिन रुना हानः जिन धम्या गु लि विल साः दिन गियायः कून म विल साः जिन सत्राय विया
 उः जि उ न नै लोः धाया उः य वाक्मनः नान उभय म जिया उः रा हा न य हलनः आ स २ ध कं धालः आ य वाक्मन
 न धालः म विल साः जि उ न धाया उः विय ३ ध कं अ सि या या या नः य आ गी न धालः सत्य रा ३ ध कं धाया उः म विल सा
 दात ह थ्यः अ सि ह थ्यः वाक्मन ह थ्यः गवत ह थ्यः य वाक्मनः मातृका तनः धाया उः य आ य स म कं धानः य
 वाक्मनया मातृकाः कर्म ध्वन का उ धालः ह वि र्द कालः कून क्रियः कू हान नै ना ढ धाया उः य आ य न धालः

कं का प्र नः किं नं का प्र न थ का म व ता कं ह न उ या म रः किं म क य दा द से अ नः आ न ना नं वृ हि पा त
म ध द तिः आ अ क न म्मा रः किं न हा नेः वि य मा त अ या अः सि व ए क ग्रा प्र न रू नः म न स हा त य तैः ना न
य न सि व २ किं म्मा र इ नैः थ थि ड र व ह त मि नि ॥ थ थ थि ड क थ रू नः थ या न ग थ वि यः अ न्ना गे र ह्नाः
त अ न्ना थ कं अ या य हं म हि स रू नै ॥ ति थ ह नैः हा त य तैः कू या यः थ थि ड अ न्ना रू र ह्ना य म हि याः किं व
र न अ न्नाः थ थ क य न नः ना य म हि याः आ अ कू या य थ कं हा त पा अ रू नैः थ नै ति ग म य रू नः थ नि कि
का न रू म वि द्वा क तिः ना उ नि रू नः कू रू ना रू स थ कं म्मा त न का म्मा या अ रू नैः थ न वा त रू नः म्मा थ नि अ
र न या अः अ अ र व डा अः ह नै ग म य रू नैः ग्रा प्र न रू क थ न क र अ या अः व रू प्र न क ता न प्र या न थ न

१६

ह व प्र नि रू म य रूः कू या य का अ न याः अ या अः उ प्र नि रू नै अ तैः कू या यः थ नि रू गि कू प्र अ या अ ॥ हि
का कू य ए ति ति या रू या अः अ नै ग वं ध नः स ता य वि या अ ना थ त थ कं म्मा अ दि त के म दू या नि थ कं स ता य वि अ
गू रूः वि स्ता न नः व रू प्र या न क नैः ॥ ग ॥ थ न ग्रा प्र न रू न हा त य तैः मि कि रू रू गि अ त म रूः दे व थ का अ नः थ
ना थ थ अ या अ ना थ तः आ अ रि न रि ल रा वा ना अ ह य ध न थ कं म न स मा हा इ रू न रू नै ॥ ग ॥ थ नै ति क थ रू क
या द थ स रू ड रू डा अः म्मा र ग म य रू नः व रू या के ड नैः ह वा त रूः थ म्मा थ मि कि कू स कू या वा ना ह या थ कं म्मा
रू ग म य रू नः ड डा अः व रू न अ तैः ह म य रू य ता कू कू या य काः थ य म्मा नै य ताः थ म्मा थ म ता या ति मि रि त वा डा अ
ह या म रूः थ म्मा थ न रि के वि त ति या तः रि कू प्र ल हि ता अ न य मा तः अ या अः रि न क रू ना रा या अः ल हि य थ कं

अथाऽऽः मा म व व य नि से नः त्रित मया क्त अ न अर्तः हे त्रित का ला रुः कृत या तः कृ या नि मि स्ति तः थ अ कृ वि
अय अ याः कृत या त या न थ न थ न ड व न म ग क ताः ह न म रू त्रि स्तारः कृत या त या नः व ह त म रू त ताः उ रू
न मा हा क फ नः कृत या ता अः आ अ कृत या त सः वि स्ता सः थ थि त ताः य थ थ त सी कृ य म रू थ कः अ न ग प्र का
न न ग ता नः वा ध म रू या अः व ह नः वे ता का तः ला त ता नः वे ता का या अः ज्य म य रू न र्वा स २ वे ता का तः थ थ स्तार
व न वे ता का या अ ॥ मा म व व रू या मा हा इ र्वा रू या अः र्वा स २ अर्तः हे म य रू य ताः थ कृ तिः कृत ग थ वे ता का या ॥
कृत ग थः त्रि य नि ता त ता अः अ न म न द नः कृ म द य का अः त्रि य नि ग थ र्वा नः सु स त ता अ रू यः सु या र्वा त
स्वा या अ र्वा नः अ वे त सः हे क्त न म इ थ कः अ न ग रू त्र या ता सः अ ग न स या के रू डा अ त याः आ अ कृत ग थ

अना अता थे ता ॥ त्रि मि से न जाः य थ थ त सी कृ य म रू अ या अः स्तार व ज्य म य रू न अर्तः कृ या य कृत या तः
या त्रि त रा म र्वा नः अ रू का कृ या अः त्रि ग थ र्वा न र्वा थ रू ताः अ थ रू रू य हे म इः स्तार मि अ र्वा र्वा म या न ता अ ॥
मि स्ता या कृ थ र्मः मि स्ता या त्रि अ जाः मि रू न थ काः ग न त रू अ नः अ न डा अ नी अः कृ या यः मा म रू या त रू त्रि स्तार
वि त अ न थ कः र्वा स २ स्तार व नः वे ता का तः थ न मा म नः व रू नः ला त रू रू या अः र्वा स २ अ न ग प्र का त न ग नः गः
ता न वा ध म रू या अः व ह न वे ता का या अः ला त ता त्रि अ २ अ र्तः थ न मा म व व य नि से नः मा हा इ र्वा रू या अः आ
कृ या यः स्तार व न मा अ ताः मि त्रि से न रू नः रू न द ता नः स्वा या अ कृ य न्वा थ कः त्रि त राः स्तार व रू अ २ मा म व
कृ ति अ र अ न ॥ १२ ॥ थ न त्रि मा म नः व रू नः आ अ रू ता नः ज्य वे त स रू नि अ थ क मा हा इ र्वा न र्वा स २ अ डा अ ॥

दसया काहितस (चडाअधर्तः हयनामयः नितराहारः कृत्तुनहनि क्ता यताधर्तः अयाअः नितरातः ॥
 रुग्मययः नः दसाः वातः धर्तः विद्याहनि क्ताधर्तः अनियाताअ ॥ विधिथ (चतुअयाअः अतः खनेदता ॥ थ
 (थतुअयाअः अतः मासवदुर्त खने मदयाअः पत रात सगयाअ सार्तः थता खने मदयाअः यतात सवयाअ रुड
 सिक्ता सार्ता मागयाअ सार्तः ता हातय हतनहनि २ क्ता यताधर्तः अयाअः अयनः विद्याहनि क्ताधर्तः अयाअः अतः ७
 थतार्त खने मदयाअः तातायन सिव २ नि अया यता तय देत सखनि अधर्तः ॥ मृतकका (थतः गयाअ सार्तः कवेतस
 कदाः रकहिताअः नि क्ता क्तिताअः मृतः ॥ ११ ॥ थतः त्रिः अयन त्रि सार्तः कवेतस ॥ मासवदुर्त खने मदयाअः निः
 मासवदुर्त निः त्रिहा विद्याधर्तः तातायन सिव २ अया अति मासवदुर्त यता तया उर्त यया ददु ता सधर्तः ॥

माहाइर्तनः सतिरसः मक्तुड वं धनः खयाअः अतः हर्त मासवदुर्त यता तया अः नि मासवदुर्त यता यताअ ॥
 अयमातः क्ता यतायनः रिथ (चतुससः अया अति तः यवेतस उर्त दयि अखसधर्तः अने गत्ता माताअः माहा
 दुर्तनः ताताता क्ता अ २ तयाअः थमति अ २ सार्त २ अतः ॥ १३ ॥ थतः त्रिः यमयः ग (थता राअ यन अतस ॥ कवे
 ततहि सार्त २ तापहीः गतनी वसि मडः सि मा क्ता नकि क्ता स मडः या सताधर्तः तै सति स अतात थर्त मड ॥
 पि सार्त धर्तः तयवहत क्ता मडः थचिन थयसः माहाइर्त सि यर्त यतः गत क्ता सि स मडः हर्त सति स मडः थचि
 दय स्य इ स्यिका अयनः थचि उर्त क्ता अ ॥ यमयः क्ता तयतः तातायन सिव २ रिथ अ क्ता सः यया य (थत ॥
 याअः यया (थति याअः यथा जि ताअः सखनताताः अया अति गचि उ विपति इ वर क्ताः अया अति थचि उर्त

तयमखाडाः ॥ ५ ॥ दतोः ॥ लान्धकैः ॥ एति दि यथाहीमदः ॥ आसुताधकैः ॥ तखएतितातेमदः ॥ घिखाताधकैः ॥ कृतयंम
दः ॥ आअमधिथचिडविधिर्हिः ॥ तिमहसः ॥ त्रिगथरुयअखसधकैः ॥ माहार्धअनहाताअः ॥ सास २अत ॥ हनैलातयतैः ॥
तातायतसिद २ ॥ दासकातः ॥ सुसहियमदधकधयअः ॥ रुकुडडाअतयाः ॥ आअत्रिकताधकैः ॥ लातयाअसास २अनीः ॥ थनका २०
थरुयतः ॥ लाततातधर्तैः ॥ हेगमयरुः ॥ वरुहृतअयाः ॥ हतासकायमते ॥ ॥ मित्रिसुकेथनकाअइ ॥ थयथतयाअशान
धकैः ॥ ॥ क्षताअयनैः ॥ हनं ॥ थवाफ्रनपेनयः ॥ माहादेवतलात्रयतीः ॥ थवरुताः ॥ रुकुनित्याः ॥ गतीरुयात्रिरुमदः ॥ हनैपाथ
सदः ॥ थचिडफ्रयातः ॥ गतिताइरुवियः ॥ गतातकातायमधकैः ॥ तअरुकुदेसथनाअः ॥ थदेसयावाहितसः ॥ अयि
ताउनसः ॥ रिखाकेकुगतिरडाअः ॥ थकुसता ॥ थधकैः ॥ लातयाअधर्तैः ॥ हेवफ्रतिः ॥ मित्रिसुकेथनकाः ॥ इहाहृज

धकैः ॥ धयाअः ॥ थकेरुडाअः ॥ गमयरुतः ॥ लातयतैः ॥ तातायतसिद २ ॥ त्रिगथि २डकेसकाताः ॥ आअत्रिथचिडहि
खाकेसताताः ॥ आयतामकातः ॥ सुसहियमदधकायाखयर्हिगतखअधकैः ॥ लातयाअः ॥ रुइहाअताअशानैः ॥ थवाफ्रन
रुतः ॥ देसइहाअताअः ॥ रिखाकेनाहयाअः ॥ इ ॥ थयथतयाअशानैः ॥ ॥ ॥ ॥ थनैत्रितकिवातकिदयाअः ॥ थवाफ्रनध
र्तैः ॥ हेवफ्रतिरुः ॥ मित्रिसुदानैः ॥ थथकातातः ॥ तिसातमरुअः ॥ रुतमरावयनाः ॥ मरावृतताअः ॥ अतगविवाहातयासमा
तः ॥ वाफ्रनचिडजातः ॥ आअकेसवरुकेमदः ॥ रिपुदेसअताअः ॥ रिखाकेनाअः ॥ अयधकैधयाअः ॥ गमयरुतैः ॥ अतग
पुकाततः ॥ सास २ ॥ वितनित्याताअगतीः ॥ गमयरुयावितनितिमदः ॥ सायकाअः ॥ वतनैअताताधअः ॥ अनी ॥ ॥ थवाफ्रनरु
तः ॥ रुगतिः ॥ तगतिदेसगहिताअः ॥ ताकयनिस्फातरुतैः ॥ हेरुकासातयतिः ॥ त्रिधनसुनानीमातअतदतसाः ॥ विरातया
तअतदतसाः ॥ त्रिनामः ॥ सिवसमानथुकाः ॥ रिपुदेसअनधकैः ॥ ॥ देसयतिर्कैः ॥ थथधयाअः ॥ वाफ्रनवयतातताअ ॥ ॥ ग्री ३ ॥

काहातसावियाअःराहिडाअतरी॥थनदवयातःविपात्रसाकवजिडाकिठूवाअंगनिकायइता॥थनीतिथ
मरायाःनामकर्तयायनेयाअःग्राफ्रनयतिःवाडाअःमातकाकर्मयाताअःनामकर्त॥थयातामकृअयःनअ
रुगसकृअक्रयातामःनअनाकृअयधर्क॥नामकृताअततःथनःनअनाकृतअधिडाअःज्ञानावियाअतरी॥ह
नध्रिहियातनेयाअःध्रिहियातयायधर्कःआकृतक्रियाकेहाडाअःध्रिहियातयाताअवितरी॥थनसाप्रमराइथ
यथनयाअःमतउताडाअसुखनराती॥॥॥थनिःनअनाकृताफ्रतःयासायनिमडातायःक्रिततइअवेतसा
यासायनिमडातायहाडाअःयासायनिमनतमरायाअःन्यागीःकृतनामतअनाकृतमखःकृतनाफ्रमाःअवमइ
दखयताथकाधर्कसकसनीवारी॥अयाअःकृयादिनहःथग्राफ्रनइतरातपरीःथआयासायनिमनसदी

थ(थनरअतरीःआअमीरघातमखताःथनिमाजिनःअवसुतःमामयाकडनधर्कःकृमातकाअःकअ
नाअशनीःथनीतिमामनीअतरीःहएनिकासयइःहएयातःआतकताताअविअःअयाअःएनिकानीःआ
तकताताअवितरीःथनअनाकृतःनाकृकृयाडाअःमतसीवानाअधर्तरीःहमामरुःथनिजितज्ञानय
मखनिःत्रिपिहीअनेमरिजा॥यासायनिमनःअयाखःखमीखअःत्रिवातरुःसुगप्रःदनिताःमना
ताःगतअनाःथखमकानकाःरितज्ञानयमखताधर्कःहययानाअशनीःथनमामनीअतरीःकृयाययता
कृतथखडनमतेःथखडनसाःहिडइअमखधर्कःअयानीमरियाअःआअकृयाययताःकृयायःकृत
वातरुःइमीइखःकृयाथसइसियाअःकृतनाअःअनेगविवाहातयायमात्रिअधकःकृतअर्जकृग्या॥

लीमइधर्कः/हिआहानअनधर्कः/उडक्रः/आहानात्रः/त्रिहामअतिः/त्रितअनगपुकातनः/अनमन॥
 धर्कः/विततियाताअगनाः/त्रिआयकाअः/वतनै/त्रिआनाअताथनैः/आअनकंसितनामसितिताः/दतिता॥
 मदतनाः/मसियाधर्कः/नामजाः/हिवसमानधयिअः/क्रतअधिदः/आथइताः/थ(थ)इथकापताः/आअ
 आकपतिस्किहातनैः/रुतनमातकाः/विवाहानयाताअतयधनाः/आअरुद्राक्रतयामरा/ग्राक्रनइताध
 र्कः/मामनैः/थ(थ)कनाआ॥नअतारुनधतैः/हेमाक्रः/थथरुतनाअः/त्रितः/त्रिचिद्रुवि/मिहादयकाअ॥
 विअः/त्रिवातइयाः/उयदसअनै/दतहातापीवाताअहयः/मदतहाः/वातइयाकायखनैः/अमितिहस
 नयाताअः/अयधयाअः/मामक्रनधतैः/हेपताः/अमचिदः/खक्रायमतेः/त्रितः/रुतखातहायाअः/समक्र

८३

इखमारकाशनायताधर्कः/गतैः/मामक्रतइया(थ)गतैः/गतानैगतमइयाअः/वतनै/वलाकायाअः/अनै॥थनै
 त्रिगमयइः/माहाइउरुनहाहाकानक्रयाअः/आयाअशनी॥थनथचिदइरुतशदवतसः/एतियाननिनिन
 आतैः/हेमाक्रः/त्रिथतशनायाः/हिचिमिदः/त्रिथअरुक्रधततिअनैः/दअमइः/दअतः/यिडाशनायाकूपतारुतम
 इः/अखन/त्रिहातानाअयिअः/उखन/वानकतहकिअः/आयाअः/गमयइतआतैः/हेएतियामयइः/रुअनै/आयमति॥
 त्रिहातनोनअतआयीः/कायतै/आतैः/कायमइधयानः/रुतत्रिआनाता(थ)मतेः/हेएतियामयइः/रुअनै/आयम
 नः/सहसुविततिः/त्रितसयाखातहायाअशनैः/सहतनाअरुयधर्कः/अनगपुकातनः/गतानैः/खमइरुः/नडिति
 नः/वतनै/वलाकायाअः/अनैः/थनगमयइतैः/आअरुद्राक्रतयामरा/ग्राक्रनइताध
 र्कः/मामनैः/थ(थ)कनाआ॥नअतारुनधतैः/हेमाक्रः/थथरुतनाअः/त्रितः/त्रिचिद्रुवि/मिहादयकाअ॥

इति रत्न शतं ॥ १८ ॥ यत सकृदुत्तमैः ताकि ता डा अः हा रुत पा अशते ॥ यतीतिः कृता सभा ॥ श्री ३ मा हा देवः पाह
नि ॥ आनी नुन विद्या कवेत सः मरु म द ह सः गमय रु याः मा हा इ र र रु या अः विष हि रु या अः हा हा का त प्र
या अश ड वेत स ॥ श्री ३ पा र्थ ति मा ता त र डा अः श्री ३ मा हा दे व या कः ७० ना प या तीः हा प्र म सु तः मा हा दे वः अ वे त
सः रुत पा त स नः गमय रुः त्रि म त सः सु रि रु यः हा गि रु य अः थ का ध कः ति त वा य या ता अ त तः आ अ व रु ताः ग
मय रु याः गधि ड वि य ति सा हि रु ताः थ अ क ता त या तः म र्थि थ (थ या कः ए ति र त क त ताः रा य म मा त ताः कृ पा त या
कृ ध र्मः रुत पा त याः आत्मा तः म अ त साः ति माः थ गमय रु र डा अः अ ति क त ता रा य व नीः ॥ थ या तः उ य का त
रुत पा त स नः म वि त साः ति त र त वि य ति अ ताः ध या अ ॥ श्री ३ मा हा दे व तः आ सुा द तीः ह पा र्थ तिः रु त अ या र

रु जी र डा अः रु उ य का तः रु या य ध कः आ सुा द या अः आ पा र्थ ति तः वि त ति या ती लि प म शा तः रुत पा त याः आः
सुा द न साः उ य का तः मा इ र व ध कः ॥ श्री ३ स्व स्मा नि यार्थ क ॥ अ न व क न ता ध क ॥ डा अः श्री ३ मा हा दे व न
आ सुा वि तः ह या र्थ तिः गमय रु या तः थ गु तिः उ य का तः वि य त डा र्थः रु न वि य क त रु डा अ ध कः आ सुा वि या
डाः आ या र्थ ति नः अ स्व स्मा मा ति रि व दान क त रु ता र्थः थ न अ स्व स्मा मा ति रि व डा या डाः थ लि रि व या नः श्री ३ स्व स्मा
नि यार्थ क ताः वि डि य प्र मा नः क ना डाः क न धू न का डाः हा अ स्व स्मा मा ति रि वः रु म रु म इ स डा ना डाः ग व रु डा पि ड
इ रि व य नि रुः ग व रु याः त डा इ र व रु ताः थ गु तिः ॥ श्री ३ स्व स्मा नि यार्थ क थ वि त रु नि ध कः स म रु क डा अ रु ता र्थ
॥ १९ ॥ यतीति आ या र्थ ति याः आ सुा थः अ स्व स्मा मा ति रि व म रु म डा डा डाः दे स या ति क रु ना डा श तः ह न न डा

का ज्ञाय ॥ अत गिय माधिः सतकि २०० तथ म न पा त न या यः या ता त इ (५) य रू ख त उ ज्ञायः य रू ख म द त सा
थ उ का य या त वि यः थ उ का र्थ म द त सा त्वा र का यः या त वि यः त्वा र का र्थ म द त साः त दि स द ह त थः ध र्कः स म स्त ॥
पु म स्तः जी पा र्थ ति मा ता याः आ द्वा द का र्थ स म स्तः वि धि य मा नः व स्ती तः रः ज्म म य रू या त क डा अः ज्म म य रू
अति न द्वा स रू या उः उ या य ह म सिया उः क स व स्तु क रू म द या उः थ थि ड ति ड व क ड उः उ म्म या तः जिन रू या यः २६
ध र्कः ज्म म य रू य म य रू नः हा य य का उः क्का य ध र्कः क तु क याः क्क तु क ज्ञा ना उः गो गो कः ज्म लि नि या क्कः उ ना उः
था तः ह त म गु लि भ्र मा रूः कि क्क सः भ्र स्व य या त रू नः न उ था ड क थाः क न वि द्वा तः आ उ क्क स रू म दः थ क तु क या या
ज्म ल वि य मा त धा या उः ज्म लि नि न था तः ह ज्म म य रू थ नि क क्क सः ना ज्ञा या ता स धा तः मो हा ल न रू य त धा त

सां वि य म रू याः क न क तु क या याः ज्म ल ग न का या उ वि य धा या उः ज्म म य रू नः उ था य थ धा यः म सिः
स्यः मा हा र्थ धा का या उ धा नः थ ज्म म य रूः ध धा त रा ड रू डा अः ज्म त्रि ति त धा तः ह ज्म म य रूः क्क मा मा हा र्थ धा त
रा तः क्क रू क त उ तः कि यी त क न ते उ ना ध र्कः ज्म त्रि ति तः त्रि य त क डे ता उः म क न म रू ना अ हा २ स न ॥
अ सा य वा त रू नः क को रूः स म स्त क ता उः थ रू ड ता उः ज्म त्रि ति तः अ ति रू सि रू या अ धा तः ज्म त्रि ति त धा
तः ध ने २ गो ३ सा स्ता ति ध र्कः त म स्ता त या ता उः ज्म त्रि ति त्रि वि या अ धा तः ह ज्म म य रू आ २ स रू ग रू रू न ॥ द
नि ता रू सः स य ध र्कः इ हा या अः हा त ना रूः यि रा २ ज्म त्रि ति त्रि वि या अ धा तः रा त रू डा अः अ ति रू सि रू या अ धा तः म य रू ॥ थ
रू अ ति त्रि ति त्रि वि या अ धा तः क्क या ज्म त्रि ति त्रि वि या अ धा तः ज्म त्रि ति त्रि वि या अ धा तः थ रू क न मः अ रू या तः ज्म त्रि ति त्रि वि या अ धा तः

कृतसूतः लपयका अका अः नताने हतिः गतसूतसमात्राः थकतुकरा नितयडधकैः नितविया अका
 हतगमयसूतः लतयतीः गतसूतसमात्रा अः थकतुकरायाः गतयात्रा अयनधकैः वनियारूया के शन
 हे वनियारू थकतुकरायाः गतविया दियमात्रधकै धाया अः वनियारू नैधारीः हे गमयसूतः थनिकरूतः ग ४९
 कतासही मरः कृतत गतः कतुकरायाः गतकाया अ वियधाय अः गमयसूतः अयायः थयायमसि स शन ॥ ह
 तवनियारूत धारीः हे गमयसूतः कृतमाः अयधनः गतयात्रा अतः कृतयात्राः गतलपके वतत इता धकैः नया
 लनः न्यात का अः गमयसूत धालः गतमेवता कात्रनमरुः जिप्रखयवात्ररूनः न अ धाडरवकन अतः कृतयः क
 न अत्रधकै डन ॥ गी ३ स्वस्मानिया खतुय कन अत्रा थयायोनथ का धकै धया अः वनियारूनः अमरवग २०

रधकै डना अः अखयवा लरूनः कका रवस मसू कडा अः वनियारूः रू सिरूया अ धालः हे गमयसूतः कृतत अ ध
 डरवकन अतः जिने ड दामात्रनः जिने अतिरु सिरूय धनाः जियाय हलरूतः स्वय धकै स्वत्रना अः सफर गवय
 रवना अः धन्य २ श्री ३ स्वस्मानिधया गुत्रिः न अ धाडरव अ धकै नमस्कात्रयाना अः गवयकूया सत्र काया अः गमय
 रूयात विया अ धालः हे गमयसूतः कृतकतुकरा नित नूदः मलसूमात्राः कृपा गवयसू गतमरु थसः गवयसफर
 दया अ शानः थरवत अ धाडरव अः थयि डरवकन अ अक्रः गवय कूकतिरवूनः लपयका अका अः ननाने रूनिः थ
 रवक नयत सः जिने कने मात द्वाधकै धया अ कृत ॥ ४० ॥ यनत्रिः गमयसूतः पिहा अ नालः अखस्मात्रा निवनः
 थया कूसस्व लना स्यनः कू वसूक मरवाडा अः सुध अत्रि डरवमने धकै लतया अः थमशडा को प्रनियानत स

~~रथकं देना~~ ~~जः~~ ~~प्रसन्न~~ ~~यथा~~ ~~न~~ ~~क~~ ~~को~~ ~~रव~~ ~~स~~ ~~म~~ ~~स~~ ~~क~~ ~~क~~ ~~दा~~ ~~जः~~ ~~व~~ ~~न~~ ~~य~~ ~~था~~ ~~न~~ ~~द~~ ~~व~~ ~~सि~~ ~~ह~~ ~~सि~~ ~~ह~~ । सर्वर्तया का उत्र ग्व २० नया उत्रिहा
 उानः थनः प्रिः ग्वमय रूयामन सः ग्वयः ग्वमल दगा धकः ह रव मानयाना उः हनारसनः कृत्रिहा उडा उः खल नास्यन
 प्रसस्मा माः लिखिमदया उः प्रसय या लरु २ धक सलत लं सलतानः हमधम्या उः जि प्रसय या लरुः मा लरु व दकः विद्या ८८
 तत्रा धकः योनः ना उतिनं म उया उः गनी व आन रव सः जिन ग्वयः ग्वमलः आन उाना थसः ना उति रुया उः प्रसव
 या उः लिहा विद्या न जि धकः लतया उशनः थधि दग उधदः वृध धर्मः उया सया रवः कन उः उा कः ग्वमरु व
 लरु नूः ग्वय रु कृति सु धनः लययं के म गान का उः लिहा विद्या न धकः माहा रवन योन ॥ ८९ ॥ थन लि थ ग्वमय
 नः लालयनः प्र उ थ ग्वयः ग्वमरु जित रुयः थधर्म यातः तय धकः लिन कनि दान या ना उ गलः हन लालयल

त उ धा डम नू रव यनि रु स विद्या न ना उः वयय मा ल धा यि उ धक वयय न डव ल सः कय प्रीति या न ल सः क
 उति रव डा उः ना ग्राय न सि व री जि डा लि ड रव डा उः वयय व सान हने या नः रव रु सु धनः नया उाना थल धक
 न गत्र मी रु न का उशनः थनः प्रि थाय यी रु सि निया उः रुया थ र सु विद्या ना उः प्रसन्न नया ना उः श्री ३ ख स्मा
 निया व रू शो ना उशनः सति रव नू नि स्यः शो त्यः रु रु रु उ म ल म या नाः सकलः म न का उः वा रवा द्वा नाः म या ना
 स्यनः वा रवा दे ना उः रु स वा रवा या रवः मा म व दू य नि क नः रु या य निः प्रीति रव सि रु या उः सति रव नू नि स्य
 रु उ म र म या ना स्ये नै य नि स्यनः ५ रु स र र गु रि शो ना उः वा रवा दे ना उः थ थ ग उ द म या ना उः रु उ म ल म या
 ना सः थो ले सरु ६०ः व ध य रु या उ उ लः प्री दि स ग्व ग्व र्ज सः प्री र्वा र्थ ति मा रु नः प्री र्वा र्थ ति नि व रू शो नः म
 रु म ड सः ग्वमय रु नः प्री ३ र्वा र्थ ति दि विद्या रु यानः पु म ख ग याः वृ त शनः थनः प्रिः न उा गा रु न व दू सि व स

मानखात्रययातइलं । दसपनिर्कंठनशर्ल ॥ कृगलिदससधा लः सिवसमानधयाक्रमाः रुद्रकनः दसयावाहि
मिसचादखडाः आडाककनादनमखकादनिलामदनलामसियाः कृतडाधिकश्चाथइलधकंधायाडाः दसयावाहि
मिसचादचपालसखलडांनाडाः थचपालसववूमदयाडाः मेवतायाकाचखनाडाः जिवालइमदनखम
नधकः थकाचजिवालइयाइलाधकलालपाडाः थकाचसकलीमूडाडाद्विडाववूसिवसमानकः ॥ २८ ॥
याडाखालं ॥ अतिवित्रापयांनाडांमाहाइखः नखालंखयधूनकाडांलालपलंः आडाकूयायवालइयाखा
लानिमखनधकः काचसकलंलकूनकिडाः गगायानित्रसडांडाडाः अमिसस्कात्रयाडांडाः वाभनया
मालकाः क्रमयाडाडाः पितुथयाडाः नानाविधसियकाडाः कृलिहाडांलं ॥ ६२ ॥ थनमाभयाधरन

धूतकाडाः नात्रायतसिदरुकि कायमथदः आडाकूयायधकैः थमयाकातनः यातयाताडांचादयल
सकायनडांताऊथनकलडांयाडाः मामसलनलं ॥ थनग्वमयइनधालं ॥ हलाइपनिजिथधिठपापिनि
याकैः द्वायमनजिकायययलंमदयकडाः डांठन्नगनअयिडाः लिहाडांलसाजिनडांलाग्यइलाम
खाः जिपापिनिनकाययाखालगनखनिडाः जि केकूल्यासदियमनेडां ॥ लाइपनिधायाडाः पानि
मइयाडाः सहसविननिधायाडांपिखलमडांस्वचानंः धतकायतधालंः हेमाइः कायसायामरुगे ॥
निरुयतकूतकायः नडांताऊरुअथकाः कृपतिमरुमनडाः पिहाडांयाडाः सातअयमइताधकंधाया
डाः जमयइनः लातयलंः थनमाअतिः निवहनधालं ॥ जथसियधकैर्गोश्रीइलास्मानियाः धर्मयाय

ननः नि काय (थने रु अ ध केः हात पा अ पि हात म अ र्त्त ना स नः काय या हात स डा अः टा ना केः वा कृति
अ त पा तः सः त स थि डा अः कृति सि त का अः इ त वा डा अ य र्त्तः थ त का य र्त्त अ र्त्तः हे मा रुः नि मा रु कि र्त्त
पि ला ताः कृ न य व ह त इ ता ध के ड र्त्तः ह र्त्त अ र्त्तः हे मा रुः मि नि कृ स माः त स्या क ध र्म् क र्म् या ना ताः कृ २०
न कृ या ना मा रुः अ या अः मा म अ र्त्तः हे य ताः कृ या यः कृ ए ति त्रि या रु ताः कृ न ग वा ति त या अ त या इ र्त्त
य ताः नि त ॥ श्री ३ हा हा नि याः ध र्म् कृ र्त्ता ता थ का ध केः कृ ना अः हे मा रु कृ नः ना म रु कृः का या मा रु न
नि पि ला केः हा र्त्त म रु ताः या य ह र्म् कृ अ र्त्तः श्री ना र्त्त या उ र्त्त अ नाः थ गृ ति र्त्तः नि य नि क र्त्त ते अ ना धः
के ड डा अ ॥ मा म न अ र्त्त य ता ध केः कृ र्त्ति न र्त्त ॥ श्री ३ हा हा नि या र्त्त क डा अः का य न अ ना रु नः इ ना अ

अ ति र्त्त सि रु या अः र्त्त ड ड कृ त अ का अ र्त्त र्त्त ॥ ४३ ॥ थ र्त्त नि र्त्त र्त्त र्त्तः न स न का अः मा म नः का य थ ना अ
ना म र्त्त २ वि या अ अ र्त्त ह ति र्त्त य ताः वा त ति याः नि र्त्त सि (ध न का अः वा त ति याः र्त्त ति आ ना अः अ थ ध के ध या
अः का य र्त्त नः मा म र्त्त न थ या र्त्तः र्त्त सि (ध न का अः र्त्त ति आ ना अः कृ ति हा अ र्त्तः ह र्त्त मा म न थ र्त्तः ह ति र्त्त य ताः
हा न या ना अ थः ध केः वा कृ ति अ त पा तः वा कृ ति का हा वि या अ र्त्त र्त्तः थ त अ ना रुः गी ग या ति र्त्त सः अ ना अ ॥
हा न या य ध न का अः द व या नः त स ति त या नः ग म य र्त्त सि ता क या त पा अः श ड र्त्त सः ॥ श्री ३ मा हा द वः पा र्त्त ति
गी गः ग न सः कृ मा तः कृ ता स नः हे मा त सः वि र्त्त य ध केः वि र्त्त य ध के ॥ क र्त्त सः थ गृ त र्त्त नः ता हा ति र्त्त ॥
र्त्त र्त्त या अ ॥ थ या व र्त्त र्त्त डा अः अ ति र्त्त सि रु या अः श्री ३ पा र्त्त ति तः श्री मा हा द व या र्त्तः वि त ति या र्त्तः हा स्या ॥

मिष्टमस्तः आमाहादेवसाडा २ हृहृग्राफनयानः गथिडकारः नः सितकः पातयाडाअनः कृतपालया ॥
हृकयाताडाअनः थथिडगत्रियः दातिडयताडाः कृतपालसेनः कृतनामसाडाः समातयतिस्तुक्त ॥ ७
नगवत्रप्रसात्रविशूडाः थवद्रागत्रियः थयादर्शकृतकैः वत्रदानवियमतेडाकाः थयडाडाः डिजाअ ॥ २९
गिकृतनासायधनाः धकैः आइमाहादेवयाकैः पार्श्वनितवितनित्यातीः ॥ थनैत्रि ॥ आमाहादेवनः हात ॥
पत्तैः थग्राफनसायातमाः जितवियमजिडाः कृतधतसाः थजिकायथकाः थयातमाः पार्श्वनितः विय
कमातधकैः हातयाडाः आमाहादेवनः आह्लादतैः हृपार्श्वनितः कृतधयासः रुमीरडा ॥ थग्राफनकान
पर्वरुसस्तयामदः कृवियजितगावियमरुधयाडाः हृनैपार्श्वनितवितनित्यातीः थनआइमाहादेवन

आह्लादकः हृपार्श्वनिकृतकैः अतिः निवतुरुतसाः जितरुधयकृतमनसः गथहितः अथविडाः धा
याडाः पार्श्वनितधतैः जितवियातः जितसाः कृतपालयाकैः वितनित्यायनाधयाडाः माहादेवनः आ ॥
ह्लादकैः हृपार्श्वनितः कृतवियातः जितमीयाथैमरुताः जिवरुनदनताडाः रुमदः थकाः कृतविका ॥ हृ
हृग्राफनसायातः थिफरुताधकैः आमाहादेवनः आह्लादियाडा ॥ आपार्श्वनित ॥ सुअयवितैः हृहृग्राफन
सायाः वाकृतिअतयाः वाकृतिकोकाः नितै सुवर्तयाकृतमातः थयासथतडासतः पातयतैवतयाकृत
मातः थनडाकृतसातामदः थग्राफनसाः तासाकृतमातः धकैः आपार्श्वनितः सुअयवियाडा नित्यावि
कृत ॥ ६४ ॥ थनैत्रि थग्राफनसायाः मातकाः कर्मायायधनकाडाः थडाः असतसः नैरुनहाय ॥ धकैडा

नाअः सातनासं ॥ थअः अः सः वाकृतिः अतथाः वाकृति का क्रातया थसः यातयर्तवतया अः सः सवर्क
याकाः नाहापातइया अः काः सः डाअः थका सनकातः अः सनतिय मका सधर्तः थः अः सतमा मर
गथे इताः देवतदाकाः कृतयातताः हनं मरः मवपति सनदकीः सातयातताधर्कः हातयाअः आता ॥ २३
हानं थानं ॥ हनं पार्थितिनधर्तः हेका सनका ॥ आमा अहं सः सतः वाताः नाहापा क्राता अहनिः नअः कुरुहः ना
तामदः कृता क्रातय मातधर्कः पार्थितिनः अः का सनः हतकर्तः थः सतः नअः ता कृतनायाअः क्रातयापति ॥
सातइया अधर्तः हेकाः कुरुपतिः कायः कुरुका वायसायादिः थथेकाय सासदिय मति अधकर्त हाताअः
इतं ॥ थका सनकातः अः सनतिय मका सः काडसयाअः हनं पार्थितिनः आहादतः हेका सनका ॥

आमा अः सतः वाताः नाहापातः कृतय अथकाः आमा अः सनतिय अः वाताः नाहापा क्राता अहनि ॥
कुरु सः देहाय मातः तअः कुरुहः माहाता सः नातामदः कृता क्रातय मातधर्कः सः अथ विद्या
अः नाथअ ॥ आमा हादवः पार्थितिजीताः गतः सः कृमातः हेमातसं विद्या ॥ ६॥ थनं तिन अता क
नधर्तः कतकया सतमादः सायातमा मदः गतं सन मदः आअः मायथे थकः यथः कृतसा ॥ क
तिअतः गथे सियः रिमा मकाधर्मायाः पत्तनः प्रमसातनी विर्यधर्कः हातयाअः सनानः रिगति
अः सतः वाताः नाहापातसाः रिगति साथतडः वाकृति का क्राः हाताअः कायः धक अः सनतिय अः
गतअः सततिडाअः वाताः नाहापा क्राता अः कृति हाअत ॥ थनमा मः तः रिकाय मअतिधर्कः मा

हाथानः इहापि हा इयाऽः सात रुतैः तिल्य यातनैः खनेद याऽः तात्रा यनसिद २ त्रिका य यापित्वा
डाऽः म सुवतम दयाऽः खसि सत्र क विरुः वतंसः आ हाऽऽय म रुसः रुय क द कैः य नत्रा ध कै सा २॥
इहापि हा रुतैः अति धीका का याऽः सा त रुतैः तिम तसः ता वृ न नः काय उऽऽ ख न द याऽः ह ह मा ॥ २३
त्रिका यः ख व रु उऽऽ सत या त ह तमा म रुः ध कैः सा याऽऽ रुतैः काय सति ता का उ याऽऽ हि उ उ स
त न ति याऽऽ उ उ ख ना उऽः मा म रु ता स रु या उ धा तैः रुत त्रि गधि २ उ ख ड न कि ठा ख स ध कैः काय
यातः सा २ अ न ग प्र का त नः न्या ना उऽः काय न उ ता रुत धा तैः ह मा रु ॥ त्रि त थ उ सतः वा पा ॥
ता हा पाः ख या ह या म रु थ काः रु ता स रु या म तैः त्रि मा त रु या थ सः अ न ग व ध नः सा त रु या नै ॥

ग नै म रु रु मी ख न म इः रु का सत ता उऽः सा त रु या नैः सै म रु डा उऽः सा तु सा या उऽः रु का रु ता ति म रु सः स
ता नै ॥ त्रि त ड वा ताः ता हा पाः ध कै धा त साः त्रि सा थ न डः व कू ति अ न थाः वा कू ति का काः रु तै ध कैः उ
सत न ति याऽः वा ताः ता हा पा रु ता उऽऽ या धा या उऽः मा म ग्ग म य रुत धा तैः ह य ता ख यै रुः ग थ सि यः
त्रि ध र्म याः पू र्ण तः प्र म सा त नः वि यै रु उ ध कैः रु इ हा उ ता उऽः अ ति रु र्म मा न या ता उऽः ना या प ता ॥
अ न ति ता मा धि ग्ग २ इ ध कैः वि या उऽः काय या त त उ हा तैः धा तैः ह य ताः त उ रु रु सः ता रु म इः रु ता
सा रु य सा त ध कैः धा या उऽः त उ हा नैः थ न का य नै धा तैः ह मा रुः अ म थ धा य म ते मा मः क न क न ता
त साः मि त्रि साः अ थ या धि ह म इः धा या उऽः रु नै मा म नः धा तैः ह य ता नः उ कै रु या ग्ग ह स ता रु म

इः रि काय ना रा इ य मातः धा या अः ह न का य न धा तः हे मा रुः थ (थ धा य म नः) धा धा कि ति क न के ति
 व त धा या अः ह न मा म त धा तः धा य ध न य ताः त अ रु रु ग हे सः ना रा म इः रि काय ना रा इ धै य मा त ध के
 ना धा य ताः म धि स्था नः त अ धा तः थ नः त अ ना रु त धा तः रि मा त रु या थ सीः थ (थ धा अ धा ल त याः) आ २०
 अ रु त या त या केः रि व त रु नाः कृ त धा या (थै) इ य मा त मा रुः ति अ ध के ॥ ३ ॥ सा स्था नि या तः न म स्था
 ल या ना अः आ रु स म धि का या अः न कृ मा रा स स तः आ न द्रु त धा त ॥ ४ ॥ थ न रिः मा धि ग् ६ ग न
 द व या त का य रु ना ॥ ५ ॥ थ न रिः न अ रु रु सः ना रा म द या अः म किं प्र मा नः उ या धाः य नि तः य नि सा रु
 ति या ना अः कि स ग त सः इ हा अ ना अः कि सि य रु या ना अः स व र्क या य फः मा ता स व र्क या य तः त ॥

अ धा अ धा तः हे अ ना व नः ह स्ति ना रुः मि रि स ना रा म इः ना द ताः ग् ७ कृ मि रि स ना स सः ना रा या य
 ना रु रु तः अ कृः स व र्क या मा ता न का य का अः थ अ म रु क स त या अः ह य मा त धा या अः स व र्क या य तः स
 व र्क या मा नाः त अ धा अ धा तः थ न ह स्ति नः द स हि ता अः मा त रु तः थ न ना रा इ य ध कः उ या धा य निः म किः
 प्र मा नः य नि सः म वा ताः रि ड २ अ स ग त ति या अः ति सा न ति या अः कि सि या रु २ न रु त ॥ थ न रिः न अ ना रु
 कृ न रु नः मा म या के ड न ॥ हे मा रु मि रि स द स गः ना क हा त स त इः ह न न नैः स व द इः कृ रु ना स सः रि न
 द स इ हा अ ना अ सा त अ नः धा ध केः ड ड अः मा म त धा तः हे य ताः मि रि दे स ग कि सि तः ना रा मा त क त
 थ काः कृ त सा त अ न साः ना या का य ना अः सा अ धा य ताः कृ त अ स त ला थ तः कृ स व त म इः म त स रु ना म

ति क्लावता ध्याया अक्षरं ॥ धनं त्रिः नञा तारुः दसदहा अना अः यानत खन रुकः दथा सशना अः सा या
अक्षरं ॥ धनं त्रिः हलि तारुतः दसहिता अः सात रुया अः त्रिमत्सः नञा तारुः द्रा प्रत खना अः कतक
यतिः तिरुकाः रुअर अरिय का अः हान अना अः नञा तारु द्रा प्रत रुयातः अमन यत्र सा ड न खनः रु ८५
या अः सुवर्त्तयाः पफ मा तानः को सा य का अः थ अगतथा तसः गय का अः तारु कृत सयनीः धन दसः क
तकः उवा (धः) का रुः प्रमानः यति सत धातुः कि सि अय दानीः धर्कः गधिं तात कि सि थः थु त्रि म कि
उवा (धः) का प्रतः मी निः प्रमान यति सः मका ता हि ड २ इ थ यति मया सीः अतु तात ही म ड प्रः, ताता या
यह त धर्कः कि सि यात न्याना अः मका यात सा सि याता अहर्त ॥ धनः नञा तारु अना अः मा म न म सि

यर्क शानं ॥ ८० ॥ धनं त्रिः हनीः हलि तारु यातः सते याता अः सुवर्त्तया यतः सुवर्त्तयाः पफ मा ताः त अ क्ता
अ अः हनी तारु मा य कर्तुः धन कि सि न मात रुतुः हनी दसगः हननी हाता अः नगत मकि ना अ ॥ नञा
तारुतः मा मया क व ता का या अः सात अनीः गथे शान धातु साः यत सात इ क था सशना अः तिरुका सा या अक्ष
नीः धन हलि तारुतः अने गथा सः सात रुतः नञा तारु मका अ अः हलि याः मत सः अति इ ४ र्वा गा या अ
अने गथा सः मगत सयनिः तात सा यनिः अतु अता अः सात रुया अः त्रिमत्सः नञा तारु खना अः हलि या
मत सः अति हर्मा न रुया अः नञा तारुः या था स थ न कृत अना अः अमन यत स सा डः त खन रुया अ ॥
सुवर्त्तया पफ मा तानः को सा य का अः थ अ मरु क स गय का अः सह न सी थ न कृत हनीः धन तारु य र्क यति

स न धर्तः ॥ किं हि डाय रुत भया अः किं हि या कनः का का या अः ॥ न अ नारुः सा हि या ता अः गत प्र
या अः ॥ न अ नारुः गत स न या अः कथ न इय का अ नर्तः ॥ वा प्र न रा नः सा म या रु कः धी का या अः सा हा
वि ता य या ता अः ॥ सा हा इ र्ध न रा या अ नर्तः सा म नः का य मे ड या अः अ न ग र्ध नः वि ता य या ता अः ॥ ॥
का य रु रु त र स ध र्कः धी का या अ नर्तः ॥ ॥ नर्तः किं हि या म न सः का ध रु या अः नर्तः ॥ ॥ न नारु म या
यः स या र्धः म इः सा म धा त साः ग म य रुः व रु धा त सा ॥ ॥ ॥ सा हा दे वः रु क म धा त साः गी पा र्ध ति द वि या ॥
आ ह्नाः ॥ वा प्र न रा ति ना म र्ध सः ॥ न नारु म या यः स या रु त र्ध म इः ॥ या नः का य इ र्धः अ य गत दा स
मा नः ॥ का य कतः ॥ न नारु कतः रु हा त य तः ॥ न नारुः वि ता नः स या र्धः अ धि य ति म इ र्ध र्कः किं हि न ॥

हा त पा अः सा हा इ र्ध ना या अ नर्त ॥ ॥ ॥ ॥ नर्तः ह न किं हि या न धा र्धः हे ह हि नारुः अ रु ना व तः अ अ ति या
त अ नाः रु त पा त स नः उ र्ध रु ना ता अः अ तः अ अ रु या त मा त तिः ॥ ग य त रु सः ग प्र रु रु रु तः अ न नारु
या य मा त र्ध र्कः वि त ति या ता अः स रु र्ध या य तः स रु र्ध या य र्ध मा ताः त अ नारु अ अः ह हि नारु नः अ म रु य त
ज्ञा ना अः नारु मा त रु तः ॥ न अ नारुः वा प्र नः म रा डा अः किं हि याः म न सः अ ति इ र्ध तः अ न ग थ स मा
त रु तः ॥ न म न सः ॥ वा प्र न रा या अ ग स त ना या अः क थ ति रु काः वि ता अः ॥ वा प्र न राः थ का या अः स रु
र्ध या य त स रु इः र्ध न रु ना अः स रु र्ध या य र्ध मा ता नः का रा य का अः थ अ ग त पा त सः ग य का अः द स इ य
का अः नारु रु त स य र्धः ह न दे स या कत क न धा र्ध ॥ ॥ ह म रु २ ॥ किं हि डाय रु ना ॥ ॥ आ मा नारु म रु ॥ ॥ उ र्ध

कृतञ्जरीः॥ इत्याह्यायति सन धर्तः हेमाङ्कः कृतयातः आभाकनः विद्याय समानाः काकानः कृतयात
नरकृतसः पिच्छाहमधर्कः इत्यायति सन रात अडाखडाअः ऊडाताः खडातायति सन धर्तः यडा
तामाङ्कः किमिसन झाडाखः तिमकायातिः थनमाः कृतयातः शानकत हतधर्कः ध्याडाः ज्वमयहन ८२
धर्तः हेमाङ्कः मयह्यतिः किमिसन कोः कायमयायः किस्सुतः पति धीराकासिदियसमातधर्कः रूपा
कातयाडाः इति सदडाअः अर्त ॥ थनमामः नारुकेन्माः नारासुरन धर्त ॥ थर्ततिः नडाताहनः मा
मयाके धर्त ॥ हेमाङ्कः कृतयातिः नैदिनिः दतिताः गतअनाधर्कः डडाअः मामनधर्तः हेमाहाता
रूपः कृतकताययासः किमिसन ध्यायताः गुरुङ्कः कृतयातपिच्छातः उरुङ्कः किमियाकाडा ॥ थ

अऊअनायनाधर्कः मामननः थथध्याडाः मीठियनिस्सुधर्त ॥ हेमीकि कायकत कूडाधर्कः ध
याडाः मीठियनि सतः इत्याह्याः कायाडाः कायकत कूतः थनइत्याः एआयतिः दिसवाहिसि सथन
काअडर्तः थनः नैदिनिध्यामः वृष्णि रूयागनधर्कः डडाअः डडाङ्क रूयाअधर्तः थनः नदिनीः
वृष्णि रूतधर्तः सयातिनाअधर्तः कायइत्याह्यायति ध्याडाः थनइत्यायति सन धर्तः मवताम
रुः मयह्याहताः नडाताङ्कः किमिदसयाः नाराङ्कः थथनथकाः किमितिः इतकासहतधर्कः ध
याडाः वृष्णि रूतः नैदिनिधर्तः हेरूयायतिः नैदिनिध्यामः मीठिथकाः नूयाआसाः ननानै
जियडाधर्कः ध्याडाः रूयायति सन धर्तः थरडातामरुताधर्कः ससुधतयार्तः पाथसपिछाता ॥ थ

(थरुतसीः थरुतः खतसी मखतसी यतियत नूयाः मसिया प्रः गनमातुरयः धका उः समधातः याना उ
धातु खतसाः नाति रुया उ नाति उः मखतसाः नाय क। तमि सा रुया उ नाति उ धर्कः सा हति या डा उः इ
ति स थ डा उः नूया मय रुधा या उः सखि ना हातः मसि सः इति सः रु कत डा उ धातुः नूया आसाः वा प्रय २२
निः ता उ रीः पितरु कायः अनजिलातनाः ना रु रु नाः ना उः त ना तै य डा नूयाः धा या उः इ याः रु या प
नि स तः रु रु या उ य तैः ॥ थ तै ति या पि नि का डा उः इति स थ डा त य रु ना ॥ थ ति स मू ड या ति रु सः (थ
डा उः खर्जत अपसनायतिः जीर्णि का हा उ या उ ॥ गी ३ ख स्फा नियाः धत न द डा उः का ड ख डा उः थ
रु या पति स न धातु ॥ हे मा रुः जि मि स माः रु कि नैः पि ला नाः ह रु क न क न कः अ दि क था ड ख न इ ॥

जि मि स न रु ति सा त उ न ॥ त य व रु द त साः रु रु तिः रु ति रु डा उः त या उ यः न य व रु त म द त सा ॥ सा
या रु रु उ यः म ख धा या उः थ व रु ति यानैः धातुः ह रु या पतिः ता उ ति श नी ख नः अनजिलातना ना रु
रु रु ना उः त ना तै उ या धर्कः रु ति धर्कः व ना वि या उ का रीः रु या पति स तः द रु उ यि मा रुः रु या ता उ
ति श न मा रु धर्क धा या उः इ त सै त या उः इ ति का य न रु य का उ ना थ उः सा त उ नै ॥ थ रु या पतिः अ रु
स ना यतिः थ स थ न क रु उ ना उ धातुः हे मा रु यतिः रु त पा त रु रु रु त रु धर्कः ड डा उः द व नाः म न रु रु ना
रु धर्कः जि मि स न म सियाः जि मि स या थ स रु रु ति नैः पि ला डा उः उ या धर्क धा या उः थ अ रु स ना यति
स तै धातुः हे म न रु यतिः रु यति रु तै म रुः म न रु म रुः रु यति रु क नैः सा र्ज याः अ रु स ना धा या पति थ

काःथन॥ श्री ३ सा स्तानिः प्रम सातयाः धर्म द ड अया थ काः धर्क धया अः थ इ था यति सेन धर्तः हे प्रम सत
 पतिः कृत पातयति सेनः थ ति मा नः आ ह द य का अः जि मि सः सा रा व रु ण सा न ता कः आ अ मा जि मि
 सनैः पि त्या क म रु तः धै ना री या उ स अ नाः अ ति स र ता य क त अ ताः जि मि स नै ड न न अ ताः धर्क ड ड अ १००
 अ य स ना यति से न धर्तः ॥ हे म नू क यतिः र मा ड न न अ थः आ म क नः रु र न श ड अ थ डः थ न रु कः थि
 य म नै अः थ न कि ग तः स्ना त त अ ह्ना ड अ न तः थ मि स नैः आ नै ड न ड ता अ थ नै ॥ थ न स्ना तः कि ग तः त
 अ ह्ना ड अ न या ॥ वा रा ह्ना क म नैः द व या कः न न रु तै ॥ थ नैः थ रु पा यतिः तै दि नि ड मू य ति रु
 या थ सः थ न क त अ ना अः इ थाः त था यति से न धर्तः हे मा रुः जि पतिः ह ति ता उ रु ताः कृत पात

नम का से वि श्र य म नै अः न अ थ डः धर्म या र ड ता अ थ डः ग र्थि ड ध त सा ॥ श्री ३ सा स्तानि याः धर्कः ध या
 ग र्थि याः धर्म ड ता अ थ नाः वि धि प्र मा नः ग र्थि ड ध त साः थ य प रि सि र रुः व र्ण श ड अः सि प रि सि र रु ध
 न थः स न रि उ अ ना १० द म दि द य कः स न रि च इ थः थ म न पा ल न या यः थ ग न न इ थः प र र व या न
 त अ ह्ना यः प र र व म द न साः का य या न वि यः का य म द न साः थ य का य या न वि यः थ य का य म द न सा
 न दि स द ह न थः स न रि उ अ थ पः वा र वा ह्ना य १० द स न रि उ अ ना थ न १० द द य कः स न रि उ अ
 ना १० द थ य द य कः थ थि ड वि धिः धर्म या वा र वा डे का अ थ नाः अ ति ति डः आ अ मा थ वा र वा डे ड अ
 जि मि सः पि त्या क म रु तः मा रुः कृत पा त या नैः स्ना न ह था इ थ कः स्ना न वि य ना थो मा रु ध क ध या अः इ था

हं श्याममनसः हर्षमानयानां उः स्नानविलं । यनलिः नदिनिनः स्नानकाया उधाते ॥ हं दूपायनिः कू
खझालायाः सतकिं उः श्याय १०८ काश्वादननां उः कसयतः यितिमगुयिनाः सतकिं उः श्याता १०८ स्नानः
कूतनां उगथः सयतमवृयिउगाः सतकिं उः श्यागवत्र १०८ मधिनलनां उः यथयनममृं उगाः सतकिं उः
श्याता १०८ धयथननां उः कसयतममृं उगाः यथि दवारयागनरगाः जियथि दवं धनः मिसाजानधकः हेन
कलं उलः जिलातगीगाज्जामरूगाः थथदनका उः शोश्वाः त्रययाग उगाधकः जितिल्लानका उगात्र उगाः
धकः तमयाया उः स्नानकाया उः कूदूयाना ८ उः ययदू उः उतिनयकाः सकाया उः हाकातिहा उः
नः इत्यायनिः सनः मासूरुकिनः तमया उः खडा उः हतारसनः कूदूया उः यनः समुद्रया दथसः थडवेतसः उमग

१०९

डा उः कूदू उः श्या उः इत्र हाक दया उः कूतिन उः यथायिनिः समुद्रसकूतिन उः थ इत्यालयायनिः कू
कः धर्मयायन्यनः यत्ररूनि यत्ररूनि कूया उः वास उः यथायि निः यायन दहत्रया उः लात्रगीन उः गा
जनः कगातः गात्रमानका उः शनः यनलिः न उः कूदू यागाजायाः काथयनिः निः कसिकातः अन्यधकः उः डवेत
सः समुद्रयाः तिलसथनका उः शातनास्यनः लंख थड्वाकं थड्वाकः काड्वाकं काड्वाकः नयामयाकः यवडा उः थ
मिहर्तधर्तः हयासाथतिः थसमूडयाः लंखनयामयाकः कूयातिमिहिनः थगथरूतः लसः थरूताका
याकः कूताययात उतः लयाः थतिहिकात उतः मरिः ताधकं थया उः त्रिहा उता उः गाजायाकः कूताययात
उतः हेमहाजौ गाज्जियनिः निः ककाथयनिः । जियनीसिकात्र उः यत्रसः माहाज्जुतकू गुतिरवडा थ

निमाः समुद्रया संखः थङ्गाको थङ्गातः कोङ्गाको कङ्गात नयामङ्गाकः गथ्यरुतः कूयानिमिहिनः श्रमसित्या
धकः काथवानियनिहनः थप्याउः गङ्गातः गौंउं मन्त्रियाकः आङ्गादयकतः खलङ्गनिः मन्त्रिधकः खगः थनलि
मन्त्रियनिउडाउः यथनउभयकाउसातः सात्रनास्यनः यथनगुयाउः थपायिनिः हाकातिताउः काकः कत १०२
सः कसः ससङ्गातः थतकसहातक्षतः थपायिनिः जाङ्गिथिथिताधकः थपायः कसहाकसहित
उः उतः थपायिनिः त्रिथथः गाथथरुयाउः गाडयाशसः थपायिनिथकायाउः सकतंहितातः थत
गाङ्गायातः त्रिसुतकताउः गाङ्गाअततविक्षतः थतकाथवानिः पतिरुखरुविद्याउः कातः काथवा
नियनिः माहाहर्षमानयाताउः कृतिहाउडाउशतः थतत्रिः कूयादिनसः गाङ्गातः मन्त्रियनि

स्फुटतः हे मी निः जित रुता धयते डाः रुमि सुमन सः त्रायि डा ता ख सु धर्कः ता ज्ञा तैः आ ह्वा दय का
 डाः मी नि यति सु न धर्तैः हे मा हा ता रुः रु ख आ ह्वा दय क सः दि द्या य ते डाः आ ह्वा दय क सः दि द्या ह न
 धर्क धया डाः ता ज्ञा तैः आ ह्वा दय क तैः जित म द ताः धय त डा म र थू काः जि ता रु रु या ता द ताः जितः डा प्र
 नः डा गि रु प्री ला ज न म या त काः निः थ मि रुः जित ले ज न सा त केः ला त याः जि डा म रू लाः धया डाः मी नि य
 ति सु न धर्तैः हे मा हा ता रुः थू ग्ग त्रि द्या माः हि ड थू काः जि मि सु तै ला त या डा रु ताः रु ना य या य म रु ताः आ
 डा रु त या त सु तः हि ड रुः आ ह्वा दय क रु दि द्या तैः धर्क मी नि यति सु तैः सु प्र गा ता तः ता त का डा वि तैः थ
 तै त्रि सु म रुः ता त ला त का डाः डा प्र नः डा गि दान रु त रु तै थ न तिः द रु नि दि सा याः न डा यू त द स या तैः

कपूरदण्डः कसलदण्डः नक्रहोजनयाम्यतलः थपनि उा उा पायिनिन रवडा उा उवदा रतुमा
उा लाया थसः शान उा या उा धालः अन्नरुशः लाशयनिपनिः कृतपोलयनिः गनाविश्रयने डा धकः याः
पिनिन डडा उाः वृक्कनयनिसेन धालः हया पिनिः क्रियनिम्यल उाने डाम रवः गज्जाः न उा गज्जायाक् १२
वलं होजन डा उाः होजनल उाने डा थका थया उाः थपायिनिन धालः हलाशयनीः कृतपोलयनिः हो
जनगविश्रानसाः क्रियायिनीयागः कृतसानिय गुतिः मदतसाः कृतपोलयाथिप गुतिरुलसाः क्रिन
विहायः शाना उा विश्रयमाल धकः थया उाः थवाक्कनयनिसेन धालः थरवत्रिमिस्यनससियाः क्रिमि
सरत्र साम ड थया उाः हन यायिनिन धालः मने रशरूपनिः कृतपोर लि हाविश्र ठु गुः क्रिनसाया उा

शाने थका धकः धालः थन थवाक्कनयनि उानः थनलिः गज्जायाक्ः थडा उाः होजनयाडा उाः क्रि
नाकाया उाः मालकाः संपूर्णधनका उाः लिहाम उा संः वृकसः ठु ध्रियिधनु रूया उा शानः आ उा मित्रि
सेनः सुयाक् थयः मरुगगायूः मयनसाः थपायिनिन सशानिः थपायिनिनः सत्रायविथि उाः ग थ
यायधका उाः वृकसः ठु स्व आ सा शानः गज्जान रवडा उाः थवाक्कनयनिः थ थक्कनयशान धकः डेनक
तुलार्ते हे शक्कतपतिः कृतपोतपतिः कायथ (थ विष्ठा डाः लजन ति कैः मधुतिताः दकिताः अहतः म
धिति कैः मथतताः कायविष्ठा डा धक डडा उाः शक्कनयति सेतः धालः हे रुक्मा मातपतिः माहा गज्जाया क
पातः लजनतः समर्कः पत्रिपर्क रुगाः आ अ म व तायाः निमिस्तिनः श डाम रवः अतक्रियति अया थस

यापिनि कृष्ण शोडाशानः धनना नायकात्रनः विनतिनाना उहलः दत्तसाः नियगुत्रिः मदनसाः धियगु
 लिशतसाः महयमनः हक्कमातधकः हडा उहलः थलियानिमिलिनः क्रियनिः लिपिडा उशोडाः क्रियनिडा
 क्रनजानः धियगु धयनः लाइयनिधकः थग्रा क्रतयति हं विनतिनार्तः थखव तीक ड डा अः नाजायाके १०४
 विनतिनार्तः थनना जानधतः अमात्रिखसः संध हेमातनाः द्रा क्रतयति हतः जान हेका मधिः विद्याअ
 का अर्धकः रुदितयति हः नाजातः आइविहं थनतिः रुदितयति हतः मधिः वक्रिः सातअतना हतः
 दका वरुफः थपापियातामका यार्तः सकरी वरुफा कसडाअः शतखडाअः नाजायातः टयागुत्रिः आतकि
 कृत १ नेडाअशार्तः थथवरुफः खनमदयाअः रुदितयतिः हगासरायाअः मका २ डाअः नाजायाके

धनाययार्तः हेमाहा नाजः अर्गएतइ नाः वरुफातसाः क्रवसायावतसः हतं क्रयातनके यार्तः गमकनिः आ
 अथपापि नियातामरुका कायाअलीः सातअनाअः क्रवरुफे मइ क कसयातः तयागुत्रिः आतकि क
 मातुदततिः मवताजीः क्रमदताधकः रुतयति हतः नाजायाकेः धनाययार्तः नाजातधतः अमत्रिखस
 क्रयति हगासरायमातलाः आमआतकि निविद्या अकाअः डातापरुयअः क्रितक कसयाता मात थइ
 यअ नाजात थथधयाअः रुतयति हतः नाकिविद्या अकातः थग्रा क्रतयति हतयाअः नाकिपात
 दिडाअः अतः थनतिः थग्रा क्रतयति डाडाअः पापिनिर्तः यार्त निहखडाअः हाताअशार्तः हगासरा
 तिः क्रितविनति याडागुत्रिः डाडाअः विस्मकमस्रताधक ड डाअः थग्रा क्रतयतिः थनकृतअताअ

नाकि धात का अवित्त ॥ का न अ पापि नि धर्कः अ या अः कृति मिहितः मा हा न अ इ य का अः अ य ध नः न
अ ध र्क अ या अः अ पापि नि नः न य ते क र्त्तः अ वा न न य नि ह न ध र्त्तः अ अ म र्थिः पापि नि कृः अ मा हा
रा रु सः रा ड न स नः ए ति का या अः मि रा ए ति रू न् पिया न अः ध र्क अ या अः वा न न य नि नि हा अ नः य न
अ पापि नि नः र अ ए त या अः अ दा २ न् का अः अ अ अः सा रा रु स रा ड त स सः रा त थ न त ड व त सः सा रा
र स रा ड र्त्त र न ध र्त्तः अ पापि नि नः नि चित अ ध न ध का अः सा रा रु स रा ड र्त्त रः न य अ डा अः अ नः पापि
नि न ध र्त्तः नि र्त्त रा त सि डा अ न य मा नि न्वाः न ति न य ध र्कः ना कि त या अ सः अ दा २ न् का अः अ डा अः न य
त ड व त सः अ ना कि न ध र्त्तः अ पापि नि नः नि चि यी ना ध र्कः न ति रु या अः अ नः य न पापि नि न ध र्त्तः अ

१०५

न ति रु त र्त्त न य अ या अः न य ते ड व त सः न ति न ध र्त्तः अ अ ध मि प्रापि नि नः नि न य ना ध का अः अ न्त्त अ ह
म डः अ त रु सः अ या अः अ न ति य य का अ य नः य न्त्त रि पापि नि नः रा त य र्त्तः नि थ थ ग अ रु ताः नि थ थ
रू या पा य नः रू या नि मि हि त रु तः नि न कृ ती म या डाः नि न कृ ता रु कः अ रु र्थ या डा इ रु ध र्त्त सा ॥ अ ३
हा हा नि अ या गृ तिः रू र्त्त याः हा न ए तिः अ मि अ या डा इ ॥ अ या नि मि हि तः द र्क रु ता रु ध र्कः म न स ए
त या अः अ या नि मि हि त र य र्त्तः ध र्कः रा त या अः रु न ना या र्त्तः य थ हा हा नि याः रु न नाः या डा नि मि हि
नः अ पापि निः रु क रु डा अ रा न रु र्त्तः य न्त्त रिः अ पापि निः हा ताः रा र्त्तः पा य र्त्त रि अ र्त्तः य न्त्त रिः स र्त्त
अ य स रा य निः रु पा या अ सः र्त्त अ या अः ध त ड द न अ र्त्तः अ य निः म डा अ रा ड रा डा अः अ पापि नि अ दा २

नुताडाःडाडाडाःमडाजडाडथासःथनकतडाताडाःधर्तःहइरुःमयइयतिःथनक्यातविस्त्रडाधर्क
 यापितितडाडाःअयसत्रायतिस्तनधर्तःकथनःकायअयाःकनमतसःअतिसययागतिःधर्म॥
 दाडअयाथकाधर्कःधयाडाःथयापितितःधर्तःहपमहातयतिःअमथआइदयकसविस्त्रयमते
 डाःक्रियापितियातःधत्तदानकमातधर्कःयापितितःदिततियात॥थनत्रिःयापितितथधयाडा॥ १०६
 अयसत्रायतिस्तनधर्तःहयापितिःकनमतसःधर्मदनःमतदाताःमातह्याडाःअयाधयाडाःथया
 पितिःमातहृतडातःसमडसःकयातकृदिताडाःथाहाडाअवतसःताहातःतिःसकनःकृतिता
 याडाःडातःतिथातइडाडाःथाहाडाअवतसःअगिस्ततिरुयाडाःडातःसाथातइडाडाःअअवतस॥

द्रुपाथासिनदुगराहिमानलाइववर्त॥थनलि॥थसुनुजुलकौवअक्याधर्मेमा
 जुयावकौवओसालीनदिस॥अयसरालोकन॥आइस्वस्थानियरमेस्वरयाःधर्मव
 तजोन्यातःसुसिसकौहोवयावग्रहासायातहनश्रीमाहादेवदयकावपुजायात॥
 थोनलिसध्याधुनकावश्रीश्रय्यातमूर्धविद्याव॥चोइवेलस॥थयापितिअयसरा
 यनिथासवजवःप्रतिकरुनानविननियात॥भोमाहुयनिहिस्कलयनिसुजुईवव

सजिनं ससिया जियनिख जव दया दयमाल जिजुलं माहु पापिनि थुका जिः
अतिवितालो जित अन्नदान विऊय जिजुलं व्यानु किनुदतो आनलाक जित अ
नलात किवे भोमाजुयनि जिधन वी जयिद जददत सुनान जित अन्नदान वि
वमड सुनान विखालया कं मद कुया पाय जिअ थ्यजुल ॥ गधेने जिउधार जुईव
हि स्फलयनि सुजुईव देव कन्याला जसे कन्याला नाग कन्याला ॥ जिमने जा ह

१०७

लपो लमनु हो देह मय देवताया कन्या जुईवः सिध्यानं जित कन्यमेतेवः धक धायावः
थ्यते पापिनिया भाया न्यजव ॥ अफराय निरपत धाया ॥ भोपापिनि नेड कुन वर स्यया
व ॥ जियनिकरुना वायधुन ॥ जियनि जुलं स्वर्ग या अयसरा थुका ॥ भोपापिनि छउधार
याय अकचित या जव डेडः जियनि सेन कने ॥ भोपापिनि श्री ३ स्वया नियर म्यस्वरयाः थ
मेवर्त देडो ॥ थोवेल सखन उधार जुईव सदा काले मथे पापिनि धायकं चोने ला ॥

धकंधायाव॥ धोते मयसरा लोकयाभाया डेडाव॥ धोवापिनिन जुलसोमनसनाले
याव॥ आहागधोजिनमसिलं ववेलसजिनंदुत्पातोसेनंहव॥ धर्मवर्तयात्मान कु
तिरथगदपुरकालनवियाव॥ हाकलिकारवेछेया॥ आवधधिइअवधनयमा
लधुगुलिजन्मस शुलिजकअपराधयाहगदव धोनहधुजन्मसजिनकुहुपापया
कस्वसधोजिनमसियां जिअहंकारिजुयाव॥ श्रीस्वस्थानिपरमेस्वरयातनिद्रायाः

१०१

३॥ धोयाफलजिनयावरेयायधुन हनधोपापिनिनमनसनालया आहाववेलसकपि
लधायावाहननेहसेनं जिहवरोआणादयकावताथगु॥ ववलसश्रीस्वस्थानिपरमे
स्वरया॥ धर्मवर्तदइधकंजितउपदेसविल॥ आवधो मयसरा लोकनं॥ धोसं परमेस्वर
याधर्मवर्तदइधकंजितउपदेसविल॥ धोसंसारसश्रीस्वस्थानिपरमेस्वरवाहिकनमेवम
दु॥ धोस्योलअनुकपाजुवनेजिधधिइअवधजुव॥ आवजिनधोसं परमेस्वरयाअमर्न

याय थोस्योतया धर्मवर्तजिनदनेधकं मननभालपाव। अष्टरालोकयाहवनेधाया
भोअपसरलोक। जिपापिनियाविनतिनेसविजाऊन्य॥ श्रीस्यष्टानिपरमेस्वरया। धर्मवर्तः
जिनेयातगधे २ भालसमस्तवतार्तआग्पादस्पविजाऊनेधकं धयाव। थोतेपापिनियाभाषानेज
व॥ अपसरलोकनेधाया॥ भोपापिनिडे उथनिनीसं थोसालिनपुसिसनित्यमोलदुया
व मध्यानवेतसश्रीमाहादेवपुजायाय दिनद्वयवाचनकाय॥ श्रीमाहादेवमास्त्रोत्रपा

१०८

थयाय वाचनकायामकतसासिव २ धकं नामघनकाय लक्षितोथ थेयाजव॥ पौषश्रु
यापूर्नेपुनुनित्ये॥ माघसुक्ताया पुर्नेमापुनुत वाचनकायडे उववदतसाडे उववयनित्येक
नेः मदतसाकुवेस्तुहवनेदतवगुलिवस्तुयातंकन्य थोनलिसमाप्तयाय वृषुनु श्री ३ स्व
ष्टानिष्टवृंहया धर्मवर्तदने॥ सतहि १०८ थापा अधितमधिदयके॥ श्रीधेन्य रक्तव
न्यन सिधुर पुखे अष्टोत॥ दफोलस्वान॥ गंगाजल॥ ग्वच॥ ग्वाल धुपदिपनेवैदे
पकुवाजितोमभूर वस्तुदक्षिना आदिदयकाव धमेनेफया थेताललातकाव चकचितन

माहायुविजुयाव माघसुक्तयापुनमापुनुधर्मदने भोपापिनि थोपुशयाप्रभावन कउ
धारजुईव यक्तचितयज्ञव॥इस्वरयाकेमनतयाव॥थमिनिस्वहनधर्मवर्तजोइधकं॥भो
पापिनितातेकहयायमालमभु लक्षितोथुका जियनित्यनंधनिनित्य थोधर्मवर्तजो १९०
नेयात॥थोनदिसभ्रस्त्रानयातवया॥भोपापिनिभ्रावजियनित्यनधायाथेयाव॥थोय
लसहनदियादेहुईव दकोपापनंतोलताववनिव॥थथिहुसंपरमेस्वरयाभारध
नायावधकं॥थोतेउपदेसयाव॥अपसरालोकन थोसारिनपुसिसभ्रस्त्रानयाज्ञव ल

गंतसथाहाविज्यातं॥थोनलिथोपुनुनित्यं॥अपसरालोकयावचनथे॥नित्यकिनस्वपो
लमोलहुयाव॥प्रधानवेलस॥श्रीमाहादेवपूजायाज्ञव॥श्रीस्वकारनियरमेस्वरयाजं
पध्यानयाज्ञव नित्यरथथेतुयाज्ञवचोनं॥थोयलसथोपापिनियाचेष्टादयाव॥माहापु
नेसरिरजुयाववलं॥लंवनथोपापिनिधिलं॥हनथोयासरिरनुलिजायावेवलं क्रमाया
सिनंदुगनहिस्तानलाज्ञववलं॥दकोपापनं॥थोतेलताववन॥थोनीहिथोपापनिगुलसी
थवसरिरदिवासरिरगुयावः॥स्वेयावमनसभ्रटिहर्षमानपानाव॥जीनद्यपुवाभानहृष्टा

वहादिने भुगुति प्रकाश का हर्न धनीति। हादि प्रकाश माघ सुकृ पा पुन सासि सुकृ: स्वर्ग न भ
पसरा लोक न थो था प्रस को हव माव ॥ थो सातिन था मा प्रसि पा ती र स श्री ३ स्व स्थानि पर मे स्व
रथा धर्मि वरि दिने पात। सम सं सा सा गि तल तात का वत या सा का उ को न धो वेत स थो पा पि नि न थो
भ प स रा ली के पा नि धर्म दिने न गान की चीन म का उ: अप नि स था स व न्ना व पा पी नि न था मा भो अ स
रा लोक ॥ थो था य स: दि सु क र या व व नं थो जी न उ मु नु नि स्थी कि न स्व पो ह अ स नान या ना व ॥ म थो न वे ह
स श्री मा हा दे व र ह पु जा या ना व ॥ जी न क को ज प थ्या न आ दि न वा ध न तो व पा य आ दि न जि स वे

११९

भरि नं वा को से ज्ञा या ना ॥ थो मु मु नि स्थी जी स ति ल मु ति ल व मा व: अ ति नी र्म त दे ह सी जे मा। व त थ क: भो
अ प स रा मा मु क नि: आ व जि र्वा स्थानी वा मे स्व र मा धर्म दि न मा त दु व लु म दु जी न ग थे या य: जी र लं भु गु ती धर्म
द न का व ॥ कृ ना या ना दि स मा त: जी पा पी नी मु ना व द या के र ना द य के मा त: जी पा पि: जी पा पी नी उ धा र मा से दि
य मा त: जी दुं मा ना न उ धा र मु दि: भो अ प स रा ली क दि ल्का मा द या न जी मु ती ल: उ धा लु तो आ व श्री ३ स्व:
स्थानी व मे स्व र मा धर्म वरि दिने या त दु दु द य के मा त: थो व व पा पी ध ग थे र स म सं व ज न द य के मा
त जी न दु व लु म दु ॥ जी न दु व लु नं ॥ धर्म दिने ध कं था मा व थो ने पा पि नी या भा या ने ना व अ प स रा

लोक न ध्यायाः भो पापी नीनेः आम बुद्धी स चो रूपा का पात्रः समस्तं सा मा गी द्य की वः आम बुद्धिः ॥
 पापि ब्रह्म वने ता नः समस्तं द्य का व धर्म दने ध्य का व धो ते अप सरा लोक ध्या भा वा ने ना व
 : पापी नीनं जुह तां क व ह व ने ता नः समस्तं सा मा गी द्य का व अप सरा प नी स व ना पं धर्म दने
 दात ॥ त मा र या वा व ची नः ॥ धो वे त स धो पा पी न पा पि ब्रह्म वने ता नं द्य का व त याः व लु स म
 तं धो धर्म वर्त दने धर्कः ध्या याः धा पु ये न समस्तं सा मा गी ह व ने द या व ची नः ॥ छी छी दः एत च नः
 अस्त सु ग दः भुवः दिवः मा धिः धा ति दु दुः पंचा मृतः तां भुः फलः फलः सी सा त्या नं सं मस्तं सा मा गी

११२

एत ने त या र जु पा व ची नीः धो स्व या व पा पि नि न जु ल सी मन स अति हर्ष मान घा ना व र्च मे र्द्वि र
 धर्कः मन न म स्का र पा द्म अति र स ना या व ॥ अप सरा पी नि धा स व सा व पा पि नि न ध्या या भो अ
 प सरा लोक स्व व र्द्वि स्का र या व च न धर्मी न धर्म वर्त दने दात पी व र्द्वि ष नि ता न समस्तं व
 लु द्य का ॥ आ व र्द्वि स्वी मा कृ पा न सम सी सा मा गी पा पि न जु पा व ची न स्व व र्द्वि धर्क ध्या या व धो
 ते पा पि नि धा भा वा ने ना व अप सरा प नि से न स्व या व श्रु ती आ स र्प च ध्या व ध्या या भो सु परिः
 आ व ह द न त पा पि नि ध्या याः आ व द पु न्ये व ति जु ल धर्क ॥ धन्य र्द्वि न भ ति भा व या व द न जि

पानि सरनापी आसो सासाजिन श्री ३ स्थानि परमेस्वरी पाथम वार्दि सुवे चर्क चापावः
थो ते अपसर लोक पा भाषाने नाव भुगुहिसा सागिन चंद्रा वतिन जलसी अपसर लोक कतना
पं भोगुहि धर्म वतन आसकरा स अकार चो या वः सा सुवि जुपा व गये सा स्व सल्लसित प्रा
अर्थ मोर स र्चा न पुजा या नावः वाधन आदिन ज्ञाना व नाना मुगं धुप धना व फ को ज ध ध्यान या ना
जो व पद ल पा व र्प चा म त ने व दे आदिन गव प्र ग्या लिस सा स्वान सधि धुप दि प प क ज्ञान व
ल स र्दि ना आदि त या वः अपसर लोक पानि सरनापी भोगुहि प्रकारेन श्री ३ स्थानि परमेस्व

११३

ए प्राप्ति न धर्म दना वः वर्त स सा पत प्रातं ॥ थो नहि अर्थ पात्र का पावः सकल सेनं फ को ता व पा
नावः श्री ३ स्थानि परमेस्वर प्रात अर्थ वीर ॥ थनी हि चंद्रा वतिनं अर्थ जो नावः श्री ३ स्थानि पर
मेस्वर प्रा तो व प्रातं ॥ जो पर मेस्वर हव कार स गिन सा स से अर्थ का न दूर पो रू नि द्रा या ना आ
व भुगुहि अपरा ध क्ष मा प्रा ना वी ज्ञा य सा त भो लोक ना थ दूर पो रू वि स म स प्रा नि प्रा नु ग र स
वि ज्ञा ना व ॥ पा प पुं न या सा दि जु पा व वि ज्ञा क थ धि न स र्दि र पा के स ह स को ति २ न म ह का भो प
रं व स पर मेस्वर सा ति स्थिती क र्त्त वि ला चा पा ली दूर पो रू स्थिती क र्त्त वी लु चा या ली दूर पो रू

सर्वारक्तसिद्धिदायकसुंदरपोतः॥गुहिसुनिनस्वगुहिसुनिजिष्ठाप्रविज्याकलींदरपोतः॥अधि
सुंदरमेस्वरयाचनसुंदरकोतीनमस्तकारभोभगवानपुथिआपतेजवापुआकामथोसुनींदर
पोतः॥गुनातिथिआपलसुंदरपोतः॥गोमयस्वयापुगलसुंदरवीज्याकलींदरपोतः॥ब्रह्माद्यापलसुंदरपो
तनीजननिरकरआपलसुंदरपोतः॥अधिः॥सपरमेस्वरयातकोतीनमस्तकारः॥श्रुतंमुनिंदर
पोतः॥आदिमदुश्रंतनंसुंदरपोतः॥अतिपुतआपलसुंदरपोतः॥योगिनीजोगननुयकेमः
जीवसुंदरपोतः॥देवयांदेवदरपोतः॥अधिः॥सुतेतेकेनाथवारंवारनमस्तकारभोनाथपीना

११४

अलसुंदरपोतः॥अभिदिद्रयासरनअलसुंदरपोतः॥सुनुदेवयांसुनुसुंदरपोतः॥कारदेवतापीकाल
सुंदरपोतः॥सकतिस्वरूपसुंदरपोतः॥नेजयातेजसुंदरपोतः॥ग्यानसांग्यानसुंदरपोतः॥अधिः॥सद
रपोतः॥पाकेसकालंकोतीनमस्तकारभोविसुभरः॥विस्वरूपआपलसुंदरपोतः॥थोपिथीयाभार
कोताकलींदरपोतः॥थोवतुदेसमुवनथवप्यापसतयाः॥जोगिनिपाकेसयननुसेखवीज्याक
लींदरपोतः॥दुषसंहारपाकः॥साधुरक्षापाकः॥अधिः॥सपरमेस्वरयाचनः॥कोसहसकोति
नमस्तकारभोश्रीस्वाथानिपरमेस्वरजीअपरथरपातसहस्रक्षमायाभाविज्याममाल

जीव हृत्पापिनिनः दुद्धर पोलपा सुतिया य फ ईवः दोहदि सुतु थु ला व चोरः लः से वना गनं म फु
दल पोलपा सुतियायः समर्थ पदुः भो भ म व र्क र वे ग रि सुतुः थु व लः च तु मु व व र्क र न दे वः वा क्य
न सुतिया इन दल पोल सी तोष पा य म फु जी ध र्क पा पि दे ह न सुतिया इनं दु दल पोल सी तोष
गु र्विः हे र्वि र्जी पा पि नि या पु ज्ञा न दल पोल सी तोष गु स वि ज्ञा य मा लः जी अ ना थ जा ती
अ क्ता या सुति न सी तोष गु वी त्या हु ने थ कः ना ना मा थ नः श्री र्व स्व स्थानि व र मे स्वर या के
तो व प्रा थ ना या ना वः ने पा हा हा ति नीः अ व जो ना व र्वि र्वा त अ व वि पा व र्क पु न सा त

॥ थो नी ति ध र्म फ ने धु न का वः स्वन को का मा वः अप सरा लो क न गु र सी था प्रा भो सु र
दि आ व थो अ ति त म धि स ति पु नु स न स ने सु नं स्वा न धु न का व द न पा ल न या व थ निः
आ त वि सी र्वि र्वा ग र्क ना या व र्वि र्वा ध्या न प्रा ना व चो न थो च्या पा अ ति त म धि
या फो र्दों फु ल स्वा न ची त स्वा न ज ज म का आ दि स गो न स हि त द य का वः स्वा मि दः
त सा स्वा मि त व द्वा य स्वा मि म द त सा पु व ल व द्वा यः पु व म द त साः सी व पु व ल व द्वा
य सी व का प्री म द त सा थो सा रि न थ या सु ति स तु य का व द्वा ॥ थो ते धु न का व थ म नः

पालनप्रवृत्ति॥ भो मुदीरुगुणि धर्मवर्तन जीवदत्तो हेः तोहते मन्त्रः धो धर्मवर्त पाप
 नेन हन मनो रथतस्कारन पुनर्जुइ विपुका भो मुदीरुगुणि धर्मवर्तन जीवदत्तो हेः तोहते मन्त्रः
 कै॥ वेला का साव अपसरालो क स्वर्ग धालनन धो नीले चंद्रावति वृत्तानि ननु ११६
 लसी॥ अपसरालो कंन धापा थेः चिद्गुणा मर्तना प्रानातः नाना सुगंध धुव ध
 नाव श्री स्वस्थानि परमेस्वर प्राजप व्यान पाना वरा विहर्न ॥ धो नहि प्रात का
 ल गुपाव श्री सुप्रतिर्वेदे म गुपावः मरुत्त एवाव नैः शक्ति नैः गुलसीः साहीन प्रोस स

को हाव नाव अपसरान पाना वर स व्यातर्पन धुन का व व्यापात श्रितित मधि व्यातु जत्र म का
 व्या को तदीं को हस्तीन व्यापात गवार व्याकृत गो यासि सा स्वी स्वगन सहित जो नाव ध
 ती स जो नाव धापा भो श्री स्वस्थानी परमेस्वर जीन परमेस्वर जी इजुल सा भारत
 मनुः पुत्र पुत्रि मनु धव धि थी हाता नार मा म वव सु सु नुं जी मनुः मी सा जाति य कातः
 पाना वता का ह द तो थन सा हा दु धरि याव चो ना आ व जी थ व स्वा मिन वज ज व हो न का व
 प्रसंनं गु से वी जा प्र मा ल कः थो त धा पा वः सा हा वे गन आ ना व को न सा लिन धा पा सु सी

यथेचोनेमपुतोसकमनीस्वतुनिवनेधर्कः जीकातनः धाधिकः अपुर्वनिमधिगधेनप स्वाभि
तापातातसाहंतिनेमानेपार्निवनयः नापामलातसाः धोप्रातनकेमपुः आवमाहनिवने
धर्कधायानसमदु आदिगन्धकिधुचाभाचा आदिसकस्यः मनीमातवनेधर्कः धोनगिनी
समुदपाहावन ॥ धोनहि नगिनीन गुरुसी माधिपेपाजोनावधास २ सुचाषावावनिग
धाकिसमुद आदिसकमनीमातगुरुस्वपा २ धासगनंनुप्र केमफपावसाहीनधायाकुसी
समातेधर्कस्वतुवन ॥ धोनहिमुसिसचोडनागनः मनः नंभातुहपावः आहगाधिकः अ

पुर्वमाधिपेपा जीनतानाधाधिकः वेहसनगिनीसमु आवगये पायमि मनेप्रवर २ धोनगिनीः
माध्याह्नमषनादिलामदतहागनवन धसमिमनेहे समीवनानं धोजषवमपुसितो ला
म्लाहताः आवत्यतनिवने ॥ जीकातनजकगये धाधिकः अपुर्वमाधिः नगिनीनापातातसाहती
नेपार्निवनयनापामलातसा धुगुहिप्रातनअगिसमु धौगुनर मोचके नीर्वय आवथथेचोनेमपु
तोः स्वतुनिवनेधर्क भाजपावसमुदसमातेधर्कवन ॥ धोनहि नगिनीन नागमालेधर्कः
स्वतुवनः धोवेहसः देवसंजोगनः धी ३ स्वस्थानिपरमेस्वरयाः अनितमाधिपाप्रभावनसः

मुदः स्नाति नद्या प्राप्नुति होतुः धार्मिकः निजना पलातः धनः नातिन पदं स्वामि त्वं ज्ञाना व मिषा
न हरषि व्योमिः हासका वनाग प्राचन संभो क पुया वः स्वामि मा स्वा ल स्वया वः नागिनी नि न्या प्रा मो
स्वामि नागराज धन्ये रजि भागे हि मने गुणि सन्वतः न क वन दूत पोत मा दर्शन स दुः धनि प्रादि
न स तु नि दह पोत मा दहा ल घना ॥ भो स्वामि डे से वी ज्या हु ने जी नः अति भिं व वी नती प्राप्नुः धनि ॥ ११८
प्रादि न स जी न अपु र्व सा धि दे वा हा डु ग थो पो ल स जी न मनः न भा त पा ॥ हा प्र २ गा धि डः सा धि जीः
न हा न्ना धा धि डः पो ल स जी स्वामि मुदु जी प्रा का त न डु को ग ये धा धि डः अपु र्व के सा धि न प जी स्वा

मिम दम की व जी प्रा का त न डु को ग ये न प्र धर्क भा त पा व धा त २ मु चा पं ति सा ज स मुद आदि स
क व मनं सा त ग प्रा म्ब प्रा २ धार्मिक नं तु प्र के म क् प्रा व प्रा न मो व के नि स व सा ना व गु प्राः भो स्वामि ध
जी प्रा दि न स दू ल पो ल ना व म हा त सा धो प्रा न मो व के नि स व यः प्रा ना व गु प्राः भो स्वामि ध नि प्रा दि न
सः थो स्ना ति न न्या प्रा पु ति स मा ते ध र्क व यः दे व र्ग ग नः ध नि हि जि स ने स ना प ला नः भो प्र मु
हि म नि द द तो द ॥ त पो ल गो से र वि ज्ञा ना स म स न्द स नी त न आ ग्या द य क से वि ज्ञा हु ने ध
र्क धा प्रा वः थो ते न गि नी प्रा प्रा ना ने नाः ना ग न ग ल सा मन स अति हर ष मानः प्रा ना वः

मुमुक्षुना किं तावदाहं भोजिनी देवद्वि सन्नेष्टाहोः दनकेतुमनतः पावः दनर्थं धाकायाः
वत्तुमातुगुप्ताः धनिपादेन सद्यः जिह्वापलायाः जीमनसधनिमाह आनन्देन भोज
गिनिनेष्टः जिने धानि अपूर्वमधिपेपाताहः धोव्येहसजीमनः नभातपाधधः पदार्थवत्तु
नप्रपातजिप्ताकातनगुको गथेनयः धाधः देहसजिकतातः नगिनीमदुआवगथेष्टा
यः नगिनीनापलातसाहानिनी पाईनावनयभातपावदस्यहवपाधकीः भोजगिनि
जिनधनिदभापमहातसाः प्रानमोचकेनीस्वयसावावसमुदसद्यपधर्कमाहवया

१२०

भोजान्नेत्यादिधने ईष्टारधने ईष्टिजिसभागधनिमादिनसद्यः जिह्वाहनेष्टवः गोहृदेवतानकि
जीमहोनकतुषसः धने ईष्टारधने ईष्टभागभोजगिनीः धोअपूर्वमधिः नीपादनतनायोः नी
पाजीनभक्षनसाधधर्कधापावः नीपानगिनीपातवेष्टावः धोनातिनगीनिनधायाभोप्रः
मुनागशगोदतपोहसेनलान्धर्थजीन अपूर्वमधिपेपातलानाआवधोमधिनीपादतपो
तपातकासेविज्ञाहनेः नेपातजीनः नयधर्कः नीलस्त्रीपुदस्येनः धीधमधिदेष्टावधिधी
खाहस्यपावः पदार्थआनन्दनभक्षमाती ॥ धोनातिनागनगुहसीः नगिनीयाखातस्यपाव

भृतिप्रेमभावात्तानावः मुमुक्षुन के लाव धापाः भो नगिनीनेतः धानि यागिन सधन रवा
तत्त्व प्राप जी मनसः अति शान्दशतः भो नगिनीः भो अगुर्वसाध प्राकारि नं द्विजी सना
पलाभाः गोह मनु येन भोगति माधिरुप कारुतः भो मनु येन मभोर थवीह पुन १२९
शुद्ध मातः लदिमीन वधि मान गुप मातः सतु २५ गुप मातः सुधो सा मनो थ वी
हृत्त ५ गुति नत्का र्णो सि धम मातः इह लोक सं माह लुधि गुप्राव श्रं नं का लस
के ता स स वा स लप मातः भो नगिनी गोह मनु येनः भो माधिरु किं ह ह ल व ल याः

कळे संः श्री सुजे ५५ प्र गुप लुन मनो थ पुन गुप मातः भो नगिनीः श्री जीने ल होन का थो
भो याने वा मा व को न त स्का र न होने मातः भो प्रा ने स्वरिः आ व दि गितः पद शानं पु रि वने नु
यो ध के धा पा वः भो ते ना ग पा व च न डे ना वः नगिनीधः आ सि वा द वि मा ॥ भो स्व मि ना
ए ज जीने आ सि वा द वि दः ने ते वी जा धु मि गोह मनु येनः भो श्री १ स्व धा नि प र मे स्वरः
मा धर्म द नु १ भो मा धिरु प क ह ह लः भो मनु येन नः न व ग ह दे व ता न दु ध वि स म फ
य मातः स न वा तं भो म ना नः न व ग ह दे व ता न व ल गुप मातः रि ला दि ग दे व ता नः भो हः

मनुष्ये मातर्यामि मातः भुतपेतापि सा सदा जीनि स्यात्किं राक्षस आदि धोपनि सेनं धो मा
 त मय दुषः वीर मफल मातः कुलि आदि लो गः दिनः मय विष मफल मातः विरोधः आदि गो
 र्नः थो मातः मय दुष विष मफल मातः रगे रक्षि थो मातः व ले गुप्त मातः भोजे वत गुप्त मातः
 लः भोत्वामि नागरजः रिगि साभि लालि पु रूष ले ना धीः थो म मनुष्ये मातः का प्र व वा मा
 र्च चो न सीः मा मः व बु व वा मा र्च चो न सीः थ म स्व मि र्च वा मा र्च चो न सीः थो ते वा मा र्च चो न सीः
 : छ र ना पी हो ने वा द गु ल सीः प्र ल व त स कार नं हो ने मातः भोत्वामिः धू र पो ल से नः आ ग्या

१२२

५ म क्का थो गो ल मनुष्ये नः थो धर्म वर्त मा मधि दुष क ल ह त थो ल मनुष्ये मातः ना कार्नीः क मे स
 श्री दे वा क र त ५ म गु ल गु ल म नो र्ध का म ना सि थ गु मा र्च मा ल ना ग्य व रं त गु मा र्च मनुष्ये न
 : थो ने माता ॥ भोत्वामि नागरजः आ वा रि गि सः थ र्च वा म गृ ह व ने नु सो ध की धा पा व नीः
 लालि पु रूष ले नः अ ने ग प्र कार नः यी ज्ञा व ति मा त आ लि र्च वि या व प रं मः आ न न्द न ना
 ना व ला ग र नि ल ना र्च थ र्च दे व ना र्च अ ने ग किं रा भो ग या ना र्च प र म आ न न्दी न मा ता
 छ र न का ल ह ना र्च चो न गु ले ॥ थो न ली थो पु रु मा सु ये अ स्त मा न गु मा र्च र र्च मा

समप्रजुमानपुनर्वैद्वत्तुपुयावः कृती धोनीतः धोनीद्रावतिवमानिनजु
 लसीः चरिगागतनिमानात्रः पदस्त्रामिनवराजवहोने वीक्षापानाव श्री
 त्याथानिपामे त्याहिया ध्यानयानावराविहृत्तुलोः धोनीतप्रातका
 लजुप्रावः पुर्वदीस्तान श्री धोनीद्रावतिवमानिनजु
 लसीः साहिनथाप्रापुससकुहावप्रावः भीमकर्मधर्ममानकोधुनकाव श्री लुप्यः
 देवतायातर्ध्वीविद्यावदंद्वतप्रनामीः पानाव धोनेधुनकाव श्री माहुरेवपुजाप्रा

१२३

नावः धोनीतभीद्रुः लोहोदगुलीसकेकनुनाव श्री स्वस्थानीपामे त्याहियाः ध्यानयानावसीया
 तीसियावचीनः धोवेतसः धोरावेदेसप्राकतकः धोसाहीनप्रातिसश्रुत्मानयापध्वकः वतः
 धोनीतीस्तानः संध्याः त्वनः श्रागिनधुनकावः वनेतेववेहता धोकतकनः चंद्रावतीवनः धोः
 त्वप्रावः रावनेदेसप्राकतकधीधीयज्ञानावः भोवासापानिः त्ववराधिद्रुपामेस्वयिः
 श्रीसादलः माहाप्रकचीतपानावः श्रीयातीतिप्रावः इत्यहियाध्यानयानावः माहायकः
 चीतनचीनः गोवेतसंधिजीसेनममानाः धोलुगुर्विधकः श्रीमाहासुराद्रिप्रावचीद्रुमी

साधारणनखाकोसमस्तः भोयकेऽसावचोनः साधातका मदेव प्राकृतातः रतिचोर्ध्वचोऽः
समस्तः तद्वानः संशुक्रः नीलमयानावचोनः भोपासावनीः नेनजीमनसः शः पोमनु
मनुः साधातः तदिमीदेवताध्वः चोनधोशः देवकं न्यालहाकिः गंधर्वकं न्यालहाकिः
वीसाध्वानी सके न्यालाः अथवा अपसत लोक प्राः नकिंलः संभाधा धालहाः वीः
लोतमा धायालहाः उर्वसि धायालहाः धोसुमुर्विषसथकः मिनी सधो प्राधा स
ः सध नोऽः नेन्येनुधो धकः धासावसक तसेनः साधुति धानावः धोधाधा सवनाः

१२०

वधापः भोसुदरिदल पोतसुनु र्विजीपानिसेनमसि प्राः देवकं न्यालाः गंधर्वकं न्यालाविष्ण
धर्कं न्यालाः अथवा मनुहालाः धोधरुति धसि चोडन रमी धानाजि पानि साकमेमतेवः
मीसा जातसाकात नं विष्णानुधुका मन्ना नंध धेत पस्यामाना वविष्णाना धकी धासावः
धोते लोक कतक सावादे नाव चडा वतिन धासा धोसाहा पुरुष पानि डे सेदि सः नेजी
गुति वांत वकने जीला गुतसी देवकं न्या मनुः गंधर्वकं न्या मनुः वीसाधर्कं न्या म
नुः जीला गुलसी मनुहा जातिथुकाः धोसाहा पुरुष जी गुर्वि वरुना पुरुषा सादे सः

श्रीः श्रीनिवासि धामनाममहात्मनः श्रीः श्रीनिवासचंद्रावतिवल्लनीधुकाः
 : श्रीभालोत्तरीगोमयगुंथायावमतिपाकाः नवराजधायावमतिधुका
 मोहाहापुरुषकानिः हिननेऽस्तेगगादिनतः धोथावसर्विगतिश्रयं एतौ कपनवपा
 प्रः श्रीस्वत्थामिपरमेस्वरयाधर्मवर्तिजीनाः श्रीनजीनधोपानिसधासवनावः नीपैः
 धर्मद्वाराः चदिधोथापसजिमाकातनः नगार्तिनाप्रानावचोऽग्रावधोनदिसश्रिताः
 नः संध्याः नितेकर्तधुनकाः पददेसवरुनापुरहिहावनेधर्कमननभातवावचोना

१२५

मोहाहापुरुषजीवितधोनेधर्कआप्रावधोनेचंद्रावतिपाषनेनावः रावनेदेसपाकतकश्रास
 जेचासाक्षीधिसाधुतिप्रानावः मोहासाधुनिगधिरुः श्रीसर्धधोवत्तनिधालः गोमयगुंथा
 कासनवराजधात्मनजिभाततोधाकधालनवराजधात्मनगुलसीजिगीमथाकुलः धोचंद्रावति
 वल्लनिः रिगीसरगापाकलातः वरताममुलाश्राववसमधुविचातयाप्रजिजिसरागापाकेधे
 नकेनुयोधर्कधायावः सकलकतकंः धीधिसाधुतिपाडावरागापाकेधेनकेधर्कएतगहेस
 दुहावनैः धोनेतिचंद्रावतिनगुलसाः पदनिसेकर्ममातकोधुनकावसुसिनधाहावयावध

महान्महादेवः कुरुते को न यावः वरुचसः सुमुंकी चीनः धोनीते लोक सहे राजा या था सव ना वईना
पयातः भोमा हा राज स्वनि श्रुति आस जे मद्यताई ना पयावः ने सेवी ज्या मुनेः धनि हा दि न सः
श्री सुयुक्ति प्रजु मव रुनी न जी वानि स क र्मा सा ही न सु सिस मो त रु म थ के व नाः धो दे त स
जी वानि स मा त को कृ पा क र्म पु न का व ति स व ने ने नाः दे त स व ड म सु र्द रि के ना द स व
जः धो के ना ग धि ड धा त साः सा का न हा धी वो ड थैः व ति स त स नः न सै जु त की भि ड गु लो ह त स
के क तु ग ल मा हा लु ची ज या व वो डः म क चि त न ई स्वि र सा ज प ध्या न ध्या ना व वो डः धो स्व मा व

१२६

जी वानि स क र्मेः धो धो था स व ना व जी वानि से नः ने ना भो सु म र्द र्द ल पो त सु मु र्द रि सु पा ल्या च सु धा
सु धा क ता तः ना स दुः दु धा नी ति ति ने त प म्या या ना व वी ज्या ड न का र न दु स म स री सी त नु आ ग्याः
द प के से वी ज्या मु ने धा धि ड पु न्ध था स चो ना व मि ध्या न क ने म ते ध र्कः जी वानि से न धा भो मा हा
रा ज धो ते जी वानि स मा वा डे ना वः धो मु र्द रि नः जी वानि स रु व ने धा तः भो मा हा पु र्द र्द ने ड जी लाः
जु त सा व रु ना पु र धा या दे स या श्र मि त्वा मि धा या वा ज न मा ल्या च धु का जी ना म जु ल सा चै द
वा नि धु का ध र्कः जी त्वा मि जु त सीः चै द जो ती न ग र या न व रा ज धा या वा स न धु काः दु धा नी म

तिन जी धन चोना था तमाः सिग प्रादिन स धन स्वर्गिन अप सतपनि धन को हव दार धो धास श्री
 रस्य धानी पर मे त्यर सा धर्म वर्तना व चोनाः भो सनि प संजि व दार जि नं पु गुति धर्म वर्तना
 व धो गुली धास चदि जा गत ना धाना धर्क जी पानि कनाः भो मा लरा ग आर धो ल सु मी धर मा
 ल को नी मे कर्म धुन कार धर दे स व र ना पु र ति हा द ने ध क था लः धो ल ब ल नी द ल पो ल या
 ली धर द मा म धु ला जि पानि से न मा लि माः द ल पो ल या केः वी न ति र ना प मा म धर्क हा ल स नं
 धन व मा य व म धु द ल पो ल से नं वि चा ल मा दार स्व से वी ज्वा हु ने धर्क धा या व आ ग्वा द

१२१

प्र का वः भो प्र जा लो क ने रु आ म स नि न धा मा धु लि मा लि स चो रुः धी चं डा व ति व ल नीः नी स व
 स नं जी क ला र व र्तिः ग ये धा ल साः अ म नं धा को स स क ती पु ल ल का नं गी न गु ल सीः दुः
 र्मा वी या व का य क र दो मा ता द तो आ व तो सी अ धे ध धे ध क स मा चाल म धु जी न गु ल
 सी रा ग भो ग सं द वि ना व चो नाः भो प्र जा लो क ध न्यं २ द प नि जि क ला त चं डा व ति पाः
 स मा चो ल क न व लः आ व द प नि स व स द वि य ध्य क आ ग्वा द प्र का वः अ ने ग ता रि जः
 र व लु व ल पि न ह मा वः भो स मा चार क न व र प नि स जो ग्य २ ती न प्र सा द वि या वः ह

नैः नवराजराजनं आग्रादयकाः भीष्मालोकथनेरुदपनिस आवादि स्फुरपानिः
 तेन गोगुह धातनी कलातं चैव वतिनः बहदय कावः श्रीरत्नस्थानी परमे स्वाप्रा
 गन धर्मिन्ना चोनः पुगुलि चैव सधित्क एवनि तेनः तोसा आदिनं सुषपातजो
 नकावः नवराजराजनः तं वि मे हतंः धर्मिनि जीन गतं स्वीत स्वत व प्रथुका
 भीष्मालोक आवादि पानिः धर्मिनि व सुषपात पनावः धर्मिनि चोना प्रहमना
 तः धर्मिनि चोना व पोते राजा प्रा आग्नेना व द जीव वेधकीः आग्नेनि लि सित

१२८

प्राव सुषपात जोन कावः सकल प्रजालोकः पीका वभिधिः पीहावनंः धर्मिनि नवराजन
 गुरुत्वी स मत्तं सविपानि चोन क ह दो प्राः मामगी मयजुः कलात राजकन्याः वतिः
 स्मिह तः हवने त याव आग्रादय का जि धने इः धनी प्रा दिन स जी कलात चैव व
 ती साती न था प्रा पुति प्राः समि पंतः त पत्या पाना व चोन धर्मीः धन प्रजालोक
 न नीत क ह वत आव धो चैव वति इका प्रः प्रा स मत्तं सा मागी ना एतात कीः
 वभी मीनि पानिः हनं दे सत कत क इ को ल त्व त वने प्रातः नी हात भात कि वः ह

न धोत जे सड़को बाल न ब्रह्म मात धव हान कि वः हन व्याध न दको ब्रह्म मातः
 आप हन भास १ बेज मान आदि न दय की वः हन नीम दत द्या प वत द्य मात धव क
 धा वः हन भास २ बाल धानि से न देवता सा सानि पतं पुट नादि ने आदि पाध पात की
 व हन धो दे स पा प्रजा लोक सकतः व पा द्या धे व सु न पुना वति सानति पा वः हन
 ल वने मात धा वः हन सत कि सि सकत श्री भर्न पुय का व श्रं वा दि आदि तं पा व हः
 स मात धा वः भो मी श्री धानि धो सक तां ध धी त पार धाना वः जी य की व धव श्री

१२८

ग्या द य का वः धो ते रा जा पा आने ना वः मं श्री धानि से न कुल लीः दय जी व धव श्री आ ग्या
 ली र सी त द्या वत स्कार न मं श्री धनी से न त पार धातः धो नं ली न द्य राज न कुल लीः
 मा म गो म द्रु द्या ह व ने आ ग्या द य काः भो मा म द्रु वे त से नं सु म बाल स वि ज्ञा
 हुनिः चै द्या वति ल वत वी ज्ञा य मात भो रा व न्य वति द सु म पात स द्रुः जी कता त चै द्या
 वति ल वत वन मात धा मा वः धो नं ली स म ल धा य स सा मा गित पार धातः धो नं ति म
 श्री धानि से न कुल ली स म ल सा मा गित पार धा ना व रा जा पा धा व ना व धातं भो मा

हा हा जेवळ कोल स प्राग्वा भें समस्त त प्राग्वा आ व सुवेला सी प्रत न धान पा ले बी न्वा तु
 ने ध के वा प्राग्वा धो ते मीची तो क प्रा भा धाने ना व चं झा वति प्रातः अश्लेग मनि सा
 नी के प्राग्वा भनी ती प्र का वः गरि ज (पात वतं वारि प्रा व सतं अ न गः १३०) मा ता स मस्तं पी
 का प्राग्वा मीची पाने सह ने धातः भो मीची वानि प्राग्वा द्वा नि वना वः भो अतं का त स
 मस्तं जो ना व चं झा वति प्रात वस्त्र अतं का त ना ति प्र का वः ना ना वा ज न धात का व
 सुष पात संध ना वः व ना व हु की त ध के जी न ज्वा सी धो वात के त स त व प्र ध के

१३०

आग्वा बी प्राग्वा धो ते राजा प्राग्वा उ ना व मं वि वानि से न ज्वा सांः समस्त अत का त जो
 न का वः चं झा वति प्रा धा स धे न क त व नः धो नं ती न र राज मा हा राजा न ज्वा सां अ ने ग ती सा
 ना तिः ती प्राग्वा गरि ज (पात वतं वारि प्रा व सत न प हे रु प्रा व भी उ २) त्या न मा ता न को द्रा प्रा
 व की ति ग प्राग्वा भी गु सु वे ला स व स्था न प्रातं ॥ अ पां म प्र गु सु व त संध ना व दो मा ॥ धो न ही
 ए व न व ती रानि सुष पात संध ना व दो तं ॥ धो न हि प व ह त ने अत मं ग त गु म का पु र्न का हे
 तः धो न हि धो द्रा हि व ने गु ल कु मारि द्रा प त प्रा व दो माः प म नं कि ली ग प्रा वः ध र तिः

अने सुवर्न पादुका जीन कार संची समस्तः सहग पादः धरती २ तपाद को तान को
 ती कतमं हित कारः माहा मंगल पाजा ना माजा ब चंका वति ल सो ल व ने धर्कः न व राज
 माहा राजान धो मातर्क विद्या क जु तं ॥ धो नं ति धो तं न्य दे स पा प्रजा सक ल्यं सु सि नं
 सुव पात जी ना वः साहि न धा पा सु सि पा स नि प स व पा दः चंका वति चो रु धा स धे न क
 ल व नंः धो नं ती प्रजा सक ल से नंः चंका वति पा च र न सं भो क पु पा व वि न ती मातंः भो मा हा
 रा मी ने से वी ज्वा दु नेः द ह पो ल पा स्वा मी न व रा ज नं जी प नी हो स ह ह द ह पो ल प धे वीः

१३९

मात के मात ध कं सुव पात मादि नं वि या ह तः आ व ध धी वी ज्वा दु ने वी तं म पा प्र म ते ध कं
 धा पा वः धो ते प्रजा लो क पा भा वा ने ना वः मन स मा ते ह र्ष मा न या ना व मु लु दु न ऊ हा
 वः मन नं भा ल वा ध न्ये २ श्री ३ स्व था नि पर मे स्वर द ह पो ल पा ध र्म वि र्ति पा पु न न धा नि जी
 स्व मि न व रा ज मा हा रा ज व हो न का व प्र सं न जु व ध न्ये २ द ह पो ल पा च र न संः स ह ल कोः
 ती २ न स ल्का र भो ज र्ग दि स्वरः ले ग द ह पो ल पा ध र्म द ना नं धा नि जी स्वा मि व हो ने दुः
 भो क र्ना म प्र द ह पो ल नु र्द वः भ कि पा दु व र्ण दु हा वी ज्वा क लः पा ध र्म जी पा पि नि धा प्र कं चो

गलमाहादुषकलनमारा माहासमुद्रपरलपचीनावः पाथिऊ जीउ आर मासे प्रसन्न गुप्रा
 वः पाथिऊ लुइर माके कोती नमस्कार धर्मः मो लोकना पदर दोह माग व ध्यान चौद संवस
 दा कातं जीनुगार संत पात्र कृपा प्रसन्न गुसे बीया व माहा मोर वल्ल दह दोह मा प्रत जल्य प्राः
 मावननः वल्लान चतुईस भुवन संसल्लि प्राते बीया तः पथिऊ लुइर वा वा नमस्कार
 रः मो भगवान दह दोह मा कृपानः भनिजि एव न्वदे स मा एनी नु प्रदतो धन्ये जी भागेः
 धन्ये २ दह दोह धर्म नाना मा ध जीः स्वस्थानि पर मे लुइर मा मननं तुति प्रा नाव

१३२

चोन वेल सः स मल्लं ची पुर्न अने गवल्लं आभन आदिन जो गु. वः चैज वति पावत स थो
 न कल वनः मत्री स मल्लं सेन चरन सी मो कपु प्राव धातुः मो माहा एनि जि वनि नु
 एन नराज माहा एगा पा मंत्री पुका दह दोह पथि बीया त के मा र धर्म जी प नी
 दो प्रा व ह लः आवन नानं प्रधान प्रा ना व वि ज्ञा ह नेः मो माहा एनि दह दोह मा ल्या मी
 न प्र सी र्त गु से ह लः पो ग र ज र वा प ता व ल्ल न पा ह र पात्रः थो आभन ने पु प्रा व थो र
 न माहा आदिन को पा मा व लुष पाह ली बीया त का वः नाना नं प्रधान प्रा ते बीया

शुने धर्क धावावः धोले मीची पानि सवचन भाषाने नरः मनस श्रुति हर्षमान प्राना
 वः एवा मिन विसे हवा वलनः पहित पात्रः मनी मानी के या आभन निपु पाव श्रने गः
 र्न नालन को धावावः वलन पीह वयाव सुव पाव स द श्र नाना वाजन धात कावः
 एव न्ये दे स वने धर्क प्र स धान प्रातः धो नहि चं डा वति नं तु र सी मनस श्रुति ह
 र्ध मान प्राज्ञ व मीची आदि श्रने गती क कीत क नहित कावः नाना मंगल पा
 त कावः श्रने ग वाजन धात काव एव न्ये दे स पा धो धा धे न क ह वलं ॥ धो

१३३

वेत स एव न्ये दे स पाः कत क को तान को ती मी जनं मी सानं नाना ची व वी ची वन
 वलन पुना व श्रने ग ती सान ती पाव चं डा वती ए नी चिर वने धर्कः सा हा जा वा
 प्रा ना वः व मी सानः व का पा हात के धी म्या ड वनः हनं न व राज रा गानः धवः
 क ह त ल स प पात धो ग ए व ची म ल सहितः द म का व र दे र दे स हः की स द
 म पा वः दो ह की ती आभन पु म कावः श्रने ग मीची पानि ही वनेः स हः की सी
 : ग म कावः मा म गो म म श्रः एव न्ये वतिः सहित ह व र त पा व मा हा जा वा

भावः अनेगवाजनः धातुकारकोतीरकतकनंहीतकारः प्रासनपतिसेन
 : वैशादिपुणनारिपाथआदिनंप्रातकारः सधुरगायापानावः चैकावति
 पुकोपावदेसउपकारः माहाजावाप्रातः धोवहेसधोदेसयाकतकनया
 लसचोनाग्रकलेआदिसंदपः देसलआदिधास२चोनावतिधुरनलोलावची
 तल्यानजाकिः ताप्रः लानः माहाआदिनलोतावः व्यावनआदिनहुयका
 वः माहाजावापानावः देसलमाहाउपतनसिंधुरगावापानावः माहाआ

१३४

ननभास२मेहातावः वाजनधावावः व्यावनहुयकावदेसउहं ॥ १ धोनंही
 देसजावाधुनकारः नवरागमाहाएगानः गुहसीः राजगहेसदुहावीआकशः
 तो ॥ धोनातिचैकावतिनगुहसीराजगहेदुहावनावः धवस्वामिनवराजराः
 जासावएनसीमोकपुयावः धोनातिगोमप्रजुयाचएनसीमोकपुयावधोनाति
 गोमप्रजुयाचएनसीमोकपुयावः धोनातिरावनेवातिकेहेजुयातः स्वातिधर्क
 आतिवादिवायः रावनेवातिनगुहसीचैकावतिपानुतिसीमोकपुयावः कु

त्वरवाती आदिवी चारु पानातः थवभासके कुरुत कारः अनेगसंवादे पानावः धो नहिः
 नवराज साहा राजानं गुरुसी अनेगसंविधानि मुनकावः सभादस कावः सासजीम
 प्रजुया हवननेतकावः चैकावतिजवसंतयावः रावयेवतिमरसंतयावः मनसश्रीती
 आनंदपानावः मुमुहुनके तावः चैकावति साहाहा स्वयावः आग्यादयकतः भोचै
 कावति ताकातुं दतो जीनदुहिबी दारदवीन कतहयाः आवतोयं दुया तली हा मव
 दनसमाचालः अथेथथेथकी वररमदु दायधोलो तो मवस्यं चोना दुयातनिः

१३५

कै मवत हा हुनं मधुजी राजा गुवः तातं मता साताः भोचैकावति जी राजा गुमाः हाहा
 गदतो आवतोयंः गथेदनमसियाः धो देसया कतकनं तुभानं मकनलाः भोचैकाव
 ली जीनगुसी राजभोगसदुविनावः दतो रमनं भोप्रानेस्वतिः हुनंदमधुनिमिती नः
 साहिनथापानदिस लानपानावः तपस्यापानावचोनाः धनवेनकी वयानं गथेदनमि
 राजा गुमा मसियाताः भोचैकावतिः दुनीमीतिनः धोबुसिया लनीपतसंः वत गो दार
 : बीलीयां पानाव साहा कतनः तपस्यापानावचोनाः भोचैकावतिः हुनंदयाकातनपासा

चानिमदमकः निभासमानावः गधेधोधासः दगधेवमासुनानः दधानावहृतः स
 सत्तंबुर्लतांतनकः धकः भोसुरिहनं धनरूपगीभनस्त्रावासाथेमसुमाहातेजवतगु
 पारचोनः साहातपुनचंद्रचोनध्वः किमनेजासातहमिजुसाववतिस्ततदेननं सर्वगु
 नसाहाततदमीचोनध्वः वीरमानगुसावचोनः साहावदंमुदरिगुसावः देवकन्या
 चोनध्वः जागुलेमानतेजधुसावचोनः एतिवसमानतेजगोहदेवतानंः दनतविह
 : दुतवस्यानधनतहातः धोतेसमस्तवीस्तांतनयानावकः धकः भोचंद्रावतीहवः

१३६

काहसंजिगीश्रुतिः तदुद्विगुसावचोताः सावजीसामसाप्रसादनभीः स्वस्थानीवर
 नेत्यरियाकृपानरावयेदेसमाहागुयधुनोः भोचंद्रावतीध्वयेरिजिसभापः न
 नुनजन्मकालवधायाकुलाथगुलः भोसुदरिआवधनधकनधकंधासावधोतेस्वा
 वीनदराजयाआग्यानेनाः चंद्रावतिनगुलसीधवगुधईनापसायः भोस्वामिनदराज
 स्वामिः जीगुलीधईनापसायनेलेवीप्यादुनेः कपांछरपोहपनिसेनगुलसांः दुह्यातीहो
 यावजीचोनकहहृतः धोवेलसदुह्यालोपानिसेनगुलसांदलपोलरागागुलधककनः

जी न गुह सां: धो ते स मा चार ने ना व: मन स शक्ति हर र्घ मान दाना व: मा स व गु द्या धा स व ना
 व क ना: भो मा हा राज: धो ते गु व ने क: जी मा स व गु शक्ति र स ता मा व: मा हा श्रान नं: जी त वे ता पि
 मा व ह ले भो त्वा पी ॥ धो नं हि जी गुह सां दु ति द ना व द या: धो धा स स दु त्या तो जुं दि ना व: भो त्वा
 सी धु धु नु गुह सी मा ध सु र्क या पु र्न मा सि गु मा व: धो धा स स श्र प स ए पा नि श्री स्व स्थानि पर
 मे स्वर मा ध र्म व त्ति द ना व चो र्न: धो वे ल स दु त्या तो से न जी दु ति का य त त मा ध का व: धो धा
 स स दु त्या तो से न स्व त ने ध र्क: व नं: भो मा राज: धो नं हि दु त्या तो पा नि से न: गु ह सी: श्री स्व

१३९

स्थानी पर मे स्वर मा धा व न: ने ना व: ध र्म द ना मा स्व न जो ना व: जी धा स व क भो प्र नु
 धो वे ल स: दु त्या तो से न: जी ह व ने धा मा व: भो मा हा राज की प्र प मान चा स व: जी व नी
 भा ति वी लं भ गुह स व श्री स्व स्थानी पर मे स्वर मा धा व न भ ती ने ना व चो ना व ह पो
 ल द्या तं: धो सि सा जो ना व: व द्या को से वी ग्रा हु ने ग्या ते २ कि धा स व द्या व: भ धे धा ल
 भो त्वा मि धो वे ल स जी न गुह सी: श्र ते त को र ध या ना व: धो स्व न का मा व: कु ति २ प द्या
 व: कु का ल न दि द्या व: ल का ती ना व द्यो पा: श्र ने ग मा ध न दे व ता मा नी दृ रा पा ना व:

चोना दुल्ला वनिस्तः नाना माधनः वीध विद्या चोनाः भो मा हा राजः धो नलि दुल्ला तो
शु तस्माः ग्या नाव नो म बा ल्यं जी कु वि प्रा व हलंः धो नलिः जी स्वा ति न ध्या मा सु ति धे
न कलं हलंः धो वे त स तस्का र न च त का ना व धी न गुः आ का मा उ न व सु व मा तः
हे त सि तो वा वः मा हा र्द धा र नः न डा मा तः मु स र था रा प्र मा नं वा गा ना व धो वेः
त सं जी कु ति धा द धु स धे नः भो प्र मुः धो वे त स दु ति हो क द मा तः सु ति धा द धु स ला त
कंः जी कु ति न व नः दु ल्ला तो गु को ग धे २ गु व जी न मा ति धाः भो स्वा मि दु ल्ला तो सः स

१३२

मा चा त ध न तोः जी नं मा ति धाः ती क ला स्व क मि लाः धो नलि जी न मा ति धाः भो रा गंः
दुः धो नलि जी शु त तीः सु ति धा द धु सः धा त का व त तः आ ध थं गु को जी के वी चा तः
म दुः हं नं जी ला हा तः गु ति क स का सः क ल नं थि धा व धु धा गु धा व व नं ह नं व दि नः
श्रु ता न्ये शु प का व व नः ह नं व दि नं ये ना द धा व व तः भो स्वा मिः धो नलि स स क ल्यः धो गि
त का वः जी ला हा त धु धा गु म का तः पा प धा सा ग र स ता का तः मा हा श्रु दो र न क स भो
ग धा से चो नाः भो स्वा मि धा धि नः क ल न धा वः मा हा दुः सु ति धा व स ता न ला ना वः धु

गुरि प्रकारः पीडा शास्त्रा हनः जीन श्रुत सां मा स व पु लोत मानाः दृष्ट पो तं लेत माना
 लहना ह इति मित धो पानि जीन लोत मानाः जी पु गुरि जात जी थो ह्य वं स थर्कः थोः
 जीन भा वे स फसाः तु नानं जी स्व पा वः वः ॥ दु धा म पु तु नानं जी वी चार या क म पु भो त्वाः
 मी मा हा रा गः थो गुरि प्रकारः मा हा दु यति पा वः मा हा श्रुत नं दु व सी पा व थो नाः
 भो त्वा मि थ थो पी ड ने इः इ पा वः व स्ये नं तिः ध रु पा दि न स ग्रा ह न पानि नी ल थो ह नः भोज
 न व ने थर्कः जी चो ना था स व तं थो वे ल स जी न थो पानि स ह व न्ये व ना वः धा पा भो ग्रा ह

१३८

न दृष्ट पो ल पानिः ग न वी ज्वा म ते नाः भोज वि ज्वा यः गुर त्वा जी तं दुं ची भा ण खे नं जो ना व वी ज्वा य
 मा त थर्कः ह ना शे पाः भो मा हा रा गः थो नं ति ग्रा ह न पानि ने लं भोज न या त व नं जी तं त प ते ल
 गा वि भा प्र स पो ल वि ना वा हि हा वी ज्वा तः थो वे ल स जी न श्रु त लीः ह ता स नः व ना व ग्रा ह न प
 नी पा स व ना व जी न धा पा भो ग्रा ह न जी न हा ना शे पा गुरिः श्रु न जी त को ना व ह व रा थर्क
 जी न धा पाः थो ते जि भा वा ने ना व ग्रा ह न पानि ते न जी त पो ल वि स्ये त या ना हा का ति ना ह
 पा वः जी ह व न्येः चा तं थो पा पि नीः खाल पु नं सि ना व न वः थर्क स थो श्रु न थो पा पि नि

भाद्रकावः माहाकलनयावकोन्येताः श्रीस्वामिनिर्वासेस्वरदाः सुमनायावः धोवेत
 दनतिपुनः ५ धारगुहिकः धोतेव्यायावः ब्राह्मननीलं पद्मे सती हावीपातः भोप्रभु
 : धोनेलिजीनगुहताः ब्राह्मनयाग्याध्यातुनंसीधधकः सुमिसकोहावनावः धोवेत
 धोसातिनआमासुतिपुसुनावः वनः धोस्वदावजीनगुहसीः श्रुतिवीरापयानावः सुतिनधा
 हावमावब्राह्मसतिस्वः धोजानवधकः भाद्रकावः श्रुतिवीत्यातो धोजानयतेनावेतसः धोवेत
 सः धोनेलिगुमावकोनः धोस्वदावः मीशानधोमहापकावः धोनेलिजीनधधकः भाद्रकावः

१७०

श्रुतिवीनावः धोभस्मनयतेनः धोवेतसः तवकसवदावः धोभस्मपुतेवनः धोस्वदा
 वजीनगुहसीः मननमाहावेसकदावः श्रुतिवीत्यानावः पृथिसंजोहारपुकावयेः
 नेगप्रकारनः वीरापयानाः भोस्वामिमहाराजः ईश्वरदाकेवीकुतिमानावः पुगुहिप्र
 कारनः माहागुहातिदावः धयेनुताकातः पापभोगयात्यैः नरकसपदतपावकोनाः भो
 माहाराजः धोनेलिजी ५ धारगुहगुहसीधकनेनेसेवीपाहुयेः दक्षयादिनसवोषसुक्तया
 पुनेमसिः वदावः धुधुनुस्वर्गलोकनः धोधाप्रसः सातीनश्रुतिसंज्ञानयातववः धोवे

समाजिनः धोः अपसरा वनावः धोः पति सभा सवनावः जीन गुरु सां था या भो सा गु पति हः
ल कोर मुजुर्वि देव क न्या लाः गं बुर किं न्या लाः अपसरा लोक लाः जीन ने नाः भो सा गु पति जी
पापि नी क ना व द या द से दि य मातः जी वा पी नि ग धे न उ था र गु र्वि ध कंः जी न दि न ति या ना
भो वे ल स अप स रा पति से न जी व ना वः क र ना वा या वः जी ह ने आ ग्या द य क तंः भो वा पी नीः
जी न नि दे व कं न्या स मुः जी पति गुरु सां ल गि या अप स रा व नीः पु का भो वा पी नीः स रा क लं
अ म ये वा पी नी था य का व ची ने लाः द ष ना व क र ना वा याः द न त उ प दे स क ने लु थ

१४९

वी त गु या व ने नः धो वे ल स द न त उ था र गु र्वि ध कंः था याः अप स रा पति से नः उ प दे सः
वी तंः भो वा पी नी द नः श्री त्व स्थानि पर मे त्व र या मा हा उ ति स ध र्म वा दि उ ध कंः जी ह
व ने था रंः धो वे ल स जि न था याः भो अप स रा व नीः जी ध पि कु वा पी नी न यु व लु न ध
मि द नेः धो वा पी नी ग धे र् श्री त्व स्थानि पर मे त्व र या गु ण वी धि ग धे र् मा त ग धे
प्रा ना वः व स पो ल सं तु ल गु र्विः पु दु सा मा जी द य के मा त स म लं क ने मा त ध कं जी न वी
न ति या ना भो सा हा र गः धो वे ल सः अप स रा पति से न जी तं उ प दे स वि तंः भो वा पीः

नीलकं: पौषकृत्वा प्राप्नुये मासि बुधु: नील्यं: माचकृत्वा प्राप्नुये मासि बुधु तो क्रिन
त्वपोर: लादि तो अस्मान प्राप्नुये: वाक्रि जाव वेरस: श्री महादेव पुजा माय लदितो ज्ञान
क: श्री स्वस्थानि परमेस्वर सावा मन लाय: धोनं ही लादितं पुनं गुह नाव स: माय ल
न प्राप्नुये मासि बुधु धर्म दने: सतादि प्रथा पा: श्री ती माधि दय के: श्री वद: रजि नंद
की गोह लान दय के: पुप: विप नं वदे: धमनं: क को पग धर्म के: वस्तु दही ना आदी
नं: दय काव: श्री स्वस्थानी परमेस्वर: श्री स उय चारन: पुजा प्राप्नुये: धोने धुन का

१४२

वा स्थान को का प्राप्नुये: च दितो जो जति न प्राप्नुये चो नं धर्म: धधेन तु दन उ धा ज्ञ इव
क: जीत उ पदे सवी प्राप्नुये: अपल लो क स्वर्ग धा ल वनं: भो प्रभु मा हा राज: उ बुधु को
न बुधु प्राप्नुये मासि बुधु प्राप्नुये चो नं: धुधु नील्यं जीन गुह सां: क्रिन त्व पोह: मीह:
दु प्राप्नुये: श्री महादेव लादितं पुजा प्राप्नुये: धमनं क पा धे ला वि प्राप्नुये: मा हा देव मनं:
स्वैरा प्राप्नुये: धुधु नील्यं जीन ला र नु रित वतं: नयती दय द प्राप्नुये: भो मा हा राज: धो मा:
न बुधु प्राप्नुये: मासि बुधु प्राप्नुये: धुधु प्राप्नुये न स: स्वर्ग लोक न: अपल लो क: धो धा य

सके हाव पावः श्री स्वस्थानी परमेश्वर पावः सर्ववर्तना वचनः भो वेदः धी पति धासत
 रनातः जीन धाया भो मातृ पति दल को तसा प्राग्पाथः वीरुतुल पापुन मासि बुनुनी स्वः
 तदीतो जीन स्वपो ल मो लु पावः श्री मा हा देव पुजा धाना वचो नाः तदितं पुनं तुतः आ वध
 नी मा घ तुल पापुन मासि तुतः जी दु व स तुनः धर्मिने धर्क जीन ने नाः धो वेद स प्र प स
 त पति लेन धा लः भो च सा वतिः प्र म सा ही न धा मा सुति पाः प म फि ल वं स्व तांः स मः
 तां सा मा गी द्य का वः धर्मिने धर्कः जी ह व ने धा लः भो मा लु रा जः धो वेद स जीन तु तां

१४३

प्र म साः लोक न धाया धोः प म फि ल वं व स म तां सा मा गी द्य का वः धो वेद सः धो सा मा गीः
 स म तांः सा मा गी की पा स म तां द्य का वः न पा गु ति स म तां सा मा गी तु धा चो नः हु नं जीः
 स रि रः दि वे सा र कु पा व व रः भो स्व मिः धो नं ति जी न तु त सांः धो ग्रा ह सा मा गीः प्र म
 स ता लोक व ना पां श्री स्वस्थानी परमेश्वर पावः धर्मिने धर्कः धो नं ति जी न तु त सांः धो ग्रा ह सा मा गीः प्र म
 स ता लोक व ना पां श्री स्वस्थानी परमेश्वर पावः धर्मिने धर्कः धो नं ति जी न तु त सांः धो ग्रा ह सा मा गीः प्र म
 स ता लोक व ना पां श्री स्वस्थानी परमेश्वर पावः धर्मिने धर्कः धो नं ति जी न तु त सांः धो ग्रा ह सा मा गीः प्र म
 स ता लोक व ना पां श्री स्वस्थानी परमेश्वर पावः धर्मिने धर्कः धो नं ति जी न तु त सांः धो ग्रा ह सा मा गीः प्र म

स्व गोमलाहेतुः द्रवकावः साहादेगनः आनावचोनः बुद्धिभुगकाप्रदोपाः धोनाहोमी
 न श्रुत्वा न प्रानावः श्री ३ साहादेवपुजासाधुनकावः नरासवयावः सगदिश्रुतीतन
 धीपातनप्रानाः भोत्यामिधोवेलासजीनगुहसीः धवदेवदनापुरिः तीहावन्येधक
 मनंभातवावचोनाः धोवेलासः धोरावन्येदेसमाः कतकनः सुमपावशादिनजीना
 वः दलपोलसाशाग्याधकः जीवोनवतः भोप्रभुसाहाराजः श्री ३ स्वस्थानीपरमेस्वर
 प्राकृपानः दलपोलनं पंहेनवन्ये २ जीभाग्यवन्ये २ श्री ३ स्वस्थानीपरमेस्वरः धधि

१४३

नरसिंहाकेकोती २ नमस्कारः भोत्यामीः कपीतथायाब्राह्मनप्राउपदेसनः श्रवसरालोकः
 प्रादप्रानः श्री ३ स्वस्थानीपरमेस्वरप्राकृपानः जीधधिउदिवेदहजुसावः दलपोलनं पंः होः
 नेदतवन्ये २ धोहरीयः भोप्रभुः धोसंसातलः श्री ३ स्वस्थानीपरमेस्वरः वाहिकनः मेवदेव
 तामधुः देवदेवधोलः धर्मप्राधर्मधोहः कातकातधोलः जीगिपानिमेनजीगनः द्रवकाः
 हं धोलः सुप्रस्यकोतीदेवतानं मानेपुजासाकलं धोलः धीधकुधीधसंसा ५ धा
 रमानावसमसां लोकपाः श्रुतमापुद्वगुपावः पापपुन्येपाः सादिगुपावः भगत

जनः ॥ आधारमातेवीणाकलः ॥ पथिः ॥ इति एषा च दत्तं कोती २ न मत्कारः ॥ भी प्रभुः
 माहा राजः ॥ धोले इति एषा कृपानः ॥ जी ॥ आधारगुणावः ॥ दत्तपो रया च रत्ना विदुः ॥ रत्नः
 प्राप्त सदाः ॥ भी स्वामिः ॥ जीनं ॥ दत्त सुख कलन दायक ने धुनः ॥ जी ॥ आधारगुणा खवीतीः
 माय धुनः ॥ भी प्रभु आनः ॥ दत्त पो रः ॥ धो दे सतः ॥ राजगुणा कारन समस्त आगा ॥ देवीयाः
 हुन्येः ॥ दत्त वस्यानः ॥ दत्त पो र सेनः ॥ पथि न्या गु रजे ॥ लक्ष्मि राना कारनः ॥ गधे विज्ञा नः
 आगा ॥ देवीया गुने ॥ धकं ॥ धायाः ॥ भी चैत्रा वती ॥ दत्त ने नावः ॥ सी वी व नी सेन स क र

१४५

सेनः ॥ चैत्रा वती ॥ दत्त सुख दायक ने नावः ॥ नर राजः ॥ राजा नं प्राप्ति ती ल क लेः ॥ श्रुति वी स्म दः
 धायावः ॥ धन्ये ॥ चैत्रा वती ॥ धुनः ॥ सक सेनः ॥ धने ग गुन व्रजा स धक ना व चीन ॥ ॥ धो नं तिः
 गो म प्र गु न गु ल सीः ॥ चैत्रा वती ॥ दत्त पो र सो दाय धा रः ॥ भी चैत्रा वती ॥ धन्ये ॥ दत्त ने ना व
 जी श्रुति संतो व गु म धुनः ॥ भी म सी चाः ॥ आव दन मा र तो र ग गु व गु ती कारनं ॥ स स सं सं क
 नेः ॥ दत्त चीन गुणा व ने ॥ भी चैत्रा वतीः ॥ दत्त काल स दन मा र तो व गु गु द्याः ॥ ॥ दत्त दे स व ने
 धकं ॥ दत्तः ॥ दत्त दे स व ने ॥ धकं दत्तः ॥ धो दे र ल जि न गु ल सीः ॥ माहा कलन दायः ॥ माहा

ॐ नमो भगवते वासुदेवायः कथासु केऽपि कादावः श्रीनंदयोल श्रमजक शात का
वृषीनाः मोमलीचाः धोनीतिः द्रुमा प्रादिनतः स वस्तु विस्वरः जी धातवी ज्यातः धोतिः
जी स्वर्पानि सेनः जी धनावः श्रुति करुना चा मावः जी रतिरु मोचनमाव भातपावः जी
ह वनेः प्राग्पादप्रकृतं मोद्रुजनी धकः दत्तवद्रुवि धनावः जी पानि करुना चाव पुनो
ः श्रावदुःखारमाव जी पानि सेनः उपदेसकनेः प्रकविन शुभावननः दुःखारमाः श्री
स्वस्थानि परमेस्वर्यामाः देवताया धर्मवर्तिका हा कनीवना धकेः कृपां धो वर

१४६

तजोने वीज कृत मा पुन्ये मासि शुक्र निस्थः श्रीन स्वपोल मोठुद्रा वामा हा पापि नृ शुभा
वः लदिगे श्री मा हा देव पुजा यानातः श्रीन क पुवा धान न्ना प धोनीति मा धुलु क पा पुन मा
सी पुनः सतादि चावा श्रुति त मा धि दयकेः धमं क या धो पराधः पुपदि व नैव दे दयकाः
ब्रह्मोदत उपचारनः श्री स्वस्थानी परमेस्वरी या पुजा यावः धो वे लतः द ५ धा ३ ई व
धकः ध धे सवत रि वि स्वर पानि सेनः जी ह वनेः प्राग्पादप्रक से वि ज्या नावः को पुति याः
त व ल स ह व न या को दि कृ ल गो हा त मावः श्री स्वस्थानी पर मे स्वर्याः मा हा उ त म पुन्ये

वर्ति जीत उप देस विता वः स्वर्ग धा हा वी जातः भो महि चाः धो स पत ति वि स्व र या आ ग्वा धी
: पोष हृ ल मा पु न मा सि पु नु नी त्यं : नी ते श्री नं स्व पो र सो र ह्नु पा वः म ध्या न वे र स : ज ग
दि त्य र श्री मा हा दे व पु जा या ना वः कि न द ग्ग वा व न ज्ञा ना : धो नं हि ता दि र्ति पु नं उ पा व मा ध ह
ल मा पु न मा सि पु नु स ता दि पा त अ र ती त म धि र्म का वः धु पा र्ति व नं दे गं गा न र श्री व र्
रु ति च दं : तां भु रः सी सा पु सा : व लः इ दि ना : ध मं कृ पा धे : सा मा ग्री ता र ता त का वः धो ध
नु ध र्म र्म ना ध मं कृ को : पु ज लु ति सा व धु न का वः श्री वि वी धा धो ते धु न का वः स्वा न को :

१०७

का पा नः ध न दे व मा : धो नं हि चा दि जा र्ग ना या ना : श्री र स्व र्मा नी य र्मे स्व र मा : ज प ध्या नः
या ना चो ना : धो व र ल जी न गु र सां : द न भा र तो या तः आ वा आ ति त मा ध स्व गो न स हि तः
ते न का वं त या भो चं का वा ति : ता जी या ने प ह र जा व वे र स : द न भा र तो : धो न क र व र : धो वे
र ल जी न गु र सां : ह ता ल नं : ता हा रो जो ना वः पो हा वं या : धो नं ही द न भा र तो पु ति सी त का
व ध त यो ना व ना : भो महि चा : धो नं हि ध र्म र्म ना या ते न ति न व्या ति या त का : धो ते धु न
का व जी न ने ना : भो पु व न र ता ज : द न व बु र्ग या स म चा र ग धै २ ध कं जी न ने ना : धो वे

दनः स्वातीनः जीतकनः भो मास जीवतु गुरुः सौः त्योर्ग प्रापती गुरुः सातकोः कीयाकर्मवी
दश्रादिनः धनः वृषभुनः भो मास जीवतु गुरुः सौः व्योर्ग प्रापती गुरुः सातकोः कीयाकर्मवी
ः जीतकोः व्योर्गः भो मास जीवतु गुरुः सौः व्योर्ग प्रापती गुरुः सातकोः कीयाकर्मवी
गुरुः सौः व्योर्ग प्रापती गुरुः सातकोः कीयाकर्मवी
गुरुः सौः व्योर्ग प्रापती गुरुः सातकोः कीयाकर्मवी
गुरुः सौः व्योर्ग प्रापती गुरुः सातकोः कीयाकर्मवी
गुरुः सौः व्योर्ग प्रापती गुरुः सातकोः कीयाकर्मवी
गुरुः सौः व्योर्ग प्रापती गुरुः सातकोः कीयाकर्मवी

१४८

श्रुतेः सा मास न पारिपुन्यकः धनी दलपौलपौल स पुण्याधकः जीकेनेनः भो मास जीवतु गुरुः सौः व्योर्ग प्रापती गुरुः सातकोः कीयाकर्मवी
ललः जीनदन मासतोः प्रातकनाः भो पुननेनः धनि प्रादिनसः श्रीस्वस्थानी परमेस्वरः
याधर्मदनाः मेवता प्राप्ता प्राप्ता प्रभुः भो पुनन वराजः दनमानं धेने सातधकः श्रादिनः
वीप्रावप्रमेत्वा सां सुमिना प्राप्ताः भो पुन पधेधकः सननं मास पावः पुगुलि धर्मदना
ः भो चंद्रवतिः धो नलि चदिन मासतोः धो धर्मवर्तिया विधीयाधनः श्रादिनः धो नली प्रातः
का लजुपावः दन मास तो गुरु सां गंगा सनान प्राधकं वनः भो मास जीवतु गुरुः सौः व्योर्ग प्रापती गुरुः सातकोः कीयाकर्मवी

सं श्री हरि हर दे गुणाः दनभात तो सात वृद्ध प्रसादी लः भो ब्राह्मण धर्मः आरु दत्त वृद्धे
दे सल रागा दनुतः जी गु लं की सी सा के दु वि ना वः ची ने भो वे ल सः द धो दे सल वा प्रो धकः जी
न दत्त रा गे म वी से व वि द्र धकः आ ग्या वी या वः श्री हरि हर गंगा संः श्रंत आन गु त्ये वी ग्या १४८
तः भो चं झा वति भो ते वः दनभात तो नं धो ते व वित कन वलंः भो नं हि जी न गु र सा म नः
त आति हर्ष मान प्रा ना वः दनभात तो या तः स्व गो न ल हितः आ वा आति त म धि त व क्ता
नी व वी याः ची त ल्ना नः आदि न वि या वः मो र स ला हा तः त या व आ ति वा द वि याः भो पुः

१४८

वृद्ध वृद्धाः दनभात तो नं धो ते व वित कन वलंः भो नं हि जी न गु र सा म नः
धर्मः एव न्ये दे सल गु नि धकं आति व वि या वः वे द वि या व दी याः भो भात चा भो ल श्री र स्व
स्थानी पर मे स्व र्वा धर्म व र्ति या प्र भा व न आ या ध्य भो दे स या रा गा गु लंः भो चं झा वतीः स
प्रा ति वि स्व र्वा ५ व दे स नं श्री हरि हर द्वा द दानंः जी का मः धो रा व न्ये दे स या अधि प ती गु लं
भो चं झा वति जी यानिः गो ल द न सु र्म ना प्रा ना श्री र स्थानी पर मे स्व र्वा धर्मः भो स या प्रः
भाव न जी यानि ले नः भो रा जे ल दि सी वृ प्र सा द ला नाः भो चं झा वति दनभात तो रा गा गु व

गुरु का [नः] वसु मत्तं कने धुनः जीन दु वली व गु ल कने धुनः भी भाति चाः अथे नं थं वर
 था व व वरः दान धा तलाः कृ पा मा हा दु धी त वं कं दु वली प्रा व ति धु धा ला पु धा गु व का
 वः सा हा न एक तं प र हा वा व ची रुः धा धि न न एक तं चो ना व र सि र सा च ची पा व द नः
 सा र्थ ध दुः धो ते न द न त थं न्ये र धा त द न त गो पः भो र्च का व तीः द न त प त्या नंः श्री र ह्य
 स्थानी प र मे स्वर स त्तो स्त प्रा ना वः भ्र म् सा रि सु ग ति गु प्र का व र नी गु तः व द द नः भो म
 ही चाः धो ते नं स हा का तं श्री र ह्य स्थानी प र मे स्वर साः गु प ध्या नः नु ग त संधा त काः

१५०

वः व स पो र प्रा प्र सा र नंः प्र ह लो क सः सा हा न सु धि गु पा वः श्रु त का त सः स्व ग प्रा व त गु र
 वः भो र्च का व तीः आ व धो र व न्ये डे स पा र नी गु पा वः सु ध न र न्ये भु क् मान प्रा ना व
 जी का व न व र ग का से ना भी न कं प्रा ना वः पो र गे प्रा च र न्या प्रा ना वः दु वि री द प्रा त
 उ धा र प्रा ना वः पो र गे प्रा ल डि मः गु पा वः सु ध नं चो न थ कंः भो र्च का व तीः जी न प्रा ना र्क म
 स म त्तं व द न त कने धुनः आ व र व न्ये व ती के हे न वंः मी ले गु पा वः पो र गे प्रा थं धा का
 पा वः स्वा मी सा हा र गः न व र ग प्रा से ना प्रा ना वः प र म् प्रा न द सु ध न चो रु थ कंः जी गुः

लं वृषस्रवस्था गुरुः भलं सादवनीने सुमया गुरुः भो चैकावतिः आबधोतात चाका
 वधकैः धायावससतः भुक्तीया तातवाः चैकावतिः एव न्येवति एव ज्ञा जाव वि लं
 : भो नंति चैकावतिनेन गुरुत्वाः सा गुया आग्यानेनावमनसः आति हर्षमानमानाव धाया
 : भो सा गुधन्ये २ वत कोत यातय ह्यननः भो सा गु धीतेन धन्ये २ दत कोत भुका दत कोत सा
 प्रसादनः जीवनी लेन माहा सुष संवती तास धुन धन्ये २ दत कोत धकैः धाया वधी
 धी वर सुषनः धाया जाव वदं आ न न चीन ॥ ॥ धो नंति न व एत ए जानं गुरु सां :

१५९

ससतः संती धानि सः हव ने तमावः चैकावति या वनेनावः मनस आति आ नु या नाव माः
 न गो सय गुयाः हव ने तमावः चैकावतीः एवं न्येवतिः नेल कता त जव वर सत पावप
 र्म सुषनं वात हमाव चीन ॥ ॥ धो नंति न व एत ए जानं गुरु सां : धर्मनं प्रजावनी वृती पाः
 त या नावः चतु रदिग सीः एती वि स का वः स सु दृ लो मानः धा नाव धा स २ सा वि धनी लत
 ये भा रवी सावः अने ग स तु ए धानि सो च का वः क ए आदिनं का साव अने ग पु रान मा क
 धा आदिनं ने नाव भीकु २ पंदिन धानि ध धा सत पाव न्या व नी ते धर्म या नावः सातं

माप्रमानं धेः नीतिनं प्रजापनी वृ नी पात प्रमात्रः धोदे सस दुषी दादि प्र सुमद म के ध
 कंः धन म दुल्ल पात धन वी मा वः दे म दुल्ल पात दे वि मा वः दु म दुल्ल पात दु वि मा वः प्रजाः
 लोक मात प्रजा धे मा हा सुवि न सुष वी मा वः अनेग दान कृति मा ना वः प्रा लन वानि लाः
 मा हा सुष वी मा व व र्ध २ वानि श्री ३ स्व रथानी प र मे स्व र मा धर्म वर्त द ना वः स दा का लं नी
 ति २ प्रा लन पानि भो जन मात का वः मा हा आ न नं पु जा मा न्ये मा ना वः श्री ३ भग वा ति गीः
 ता पु राना आदि अनेग पु रान मा कः धो ने ना वः गौ दान आदि अनेग दान पु न्य मा ना वः

१५२

मा म गो म प्र जु पा केः ने ल क हा त नं सेवा या त का वः मा म या त मा हा र्ध म सुष न त या वः सुषः
 नं प्र जा पति पा त या ना व मा हा २ व र क र्म धु हा व धो नः गु धि व र त र्म वी वानि स था ल २ रा ग्ये भा
 रा वी या वः भी ३ २ पं नी तः ध व ज व सं त या व व र सं त या वः ध व ज ल कृ ति ज्ञा त का व ध
 न्ये २ श्री न व रा ग मा हा रा ग व्या प का व ना भा भो म या य दार्ध भो ग या ना वः चं द्रा वा तिः रा
 व न्ये व तीः ए नी ने ल स रः अनेग का म जी दा इ ता दि सुष भो ग या ना वः गो म प्र जु माः
 म मा हि त नः ता का लं प र्द म आ न न रा ग्ये भो ग या ना व श्री ३ स्व रथानी प र मे स्व र मा कृ

पानं परम श्रानं मा हा सुखनं कात हना व चीन गुहं ॥ गो ल म नु देनं थो गुली श्री ३
 स्वस्थानी परमेस्वर द्याः भीमा हा उत म धर्म वतः सा हा पवी व गुदा वः भ की संख्या न सं गुत
 सा ना वः सक ची त प्रा ना वः ईस्वर द्या के मन त सा वः गो ल मे नं भु गुते धर्म दे नी वः अथ वा
 गो ल नं थो गुने क था ने नी वः अथ वा गो ल नं ज्ञा त की वः अथ वा गो ल नं थो क थाः
 दे ल गु नं द य का व त ई वः थो क नि स दे स द्दि द्दे व ता नं द य वि ष म द्दुः ह नं न व ग्ग ह आ
 आदि दे व ता स द्दं प्र स न गु ई वः ह नं ल द्द का हं थो सा दे ल द्दि मी नं वा स प्रा ना व ची नि

१५३

वः ह नं थो स सा र स श्र ने ग द्द सा व ची नि वः ची दो वः आदि ले ग द्द वः थो ते पे तो ती ग नं थो ल
 पा के थो व फ ई व म द्दुः ह नं व न जी तु सा के नं भ य द्द ई व म द्दुः ह नं भु त वे तः पी सा स वाः
 दिः द्दं की नी न्पा दि थो व नि से नं भ य वि ष फ ई व म द्दुः ह नं श्र गि नी सा भ यः ज ल सा भ य
 : र ग्ग सा भ यः स नु सा भ यः थो वे ता सा भ य ना स गु ई वः ह नं श्र का त म् गु श्र आ दि नः
 थो ना स गु ई वः ह नं गो ल म नु श्र सा ध न ई दि सा सा ई वः थो ल सा दे ल द्दि मी नं वा स सा
 ई वः गो ल नं सं ता न वा द्द सा ई वः थो ल सा सं ता न द्द ई वः गो ल नं स नु सो च के वा द्द

कारिः भो लमा सनु नाम जु इविः गो लसेनं स्वर्ग तिसवा दा प्रा इविः भो लमा स्वर्ग तिसं वा स जु इविः
 गो लसेनं वी वा दा प्रा इविः भो लमा त रती समान कला त ला इविः गुहिलो ध्या प्र दु प स नः
 अनं नं वा दा प्रा तः गु ती न नानं पुनं जु इविः हनं अस्व मे द ज ग्य दो ला दि वा ज वे य ज ग्य
 : सतादि कपीतः सा दो ला दि की न्या दानः धो ते पु न्येः धो अ म द न ल मा त ला इविः नी सः
 च प्र जु त गुहिलो ध्या प्रः पं च मा ल वा त कः ब्र ह्म ह्मः आदि धो ते वे ता प्र चो र पा पं ना
 स गु प्रा तः व नी वः हनं गो वे ह सः सा म प्रा ध्या प स म न्वा स मा दि व स भुः गो ल म नु

१५४

क ये नं जीः स्वस्थानी पर मे स्वर प्राः धु गु ति धर्म द न म्भिः भो ल म नु मे द्या नी स व यः
 नः न व स ग वा ह नः गो म प्र जुः वं द्रा व ती ब्र ह्म नी उ धा र जुः प्रा वः स ह लो क तं
 प्रा हा मु द्रा सि प्रा वः अंत का त स कै ला स पु रि वा स जु इविः गुहिलो ध्या प्रः धो स
 साः ह नानं स मु द्रः धो स मु द्र प्राः मार व ने प्रा तः श्रीः स्वस्थानी पर मे स्वर
 प्रा ज प ध्या नं जी वः पा धः का हि क नं मे व तानं मार व ने म पुः धो ते नं स म स नं
 त प्रा सि नः धु गु ति धर्म व र्त्त मा हा उ त म्भ व कः श्री ना द द मु नी स्व र नं आ ग्या

इयकाव ॥ इति श्री स्वस्थानीवर्तिकापुन्येकधासमापुनस्तुभं ॥ श्री महादेव उवाच ॥
व ॥ लंघय ॥ च ॥ भोवापती ॥ स्वस्थानीया प्रभावना ॥ धो धर्म समस्त ॥ धो धर्म सा सा ॥
धो वस्तु कलयां ॥ नेन सयां ॥ समस्तं वाग हनि जुक्ति ॥ धन धान्ये वृद्धि जुक्ति ॥ पुन ॥ पुत्रि ॥ वृ
वी जुक्ति ॥ शुभ संतोष जुक्ति ॥ जुक्ति जुक्त ॥ इति श्री सीवपुत्रये ॥ स्वस्थानीवर्तिकापुनस्तुभं ॥
तस्तुभं ॥ शुभ संतोष ॥ सीवो वक्तु सन या सु सतमितीथी ॥ वीजा प्रस्थाती नवन धुनी ॥
प्रसुरजोग मंगल वा सुतु कवा याग माफु वीगुतो ॥ शुभ संतोष ॥ १००५ सा त सी सा सु ॥

१५५

नवी १२ ते ग ॥ स ॥ धो कुगुता फुताना चोपा जुलं ॥ धधीन सु ईस्व र श्री स्वस्थानी
पाने लर या वान सी सह सर को ती को तिन म स कार ॥ सकल पा वार देवा मा
ना विष्णु मा त भो जगदि स्व ॥ मोहनं लात या अपरा दे मा दाना वी जाप
मा त को ती न म स कार ॥ धो सा फुताना चो पा मोहनं लात नं जुत सुभं ॥
धो सा फु सुनान लोभ मा प पात सा पंच मा हा वा व लाई सुभं ॥ गदि सुदं वा
म सुधं वा जा दु स पु ल कं ॥ ता दु ती रिषित मः सा म म दो व ना दि य ते सुभं ॥ न म स तु ते
सुभं ॥ सुवर्ग गतं भव सु सुभं ॥

लक्ष्मी श्री-पेपालसं मू १००६ सुभली म्यं १२४४ साल सुभनी

१५६

आशा नरवोदि

625

I

ASHA ARCHIVES